ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

You Want Some Cold? Right Here In India?

This isn't about ticking destinations off a list. It's about testing yourself against nature, experiencing silence so profound that it feels sacred, and understanding what 'cold' really means

The Rise Of Estée Lauder

In 1946, at the age of 38, she founded Estée Lauder Inc., with her first product, the Super Rich All Purpose Crème

विपक्ष के वोट बैंक में भारी सेंध लगाई है भाजपा ने, यूजीसी एक्ट में परिवर्तन करके?

नए एक्ट में आरक्षित वर्ग के साथ भेदभाव तो नहीं हो रहा उच्च शिक्षा में, यह देखने के लिए ''इक्विटी कमेटी'' बनाने का प्रावधान किया है

- अब तक उच्च शिक्षा पर लागू आरक्षण प्रावधान एक ''शुभ सलाह'' के रूप में था, पर, नए एक्ट से ''इक्विटी कमेटी'' के गठन को अनिवार्यता का रूप दे दिया गया है, जो भेदभाव की शिकायतें सुनकर, उन पर निर्णय देगी।
- अनिवार्यता के प्रावधान से गैर-आरक्षण प्राप्त वर्ग में भारी प्रतिक्रिया हुई है तथा गैर-आरक्षण प्राप्त वर्ग ने इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे भी खटखटाये हैं तथा आंदोलनकारी मुद्रा अख्तियार कर ली है।
- इस वर्ग की शिकायत है कि उच्च शिक्षा में इस नए प्रावधान से इस वर्ग के साथ अन्याय हो रहा है।
- समाजवादी पार्टी, आरजेडी व कांग्रेस ने यूजीसी एक्ट में हुए इस परिवर्तन का स्वागत किया है। राहुल गांधी काफी समय से ओबीसी व एससी, एसटी वर्ग के हिमायती रहे हैं।
- पर, मोदी ने यूजीसी एक्ट में परिवर्तन कर विपक्ष का एजेंडा एक तरह से, उनसे छीन लेने का गंभीर प्रयास किया है।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 जनवरी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा यूजीसी एक्ट में संशोधन किए जाने के बाद पूरे देश में एक बड़ा और विवादित मामला खड़ा हो गया है। इस संशोधन के तहत, ओबीसी को एससी, एसटी, महिलाओं और दिव्यांगों के साथ शामिल किया गया है, जिससे राजनीतिक और सामाजिक हलकों में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है।

अब ''इक्विटी कमेटियों'' का गठन अनिवार्य कर दिया गया है, लेकिन ऊंची जातियों या सामान्य वर्ग से जुड़े लोगों का मानना है कि इससे उनके साथ भेदभाव हो सकता है।

समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) और कांग्रेस ने इस कदम का स्वागत किया है, क्योंकि कुछ समय से राहुल गांधी का मुख्य एजेंडा ओबीसी और कमज़ोर वर्गों से जुड़े मुद्दे रहे हैं। हालांकि कांग्रेस पार्टी अभी तक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले को बीस साल की सजा

जयपुर, 27 जनवरी। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-1 महानगर द्वितीय ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म करते पकड़े गए अभियुक्त शाहरुख खान को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर एक लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी विकास कुमार खंडेलवाल ने अपने आदेश में कहा कि समाज में ऐसी घटनाएं दिनों दिन बढ़ रही हैं। ऐसे में

- पीड़िता के पिता ने 2021 में विद्याधर नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

अभियुक्त के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक मातादीन शर्मा ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर पीड़िता के पिता ने 4 अक्टूबर, 2021 को विद्याधर नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उनके घर के पास रहने वाला अभियुक्त कुछ दिनों से उसकी बेटी को परेशान कर रहा है। बीती रात करीब दो बजे उसके घर का मेन गेट खटखटाया। जब पीड़िता ने गेट खोला तो सामने अभियुक्त था और वह उसे जबरदस्ती कमरे में ले गया और दुष्कर्म करने लगा। इस दौरान पीड़िता के शोर मचाने पर वह पहली मंजिल से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आरक्षण रहित वर्ग ने संशोधन वापस करवाने के लिए भारी दबाव बनाया

गत चौबीस घंटों में उत्तर प्रदेश के एक जिला मजिस्ट्रेट ने अपना इस्तीफा भेजा तथा भाजपा के एक युवा नेता ने भी अपने पद से इस्तीफा दिया

- अगर, उच्च शिक्षा में आरक्षण देने में किसी संस्थान ने कोताही बरती, तो नए आदेशों के अनुसार, उस संस्था के खिलाफ भारी दण्ड का प्रावधान है, नई व्यवस्था में उस संस्था की मान्यता रद्द की जा सकती है, अनुदान राशि रोकी जा सकती है, आदि।
- आरक्षण रहित वर्ग का कहना है, उच्च शिक्षा में दलित वर्ग को सुविधा सुलभ कराने के लिए किए गये इन प्रावधानों में झोल-झाल है और एक वर्ग विशेष के लिए एकतरफा प्रावधान किये गए, जिनका भारी दुरुपयोग होने की संभावना है।
- दबाव लगातार बनाया जा रहा है कि केन्द्र सरकार यूजीसी एक्ट में किये गए इस परिवर्तन पर पुनः गंभीरता से विचार करे।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 जनवरी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूनिवर्सिटी ग्रान्ट कमीशन - यूजीसी) की नई गाइडलाइंस को लेकर उठा विवाद अब एक बड़े राजनीतिक और प्रशासनिक तूफान का रूप ले चुका है। इसके असर के तौर पर इस्तीफों, निलंबनों और सार्वजनिक प्रदर्शनों की झड़ी लग गई है। पिछले 24 घंटों में, उत्तर प्रदेश के एक डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट ने सरकारी सेवा से इस्तीफा दे दिया है और इसका कारण यूजीसी की नीति से असहमति बताया है। वहीं, भाजपा के एक युवा नेता ने भी पार्टी से इस्तीफा देते हुए कहा कि नई नियमावली सुधार लाने के बजाय, विभाजन को बढ़ावा दे रही है। आलोचकों का कहना है कि ये दोनों इस्तीफे इस बात का सबूत हैं कि यूजीसी के नए नियमों के खिलाफ विरोध अब केवल छात्र राजनीति तक सीमित नहीं रहा, बल्कि राजनीतिक और प्रशासनिक क्षेत्र में भी प्रवेश कर चुका है।

नई गाइडलाइंस के अनुसार, यूजीसी ने सभी उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए समान अवसर केन्द्र (इक्वल अपॉर्चुनिटीज़ सेन्टर), इक्विटी कमेटियाँ और 24 गुणा 7 शिकायत हेल्पलाइन स्थापित करना अनिवार्य कर दिया है, ताकि विशेष रूप से एससी, एसटी और ओबीसी छात्रों के खिलाफ भेदभाव से जुड़ी शिकायतों का निपटारा किया जा सके। नियमों का पालन न करने पर, संस्थानों को मान्यता या

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ओवैसी की पार्टी को विस्तार देने में मददगार है कांग्रेस नेतृत्व

कांग्रेस के ही मुस्लिम नेताओं ने राहुल गांधी पर आरोप लगाया

- इन नेताओं ने राहुल पर मुस्लिम मुद्दों की अनदेखी करने व पार्टी के मुस्लिम नेताओं को दरकिनार करने का आरोप लगाया।
- इन नेताओं ने कहा कि यही वजह है कि ओवैसी की पार्टी, एआईएमआईएम का लगातार विस्तार हो रहा है और आम मुसलमान का रूझान एआईएनआईएम की तरफ हो रहा है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 जनवरी। ऐसे समय में, जब महाराष्ट्र चुनाव नतीजों के बाद देश भर में ''हरा बनाम भगवा'' की बहस तेज़ हो गई है, कांग्रेस के सामने अब एक असहज सवाल खड़ा हो गया है। क्या वह कांग्रेस पार्टी, जो अक्सर भाजपा और एआईएमआईएम पर सांप्रदायिक राजनीति करने का आरोप लगाती है, खुद ही देश में एआईएमआईएम के विस्तार में मददगार रही है?

खास बात यह है कि यह आरोप राजनीतिक विरोधियों की ओर से नहीं, बल्कि खुद कांग्रेस के अंदर से उठ रहा है। अभी पिछले हफ्ते में ही, कांग्रेस से जुड़े तीन प्रमुख मुस्लिम चेहरों ने राहुल गांधी के खिलाफ़ बगावत का झंडा उठाया है। उन्होंने उन पर मुस्लिम मुद्दों की अनदेखी करने और पार्टी के भीतर मुस्लिम नेतृत्व को हाशिये पर डालने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि इसी वजह से असदुद्दीन ओवैसी को राष्ट्रीय राजनीति में एक उभरती ताकत बनने का मौका मिला है।

बिहार चुनाव और महाराष्ट्र के नगर निकाय चुनावों के बाद, एआईएमआईएम लगातार निर्णायक मुस्लिम वोट पर अपना दावा मज़बूत करती दिख रही है।

इसका उदाहरण ठाणे के मुंब्रा इलाके से एआईएमआईएम की एक पार्षद का वायरल बयान है, जिसमें उन्होंने कहा था कि यह इलाका जल्द ही ''हरे रंग'' में रंग दिया जाएगा। हालांकि पुलिस मामला दर्ज होने के बाद, वे शुरुआत में तो माफ़ी मांगती नज़र आईं, लेकिन बाद में उन्होंने अपने माफी वाले बयान से पलटते हुए इसे और आगे बढ़ा दिया।

अब एआईएमआईएम नेताओं की ओर से ऐसे बयान सामने आ रहे हैं, जिनमें ''सिर्फ़ महाराष्ट्र ही नहीं, बल्कि पूरे भारत को हरा रंग देने'' की धमकी दी जा रही है। इससे भाजपा के साथ एक बार फिर तीखे और टकराव भरे राजनीतिक संघर्ष की ज़मीन तैयार होती दिख रही है।

हाई कोर्ट ने एपीओ भर्ती परिणाम के खिलाफ याचिकाएं खारिज कीं

जयपुर, 27 जनवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने सहायक अभियोजन अधिकारी भर्ती-2024 में सिर्फ चार अभ्यर्थियों को पास करने के खिलाफ दायर याचिकाओं को खारिज कर दिया है। जस्टिस समीर जैन ने ये आदेश सृष्टि सिंघल व अन्य की ओर से दायर याचिका पर फैसला सुनाते हुए दिए।

- सुनवाई के दौरान अदालत ने सफल अभ्यर्थियों के साथ दस असफल अभ्यर्थियों की कॉपी मंगा कर देखी थी।

अदालत ने गत 16 जनवरी को दोनों पक्षों की बहस सुनकर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

याचिका में कहा गया कि आरपीएससी ने सहायक अभियोजक अधिकारी के 180 पदों के लिए भर्ती निकाली थी, जिसकी मुख्य परीक्षा में तीन हजार अभ्यर्थी शामिल हुए थे,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत-ईयू ट्रेड डील से लग्ज़री कारें, व्हिस्की और दवाएं सस्ती होंगी

भारत-ईयू फ्री ट्रेड एग्रीमेंट 18 साल के लम्बे इंतज़ार के बाद आखिरकार सम्पन्न हुआ

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 जनवरी। भारत और यूरोपीय यूनियन (ईयू) के बीच 18 साल लंबी प्रतीक्षा के बाद फ्री ट्रेड एग्रीमैंट (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए जाने से कई लोगों को खुशी मिलेगी, जिनमें शराब और व्हिस्की के शौकीन और ऑटोमोबाइल पसंद करने वाले शामिल हैं।

यह व्यापार समझौता भारतीय वस्त्रों के लिए यूरोपीय बाजारों को खोल देगा। साथ ही, यह भारत में आयातित यूरोपीय उत्पादों को सस्ता बनाएगा, क्योंकि शुल्कों में कमी हो जाएगी।

यूरोपीय कारों जैसे मर्सिडीज, बीएमडब्ल्यू और ऑडी पर वर्तमान में 100 प्रतिशत से अधिक का आयात शुल्क लगता है। समझौते के अनुसार, 15,000 यूरो (लगभग 16 लाख रुपये) से अधिक कीमत वाली कारों पर अब 40 प्रतिशत शुल्क लगेगा। बाद में इसे घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया जाएगा, जिससे इन कारों की कीमतों में लाखों रुपये की कमी आएगी।

वाणिज्य मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया, दोनों पक्षों ने ''कोटा आधारित'' शुल्क छूटों पर सहमति जताई है, जैसा कि वाणिज्य मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया। यह कदम भारतीय ऑटो उद्योग की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शोक संदेश

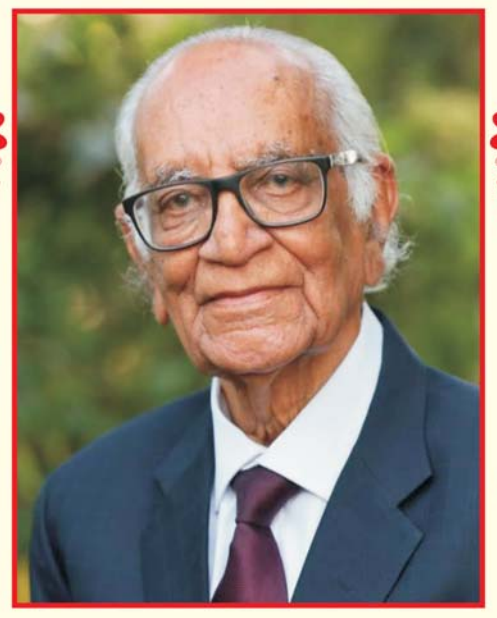

अत्यंत दु:ख के साथ सूचित किया जाता है कि

जस्टिस पाना चंद जैन (काकाजी)

का आकस्मिक निधन मंगलवार,
दिनांक 27 जनवरी 2026 को हो गया है। अंतिम यात्रा
28 जनवरी को 1.00 बजे निवास स्थान से प्रारंभ होकर
झालाना मोक्षधाम जाएगी।

शोकाकुल परिवार

वीरेंद्र - ललिता, स्व.अणु - मीनू (पुत्र-पुत्रवधू)
मणि - विजय, शकुन, एकता - प्रदीप श्रीमाल (पुत्री-दामाद)
यश - आरुषि, अतिशय - पलक (पौत्र-पौत्रवधू)
कृति - गौरव, सृष्टि (पौत्री-दामाद)
आवया, राहित (परपौत्र)

पता : 23, मौजी कॉलोनी, मालवीय नगर, जयपुर

बेलगाम ताकत और अधिकार समाज में सिर्फ डर फैलाते हैं

अमेरिका में इमिग्रेशन अफसरों ने जब बीच सड़क पर एक नर्स की हत्या कर दी, तब जाकर अमरीकी नागरिकों को यह समझ में आया

- अवैध अप्रवासियों के सरकार द्वारा उत्पीड़न पर मौन रहने वाला आम अमरीकी नागरिक बुरी तरह डर गया है, क्योंकि मरने वाला ना तो अवैध अप्रवासी था ना ही हाशिए पर पड़ा कोई व्यक्ति, वह एक श्वेत अमेरिकन नागरिक था और ''नोबल'' पेशे से जुड़ा हुआ था।
- अमेरिका में कानून के क्रियान्वयन में सीमा और संयम का अभाव हो गया है इसलिए यह निरंकुश हो गया है और अब यह अवैध अप्रवासियों को ही नहीं आम नागरिकों, जिनके पास दस्तावेज़ हैं, को भी डरा रहा है।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 जनवरी। फेडरल इमिग्रेशन अधिकारियों द्वारा एक आईसीयू नर्स की हत्या ने अमेरिकी सार्वजनिक जीवन में एक दुर्लभ बदलाव पैदा किया है। इस घटना ने राज्य की जबरदस्ती वाली ताकत और आम नागरिक के बीच बनी मानसिक दूरी को तोड़ दिया है। अब तक कई अमेरिकी, खासकर वे लोग जो नागरिकता, पेशे या सामाजिक वर्ग के कारण खुद को सुरक्षित मानते थे, यह सोचते थे कि सख़्त इमिग्रेशन कार्रवाई दूसरों के साथ होती है, उनके साथ नहीं। लेकिन एक नर्स की मौत, जो देखभाल करने वाली, और समाज के ताने-बाने का हिस्सा थी, ने इस सोच को तोड़ दिया है। अगर एक अमेरिकी नागरिक के खिलाफ इतनी आसानी से जानलेवा ताकत का इस्तेमाल हो सकता है, तो सुरक्षा और असुरक्षा के बीच की रेखा खतरनाक रूप से पतली नज़र आने लगती है।

यही वजह है कि सार्वजनिक प्रतिक्रिया में डर एक आम बात बन गया है। न केवल प्रवासियों के बीच डर व्याप्त है, बल्कि नागरिकों में भी फैल रहा है। यह केवल इमिग्रेशन कार्रवाई का डर नहीं है, बल्कि बिना जवाबदेही वाली सत्ता का डर है। अमेरिकी लोग अब यह समझने लगे हैं कि बड़े अधिकारों के तहत काम करने वाली फेडरल एजेंसियां तेज़ी से, गुप्त तरीके से और जानलेवा नतीजों के साथ, कार्रवाई कर सकती हैं, अक्सर अदालतों, संसद या स्थानीय प्रशासन के दखल से पहले ही। जब ताकत का इस्तेमाल होने के बाद उसे सही ठहराया जाता है, तो दिलासा खोखला लगता है।

ग़ैर-नागरिकों के लिए इसके नतीजे और भी ज़्यादा गंभीर हैं। अगर नागरिकता भी अब संयम की गारंटी नहीं रही, तो बिना दस्तावेज़ वाले प्रवासी, शरण चाहने वाले और यहां तक कि कानूनी निवासी भी, कहीं ज़्यादा असुरक्षित स्थिति में आ जाते हैं। उनका डर कल्पना नहीं है, बल्कि व्यवस्था में ही मौजूद है। वे जानते हैं कि कम गवाह, कम राजनीतिक आवाज़ और सीमित कानूनी अधिकार उन्हें उसी तरह के टकराव के प्रति ज्यादा असुरक्षित बनाते हैं, जिसमें एक नागरिक की जान चली गई। इस तरह नर्स की मौत एक गंभीर प्रतीक बन गई है, यह इस बातत का उदाहरण है, जिसके बारे में प्रवासी समुदाय लंबे समय से चेतावनी देता आ रहा है, लेकिन जिसे आम जनता तक साफ़ तौर पर पहुंचाना मुश्किल था।

हालांकि, इस डर से बाहर निकलने का रास्ता पीछे हटने या भाग्यवाद (फेटलिज़्म) नहीं है। रास्ता यह है कि राज्य की ताकत के इस्तेमाल में दोबारा स्पष्टता और जवाबदेही लाई जाए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

स्वयं को बदल दो, भाग्य बदल जायेगा –कहावत

गणतांत्रिक भारत में प्रजा नागरिक क्यों नहीं बन पा रही!

इस हफ्ते 77वां गणतंत्र दिवस मनाया गया। 15 अगस्त 1947 को भारत आज़ाद हुआ लेकिन 26 जनवरी 1950 को भारत एक व्यवस्थित राष्ट्र बना: जहां अधिकार लिखित हैं, कर्तव्य निर्धारित हैं, संस्थाएं परिभाषित हैं और शासन प्रणाली सुगठित है। यह कहना भी गलत नहीं होगा कि 15 अगस्त को भारत को आज़ादी मिली, 26 जनवरी को भारत को आत्मा मिली। गणतंत्र भारत की सबसे बड़ी क्रांति यह रही कि उसने 'प्रजा' को 'नागरिक' में बदल दिया और सभी नागरिकों को समानता से नवाज़ दिया। इसीलिए कहते हैं कि 26 जनवरी 1950 केवल एक तिथि नहीं है, यह भारत के राजनीतिक, वैचारिक और नैतिक पुनर्जन्म का दिन है। यही वह दिन है जब भारत ने औपचारिक रूप से स्वयं को एक संप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित किया और सत्ता के स्त्रोत को राजसत्ता, साम्राज्यवाद और वंशानुगत प्रभुत्व से हटाकर जनता और संविधान में स्थापित किया। यह दिन मनाते हुए किसी के मन में यह प्रश्न नहीं उठा कि प्रजा, अधिकार और कर्तव्य के साथ अब तक नागरिक क्यों नहीं बन सकी है। एक बार तत्कालीन राष्ट्रपति सरपल्ली राधाकृष्णन ने एक विदेश यात्रा के दौरान कहा था कि भारत एक भौगोलिक इकाई से ज़्यादा एक विचार है। तब एक बड़े अंग्रेजी अखबार के संपादक की टिप्पणी थी कि कि भारत एक नहीं अनेक विचारों की एक पूरी दुनिया है। देश की राजनीति, अर्थव्यवस्था, रहन–सहन और सोचने के तरीकों में परंपरा और आधुनिकता के बीच के अजीब मेल से बने ये विचार हैं। एक प्रश्न गंभीरता से मनन की अपेक्षा करता है वह है: क्या इन सभी को एक कैप्सूल में पैक करके भारतीयता के अनुभव को समझाया जा सकता है? जिस विचार की तरफ डॉ. राधाकृष्णन इशारा कर रहे थे वह भारत कभी सीमाओं में बंधा हुआ नहीं रहा। एक ऐसा विचार रहा जो सहस्त्राब्दियों से समय, संस्कृति, आस्था, भाषा, दर्शन और संघर्षों के बीच विकसित होता रहा है। भारत की पहचान मूलत: सभ्यतागत रही है, न कि राजनीतिक। सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर वैदिक काल, बौद्ध–जैन परंपरा, मौर्य–गुप्त साम्राज्य, भक्ति–सूफी आंदोलन, मुगल काल और फिर औपनिवेशिक युग तक–भारत निरंतर बदलता रहा, पर उसकी आत्मा बनी रही। भारत का अर्थ कभी एक राजनीतिक सत्ता नहीं रहा। यह एक सांस्कृतिक–सभ्यतागत क्षेत्र था, जहां अनेक भाषाएं थीं, अनेक धर्म थे, अनेक दर्शन थे, अनेक जातियां और समुदाय थे, अनेक जीवन–पद्धतियां थीं। लेकिन इन सबके बीच एक साझा भाव मौजूद था जिसे हम सह–अस्तित्व कह सकते हैं। इसलिए भारत का विचार एकरूपता का नहीं, बल्कि बहुलता में एकता का था। भारतीय संविधान की आत्मा भी यही है। भारत लंबे समय तक एक राष्ट्रात्मक सभ्यता रहा, किन्तु आधुनिक अर्थों में राष्ट्र–राज्य नहीं। यूरोप में राष्ट्र–राज्य की अवधारणा वेस्टफेलिया संधि (1648) के बाद विकसित हुई, और सीमाओं की, संप्रभुता की, नागरिकता की और राज्य–सत्ता की स्पष्ट अवधारणा बनी। भारत की ऐतिहासिक संरचना इससे भिन्न थी। ब्रिटिश शासन भारत के इतिहास का निर्णायक मोड़ रहा। अंग्रेजों ने भारत को पहली बार एक प्रशासनिक इकाई के रूप में संगठित किया जिसमें साझी कानून व्यवस्था, साझा प्रशासन, रेल नेटवर्क, डाक व्यवस्था, जनगणना और आधुनिक शिक्षा प्रणाली थी। यहीं से भारत एक भौगोलिक–सांस्कृतिक अवधारणा से आगे बढ़कर एक राजनीतिक इकाई बनने लगा। महात्मा गांधी ने भारत को एक नैतिक राष्ट्र के रूप में परिभाषित किया, जहां राजनीति का आधार सत्य, अहिंसा और नैतिकता हो।

भारत की कोई बंद पहचान नहीं है और न इसकी कोई स्थिर परिभाषा ही हो सकती है। भारत एक निरंतर विकसित होती चेतना है। भारत एक संवाद है, संघर्ष है, समन्वय है। भारत का यह विचार समावेशी है, बहुलतावादी है, संवादात्मक है, जो किसी एक धर्म, भाषा, जाति, विचारधारा या संस्कृति में सीमित नहीं है। यही सब भारत की संवैधानिक पहचान है। संविधान ने भारत को सीमाओं से परिभाषित किया, नागरिकता से जोड़ा, अधिकारों और कर्तव्यों से जोड़ा जो कानून से संचालित है। भारत के राष्ट्र–राज्य बनने की प्रक्रिया में देश के बंटवारे ने सिखाया कि धर्म, क्षेत्र, भाषा, जाति, नस्ल और संस्कृति से बंटे समाज को एक राजनीतिक समुदाय में विकसित करना बहुत चुनौति भरा काम है। यह चुनौती 1947 में जितनी लग रही थी, उससे कहीं ज़्यादा मुश्किल साबित हुई है। पहचानों के अनेकों नये–नये आक्रामक समूह बनने के बाद, यह चुनौति और जटिल होती गई है। इसका एक कारण यह भी है कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया, एक विविध और असमान समाज में काम कर रही है। लोकतंत्र के डायनामिक्स ने एक तरफ शासन व्यवस्था पर मांगों का बोझ बढ़ा दिया, तो दूसरी तरफ संघर्ष और सामाजिक अनुशासनहीनता ने नई मांगों को पूरा करने के लिए ज़रूरी संसाधनों को जुटाना और भी मुश्किल बना दिया। राज्य के लिए मध्यस्थ की भूमिका में बने रहना भी मुश्किल कर दिया। प्रतिस्पर्धी राजनीति अनिवार्य रूप से लोकलुभावनवाद की ओर ले जाती है। व्यवस्था पर मांगों को नियंत्रित करने या सामाजिक अनुशासन लागू करने के लिए ऐसा कोई राजनीतिक तंत्र नहीं होता है जो अभिजात वर्ग को कम में काम चलाने, और अन्य को कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित करता हो। राजनीति में आमूलचूल परिवर्तन की गुंजाइश तो अब बहुत सीमित हो गई है। ऐसे में भारत एक विचार की बात पर सोचें तब भारतीय कौन है यह सवाल स्वाभाविक रूप से पैदा होता है। इस सवाल का कोई सीधा जवाब नहीं हो सकता क्योंकि हर भारतीय की कई पहचानें हैं, जो धर्म, संप्रदाय, क्षेत्र, भाषा, वर्ग, जाति, नस्ल और सबसे बढ़कर आधुनिकता से उसके जुड़ाव से बनती हैं। इन सभी को एक साझा सभ्यतागत ढांचे में फिट किया जा सकना अब भी संदिग्ध लगता है क्योंकि खुद उस ढांचे को भी नए विचारों, टेक्नोलॉजी और वैश्विक दबावों के साथ तालमेल बिठाना पड़ रहा है। आज़ादी की लड़ाई जब ज़ोर पकड़ रही थी, तभी सांप्रदायिक, जातिगत और आदिवासी पहचानों को बढ़ावा दिया जा रहा था। राजनीतिकरण की प्रक्रिया ने उन्हें और ज़्यादा स्पष्ट रूप दिया। इसलिए भारत का विचार एक विचार नहीं होकर एक मिश्रण, एक उलझन और एक जंजाल बन गया है। तब ऐसे में क्या किया जाए? राष्ट्र के लोकतांत्रिक भाग्य की एकमात्र आशा सभी स्तरों पर संस्थाओं के पुनर्निर्माण में ही हो सकती है, जिससे लिए समाज की जड़ों में काम करने वाले ऐसे राजनेताओं की जरूरत हैं जिनमें भारतीय संविधान में निहित व्यवस्था को उसकी भावना के अनुरूप लागू कराने का जज़्बा हो। हम शायद इस मिथक से खुद को सांत्वना दे सकते हैं कि पुराने कुलीन लोकतंत्र के खंडहरों से एक नया जमीनी लोकतंत्र उभरेगा। मगर क्या केवल मतदान से यह परिवर्तन संभव है? भारत के नागरिक हर बार इस आशा के साथ वोट देने मतदान केंद्रों पर जाते हैं कि शायद इस बार कुछ हो जाए। चुनावों में मतदान का प्रतिशत भी बढ़ा है। किन्तु मतदान के जरिए परिवर्तन ला पाने की आस्था पर अब सवाल उठाने लगे हैं। वैसे खुद भारतीय नागरिकों को यह वैचारिक दुविधा कभी नहीं रही क्योंकि यहां के मतदाता चुनावों में अपने जाति समूहों तथा अन्य क्षेत्रीय वजहों को तरजीह देते रहे हैं। आजाद भारत का इतिहास यह भी बताता है कि मतदाताओं को हमेशा किसी एक नेता पर भरोसा जरूर रहता आया है कि ये कुछ करेगा। इसीलिए माना जाता है कि मतदान से परिवर्तन संभव है क्योंकि लोकतंत्र की मूल शक्ति जनता ही होती है। लेकिन ऐसा तभी हो सकता है जब नागरिक जागरूक होकर मतदान करें। ऐसा करके वे नीतियों, नेताओं और शासन की दिशा बदल सकते हैं। मतदान में दिए गये जनता के फैसलों का सरकारी नीतियों पर असर होता है। राजनैतिक दलों की सरकारें जनता के मूड और वोट बैंक को ध्यान में रख कर ही अपनी नीतियां बदलती हैं। यानी जनता की पसंद शासन को दिशा देती है। लेकिन इसमें भी कहीं न कहीं सच्चाई जरूर है कि मतदान पर पैसे और सत्ता का प्रभाव होता है। चुनावों में धनबल और बाहुबल का असर होता है। दल–बदल और गठजोड़ की राजनीति कोई छुपी हुई बात नहीं है। यह भी स्पष्ट है कि हमारे यहां आम जनता में गंभीर शिक्षा और राजनीतिक समझ की कमी है। प्रणालीगत खामियों को भी नहीं नकारा जा सकता। जैसे चुनाव खर्च की पारदर्शिता की कमी, अपराधी पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवार, या राजनीतिक भ्रष्टाचार – ये सब लोकतंत्र को कमजोर करते हैं। मतदान से परिवर्तन तभी संभव है जब नागरिक सजग, शिक्षित और निष्पक्ष रूप से अपने मताधिकार का प्रयोग करें। लेकिन जब मतदान केवल औपचारिकता बन जाए, या भावनाओं और जातीय समीकरणों पर आधारित हो, तो परिवर्तन कठिन हो जाता है। इसलिए सच्चा परिवर्तन तभी संभव है जब हर नागरिक जिम्मेदारी से वोट दे, सवाल पूछे और राजनीति में ईमानदारी की मांग करे। आज भारत एक आधुनिक राष्ट्र–राज्य है, और सवाल यह है कि क्या वह अभी भी एक दार्शनिक विचार है? आज पहचान की राजनीति, ध्रुवीकरण, असहिष्णुता, बहुलता पर संकट और संवाद का क्षय के दौर में भारत एक विचार की आत्मा संकट में दिखाई देती है। आज भारत केवल नागरिकों का नहीं, उपभोक्ताओं का राष्ट्र भी बनता जा रहा है। वह अब ब्रांड है, मार्केट है, उत्पाद है, प्रचार है, छवि है। राष्ट्र–राज्य का बाजारीकरण भारत के विचार को संकुचित करता है। भारत की ताकत इस संतुलन में है कि वह एक राष्ट्र–राज्य भी हो और एक विचार भी बना रहे। भारत की यात्रा सभ्यता से संविधान तक, संस्कृति से कानून तक, विचार से राज्य तक की ऐसी यात्रा है, जो 77 वें गणतंत्र दिवस पर भी जारी है।

26 जनवरी 1950 केवल एक तिथि नहीं है, यह भारत के राजनीतिक, वैचारिक और नैतिक पुनर्जन्म का दिन है। यही वह दिन है जब भारत ने औपचारिक रूप से स्वयं को एक संप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित किया। यह दिन मनाते हुए किसी के मन में यह प्रश्न नहीं उठा कि प्रजा, अधिकार और कर्तव्य के साथ अब तक नागरिक क्यों नहीं बन सकी है। एक बार तत्कालीन राष्ट्रपति सरपल्ली राधाकृष्णन ने एक विदेश यात्रा के दौरान कहा था कि भारत एक भौगोलिक इकाई से ज़्यादा एक विचार है। तब एक बड़े अंग्रेजी अखबार के संपादक की टिप्पणी थी कि कि भारत एक नहीं अनेक विचारों की एक पूरी दुनिया है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

पूंजी बाजार और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

निवेश की निष्पक्षता और भरोसे की दिशा में एक क्रांतिकारी अवसर

सुनील दत्त गोयल

आज पूरा विश्व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई की चर्चा कर रहा है। चिकित्सा, शिक्षा, रक्षा और उद्योग के बाद अब वह क्षेत्र, जहाँ एआई की भूमिका सबसे निर्णायक साबित हो सकती है, वह है पूंजी बाजार। विश्व के किसी भी देश का आर्थिक ढांचा हो, उसकी रीढ़ निवेशकों के भरोसे और पूंजी के सही विनियोजन पर टिकी होती है। लेकिन विडंबना यह है कि जिस पूंजी बाजार को सबसे अधिक पारदर्शी और तर्कसंगत होना चाहिए, वही आज भावनाओं, झूठी या प्रायोजित अफवाहों और स्वार्थों कुतर्क से सबसे अधिक प्रभावित है।

आज की सच्चाई यह है कि विश्व भर में लाखों कंपनियाँ सूचीबद्ध हैं, हजारों सेक्टर हैं, और प्रतिदिन करोड़ों खबरें, रिपोर्ट्स और सूचनाएँ पैदा हो रही हैं। किसी भी एक मानव विशेषज्ञ के लिए यह संभव नहीं है कि वह इन सभी का समय पर, निष्पक्ष और पूर्ण विश्लेषण कर सके। यहीं से एआई की वास्तविक उपयोगिता शुरू होती है।

आज चाहे म्यूचुअल फंड का निवेश सलाहकार हो, डिस्ट्रीब्यूटर हो या पोर्टफोलियो मैनेजर–यह मान लेना कि वह पूरी तरह निष्पक्ष होगा, व्यावहारिक नहीं है।

मानव स्वभाव में:–लालच है, डर है, और 'मौका छूट न जाए' का भय यानी फोमो है। इसके अलावा, यह भी एक सच्चाई है कि भारत सहित कई देशों में निवेश सलाह का बड़ा हिस्सा कमीशन आधारित मॉडल पर चलता है। यानी जिस फंड या बीमा उत्पाद में ज्यादा कमीशन है, वही निवेशक के सामने ज्यादा मजबूती से पेश किया जाता है। ऐसे में निवेशक को यह भरोसा कैसे हो कि उसे दी गई सलाह वास्तव में उसके हित में है? ऐसे में विक्रेता डिस्ट्रीब्यूटर या ब्रोकर या सलाहकारअपने मिलने वाले कमीशन से प्रभावित न हो यह संभव नहीं है।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के स्वयं के आँकड़ों के अनुसार, भारत में म्यूचुअल फंड उद्योग का बड़ा हिस्सा अभी भी रेगुलर प्लान के माध्यम से आता है, जहाँ निवेशक अप्रत्यक्ष रूप से हर साल 0.5 प्रतिशत से 1 प्रतिशत तक अतिरिक्त लागत चुकाता है। इसके विपरीत, डायरेक्ट प्लान में वही निवेश कम लागत पर संभव है–लेकिन जानकारी के अभाव में अधिकांश छोटे निवेशक आज भी इसे नहीं अपनाते। यही नहीं, बीमा क्षेत्र में भी स्थिति अलग नहीं है। बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण की रिपोर्ट्स बताती हैं कि कई जीवन बीमा पॉलिसियाँ अपने पूरे कार्यकाल में निवेशक को बैंक एफडी से भी कम रिटर्न देती हैं, जबकि उनका विपणन निवेश के नाम पर किया जाता है। और जांच करने पर यह पाया जाता है कि वह पॉलिसी उसको रॉंग सेलिंग यानी झूठे वादे प्रलोभन या झूठी जानकारियां देखकर के बेची गई है।

विकसित देशों का अनुभव: कमीशन से मुक्ति, यदि हम वैश्विक नीतियों को देखें, तो तस्वीर और स्पष्ट होती है। यूरोप में श्ग्इघ् घ् के तहत निवेश सलाह में कमीशन आधारित प्रोत्साहनों पर कड़ा नियंत्रण लगाया गया है। ब्रिटेन और नीदरलैंड जैसे देशों में तो निवेश सलाहकारों के लिए कमीशन लेना लगभग पूरी तरह प्रतिबंधित है। वहाँ निवेशक:–सलाह के लिए सीधे फीस देता है, और सलाहकार केवल निवेशक के प्रति जवाबदेह होता है। परिणाम यह हुआ कि: निवेश निर्णय अधिक पारदर्शी हुएगलत उत्पादों की बिक्री घटी और निवेशकों का भरोसा बढ़ा, भारत में भी पिछले 4–5 वर्षों में डायरेक्ट प्लान की शुरुआत इसी दिशा में एक कदम है, लेकिन यह अभी अधूरा सुधार है।

अब सवाल उठता है–इस व्यवस्था का समाधान क्या है? उत्तर है: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस। यदि कोई निवेशक अपनी आय, खर्च, जोखिम सहनशीलता, निवेश लक्ष्य जैसी वास्तविक जानकारी एआई सिस्टम को देता है, तो एआई किसी कंपनी या फंड से प्रभावित नहीं होगी। किसी कमीशन के दबाव में नहीं होगी और भावनाओं के बजाय केवल डाटा और तर्क के आधार पर सलाह देगी। आज वैश्विक स्तर पर एआई सिस्टम लाखों बैलेंस शीट्स, कैश फ्लो स्टेटमेंट्स, मैक्रोइकॉनॉमिक डेटा और खबरों का रीयल–टाइम विश्लेषण कर सकते हैं। जो काम एक टीम को हफ्तों में करना पड़े, वही काम एआई कुछ सेकंड में कर सकती है।

पूंजी बाजार में कई बार देखा गया है कि:किसी देश का एक नीतिगत बयान, किसी कंपनी पर एक कानूनी केसया कच्चे तेल या माल की कीमत में मामूली बदलाव पूरे सेक्टर को हिला देता है। मानव विश्लेषक अक्सर इन घटनाओं का आकलन तब करते हैं, जब बाजार अपनी प्रतिक्रिया दे चुका होता है। एआई यहाँ बढ़त ले लेती है, क्योंकि वह: खबर के स्त्रोत को तुरंत पहचानती है। उसके ऐतिहासिक प्रभाव का विश्लेषण करती है और सेक्टर व कंपनी पर संभावित असर का अनुमान तुरंत प्रस्तुत करती है। यही वह गति है, जिसकी आज निवेशकों को सबसे अधिक जरूरत है।

भारतीय बाजारों में निवेशकों को सबसे अधिक नुकसान: अफवाहों, सोशल मीडिया संदेशों और अधूरी जानकारी से होता है। यदि हर निवेशक के पास एक ऐसा एआई–आधारित प्लेटफॉर्म हो, जो खबर की सच्चाई जाँच सके, उसका वास्तविक प्रभाव समझा सके ,और भावनात्मक फैसलों से बचा सके तो बाजार में अनावश्यक उतार–चढ़ाव भी कम होगा और निवेशकों का धन भी सुरक्षित रहेगा।

आज एआई कंपनियाँ स्वास्थ्य और चिकित्सा क्षेत्र में जिस गंभीरता से कार्य कर रही हैं, उसी स्तर का ध्यान वित्तीय बाजारों के विश्लेषण पर भी आवश्यक है। खास बात यह है कि दुनिया का अधिकांश वित्तीय डाटा पहले से ही डिजिटल रूप में मौजूद है। चुनौती केवल उसके सही उपयोग की है। वहीं नियामकों से अपेक्षा है कि वे कमीशन आधारित मॉडल पर पुनर्विचार करें। एआई आधारित निष्पक्ष सलाह को प्रोत्साहन दें और निवेशक शिक्षा को तकनीक से जोड़ें।

निष्कर्ष: भरोसे की अर्थव्यवस्था की ओर, मेरा देश के शेयर बाज़ार, सेबी, केंद्रीय सरकार के अधिकारियों से निवेदन या सुझाव है कि वे वाकई में देश के निवेशकों के बारे में एक बड़ी सोच रखें। यदि वे स्वयं एक इंडिपेंडेंट कंपनी बनाकर इस एआई मॉडल को विकसित करें, तो इस कंपनी के यूज़र भी करोड़ों में हिंदुस्तान में हो जाएंगे। साथ ही यह कंपनी आने वाले समय में एक बहुत बड़ी रिसर्च कंपनी के रूप में उभरकर भारतीय शेयर बाज़ार में लिस्ट भी हो सकती है। अंतत:, चाहे भारतीय पूंजी बाजार हो या वैश्विक–पैसा निवेशकों का होता है, और जिम्मेदारी पूरे सिस्टम की।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कोई जादू नहीं है, लेकिन यह पारदर्शिता ला सकती है, निष्पक्षता सुनिश्चित कर सकती है और निवेश को अफवाहों से निकालकर तथ्यों की जमीन पर ला सकती है। यदि एआई का सही उपयोग हुआ, तो यह केवल तकनीकी क्रांति नहीं, बल्कि निवेश जगत में भरोसे की नई अर्थव्यवस्था की शुरुआत होगी।

–रोटेरियन सुनील दत्त गोयल, महानिदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री।

घरेलू हिंसा और खोया हुआ बचपन

डॉ. मिनाक्षी धारीवाल

घरेलू हिंसा का पूरे परिवार पर विनाशकारी प्रभाव पड़ता है। बच्चे बहुत ही कोमल एवं भावुक होते हैं, इसलिए उनके साथ बहुत ही प्यार और सम्मान के साथ व्यवहार किया जाना चाहिए। इसका प्रभाव उनके कोमल मन पर बहुत लंबे समय तक अंकित रहता है। भले ही किसी बच्चे या युवा को शारीरिक रूप से हानि न पहुंचाई जा रही हो, लेकिन घरेलू हिंसा वाले घर में रहना भी बाल–शोषण ही है। घरेलू हिंसा के माहौल में पले–बढ़े बच्चों के अल्पकालिक और दीर्घकालिक शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा रहता ही है।

हर बच्चे पर इसका असर अलग–अलग होता है, भावुक बच्चे अत्यधिक प्रभावित होते हैं। हिंसा और दुर्व्यवहार का साक्षी बनना बच्चों के लिए एक कष्टदायक अनुभव होता है, चाहे हिंसा सीधे उन पर निर्देशित हो या नहीं। इसके प्रभाव आघातपूर्ण, निरंतर एवं दीर्घकालिक हो सकते हैं। ये समय के साथ बढ़ते जाते हैं और बच्चों के जीवन के हर पहलू को प्रभावित करते हैं, जिनमें स्वास्थ्य, विकास और कल्याण सम्मिलित हैं।

बच्चे घरेलू और पारिवारिक हिंसा से कई स्थितियों में प्रभावित हो सकते हैं, जैसे – अपने माता–पिता, अभिभावक के विरुद्ध हिंसा को देखना या सुनना, डर के मारे दुर्व्यवहार से छिपना, उन्हें दुर्व्यवहार करने वाले व्यक्ति के आस–पास लगातार सतर्क रहना पड़ता है, इसके अलावा उन्हें माता–पिता का समर्थन करने के कारण भी पीड़ित किया जा सकता है, दुर्व्यवहार के कारण माता–पिता का ख़राब मानसिक स्वास्थ्य व थकावट के कारण बच्चों की ठीक से देखभाल भी नहीं होती है और सबसे घातक बात कि कहीं–कहीं बच्चों के स्वयं के साथ भी दुर्व्यवहार किया जाता है।

कभी–कभी बच्चों को ऐसे व्यक्ति के साथ लगातार संपर्क में रहने के लिए बाध्य किया जाता है जो उन्हें डराता है या जिसकी उपस्थिति उन्हें उन समयों की याद दिलाती है जब वे आघात से गुजर चुके होते हैं। ऐसे डरावने माहौल में रहने से बच्चों को कम उम्र में ही परिपक्व बना दिया जाता है और वे कम उम्र में ही घर और बाहर की बड़ी जिम्मेदारियों को उठाने पर बाध्य भी कर दिए जाते हैं। उनकी मानसिक स्थिति सदैव ऐसे माहौल में रहने से शनैः शनैः पतन की ओर चली जाती है। किसी को पैनिक अटैक तो कोई ताउम्र सर्वाइवल मोड में रहने लगता है। ऐसे बच्चे रात भर सुनने वाली चीखों और सिसकियों से वे निश्चिन्त होकर सोना क्या होता है, ये भूल ही जाते हैं, उनके लिए अवसाद और चिंताग्रस्त रहना आम बात होती है।

घरेलू और पारिवारिक हिंसा से बच्चों के व्यवहार पर भी बहुत बुरा असर होता है। उनका सामान्य विकास बाधित हो सकता है, वे अपनी उम्र से छोटे या कम उम्र के लग सकते हैं यह किसी आघात के संपर्क में आने से मस्तिष्क के विकास को हुए नुकसान का परिणाम भी हो सकता है। ऐसे बच्चे अपने नज़दीकी लोगों से भी रिश्ते निभाने से डरता है और सामाजिक रूप से रिश्तों को निभाना आवश्यक नहीं समझता, इसके अलावा वो गलत संगत में भी पड़ सकते हैं। इसके चलते वो मादक पदार्थों के सेवन में या किसी गलत आकर्षण में अपना समय बर्बाद करते हैं। स्कूल में ध्यान केन्द्रित नहीं कर पाते क्योंकि वे लगातार खतरे की आशंका में रहते हैं। स्कूल में सजा मिलना, अनुपस्थित रहना और बार–बार स्कूल बदलना भी पढाई को प्रभावित करता है।

ऐसे बच्चों में आत्मसम्मान की कमी होती है और वे अपने व अपने आस–पास के लोगों के बारे में नकारात्मक सोच सकते हैं। कभी कभी ऐसे बच्चों में अपनी शारीरिक उपस्थिति के बारे में बहुत हीन भावना आ जाती है और इसकी भरपाई करने के लिए वे कभी–कभी गलत कदम भी उठा लेते हैं। ऐसे माहौल में रहने वाले बच्चे अधिकतर भयभीत, तनावग्रस्त, उदास, क्रोधित, चिंतित व शर्मिंदा महसूस करते हैं। भावनात्मक असुरक्षा के कारण ऐसे बच्चे कभी–कभी आक्रामक, आवेगी, हिंसक व अवज्ञाकारी हो जाते हैं। कभी–कभी ये अकेलेपन को चुन लेते हैं और बहुत एकान्तप्रिय हो जाते हैं जिससे सामाजिकता का लगभग अभाव सा हो जाता है। घरेलू और पारिवारिक हिंसा से कई तरह की शारीरिक बीमारियाँ हो जाती जैसे सिरदर्द, पेटदर्द, प्रतिरक्षा प्रणाली से संबंधित बीमारियाँ और निद्रा संबंधित विकार आम बात है।

घरेलू और पारिवारिक हिंसा के प्रभावों से बच्चों का उभरना इस बात पर निर्भर करता है कि उन्हें हिंसा से और अतीत के आघातों की याद दिलाने वाली चीजों से सुरक्षित रखा जा सकता है, उन्हें सहारा और सांत्वना का सुरक्षात्मक आवरण दिया जा सकता है, उनके स्कूल भी सहायक वातावरण प्रदान कर सकते हैं और विशेष परामर्श भी दे सकते हैं, यदि बच्चों को बचपन में हिंसा का सामना करना पड़ा है तो वे अपने माता–पिता या अभिभावक के साथ एक सुरक्षित और मजबूत रिश्ता फिर से बना सकते हैं जो उनकी रक्षा कर सके। बच्चों के जीवन में ऐसे अन्य रिश्ते भी हो सकते हैं जिनके साथ उनके अच्छे सम्बन्ध हो जैसे दादा–दादी, चाचा–चाची या पारिवारिक मित्र। बच्चे किसी सामूहिक या खेल गतिविधि का हिस्सा बनकर सकारात्मक सोच और वातावरण को प्राप्त कर सकते हैं।

इससे एक तो वे कई समूहों से परिचित होंगे साथ ही क्रियात्मकता बनी रहेगी। इससे वे तनावपूर्ण स्थिति से कुछ समय के लिए दूर रहेंगे और अन्य क्रियात्मक चीजों पर ध्यान केन्द्रित कर सकने में सक्षम हो सकेंगे। बच्चों को भरपूर स्नेह और देखभाल प्रदान करने के साथ–साथ उनके साथ सकारात्मक वातावरण में बात करने के लिये अभिभावक उपलब्ध रहें, उनसे उनकी चिन्ताओं के बारे में सरल शब्दों में जवाब दे, उन्हें रोने और दुखी होने दे व अपनी भावनाओं को उचित तरीके से प्रस्तुत करना भी सिखा सकते हैं।

घरेलू हिंसा का सामना करने वाले बच्चे अधिकतर डर, चिंता, डिप्रेशन व कम आत्मसम्मान से पीड़ित होते हैं इसलिए उन्हें नियमित प्ले थेरेपी व आर्ट थेरेपी दी जा सकती है। बच्चों के साथ रचनात्मक समय बिताया जाए जो मजेदार भी लगे और उन्हें बताया जाए कि वे किन कार्यों में अच्छे हैं ताकि उनका खोया हुआ आत्मसम्मान उन्हें प्राप्त हो सके। साथ ही उन्हें यह भी बता सकते हैं कि इसमें उनकी कोई गलती नहीं है और वे ग्लानी अनुभव न करें। घरेलू हिंसा के माहौल में पले बच्चों को प्रेम, स्नेह, सुरक्षा और सहयोग प्रदान कर इस आघात से निकला जा सकता है ताकि वे भी अन्य बच्चों की तरह सामान्य जीवन बिता सकें और दूसरों की गलतियों का बोझ अपने हृदय से उतार सकें।

-डॉ. मिनाक्षी धारीवाल,
असिस्टेंट प्रो. कानोडिया
महिला महाविद्यालय, जयपुर

लूणकरनसर में झील किनारे साइबेरियन पक्षी "कुरजां" ने डेरा डाला

बीकानेर, (निसं)। जिले के लूणकरनसर में इन दिनों झील किनारे साइबेरियन पक्षी कुरजां ने डेरा डाल रखा है। रूस, मंगोलिया और कजाकिस्तान से अफगानिस्तान के रास्ते भारत आने वाले साइबेरियन सारस (कुरजां) अब राजस्थान में भी ठिकाना बदल रहे हैं। भरतपुर, जैसलमेर, बाड़मेर और चूरू के बाद बीकानेर के लूणकरणसर की वेटलैंड में इस बार 25 हजार से ज्यादा कुरजां आए हैं। यह संख्या पिछली बार के सभी रिकॉर्ड से ज्यादा है। ये करीब 26 हजार फीट की ऊंचाई तक उड़ सकते हैं। झुंड में उड़ते समय वी आकार बनाते हैं। दिसंबर से फरवरी तक यहां रहने के बाद प्रवासी पक्षी फिर से साइबेरिया के लिए उड़ान भरते हैं। वे राजस्थान आने और फिर वापस जाने में करीब 10 हजार किलोमीटर तक की दूरी तय करते हैं।

प्रवासी परिंदों को देखने के लिए देश–विदेश से सैलानी यहां आ रहे हैं। परिंदों की अठखेलियों को कैमरे में कैद किया जा रहा है। लूणकरणसर (बीकानेर) पहुंचने वाले कुरजां की संख्या में बीते 10 साल में करीब 50 गुना तक बढ़ोतरी हुई है। इस बार करीब 25 हजार रिकॉर्ड संख्या दर्ज की गई है। हर साल संख्या में 20 से 30 परसेंट की बढ़ोतरी हो रही है। इसका कारण लूणकरनसर और आसपास के गांवों में इनकी बैठने की पर्याप्त व्यवस्था है।

ये प्रवासी पक्षी डेमोसाइल क्रेन हैं, जो मंगोलिया, कजाकिस्तान और साइबेरिया (रूस) जैसे ठंडे क्षेत्रों से सितंबर–अक्टूबर में उड़ान भरते हैं। हजारों किलोमीटर की लंबी यात्रा तय कर ये पक्षी नवंबर के अंत तक राजस्थान पहुंचते हैं और फरवरी अंत तक यहीं रहते हैं।

वन्यजीव विशेषज्ञों के अनुसार इनके मूल देशों में सर्दियों के दौरान तापमान माइनस 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है, जिससे जीवन कठिन हो जाता है। यही कारण है कि अपेक्षाकृत अनुकूल मौसम वाले राजस्थान को ये पक्षी अपना ठिकाना बनाते हैं। कुरजां यानी साइबेरियन सारस जब आसमान में झुंड में उड़ते हैं तो अंग्रेजी की वी शेप बनाते हैं। कुरजां पिछले करीब 40 सालों से बीकानेर और आसपास के क्षेत्रों में आ रहे हैं। लूणकरणसर क्षेत्र की खारे पानी की झील इन्हें विशेष रूप से पसंद है।

साहित्यकार और कुरजां पर रिसर्च कर रहे राजूराम बिजारणियां का कहना है कि साइबेरिया से पाकिस्तान और अफगानिस्तान के रास्ते कुरजां भारत आते हैं, लेकिन इन दोनों ही देशों में इनका शिकार होने के कारण ये इन दोनों देशों में अब कम ठहरते हैं। ये जल्द से जल्द भारत की सीमा में प्रवेश करते हैं, जहां इन्हें अनुकूल माहौल और भरपूर भोजन मिलता है।

बिजारणियां बताते हैं कि लूणकरणसर झील में पानी नमकीन (खारा) है, जो कुरजां को टेस्टी लगता है। इस पानी के कारण भी ये पक्षी अब यहां स्थायी रूप से आने लगे हैं। यहां पर प्रजनन करते हैं और इसके बाद वापस अपने ठंडे प्रदेशों में पहुंच जाते हैं। इन महीनों में कजाकिस्तान, मंगोलिया में बर्फ जमने लगती है। ऐसे में वहां प्रजनन संभव नहीं हो पाता।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 28 जनवरी, 2026

माघ मास, शुक्ल पक्ष, दशमी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2082, कृत्तिका नक्षत्र प्रात: 9:27 तक, ब्रह्म योग रात्रि 11:54 तक, गर करण सायं 4:36 तक, चन्द्रमा आज वृष राशि में संचार करेगा।

गृह स्थिति: सूर्य–मकर, चन्द्रमा–वृष, मंगल–मकर, बुध–मकर, गुरू–मिथुन, शुक्र–मकर, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि और रवियोग सम्पूर्ण दिन–रात रहेगा। कुमार योग प्रात: 9:27 से सूर्योदय तक है। भद्रा रात्रि 3:16 से आरम्भ होगी। आज गुप्त नवरात्रोत्थापन, गुप्त नवरात्रा व्रत पारणा, रोहिणी व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ–अमृत सूर्योदय से 9:59 तक, शुभ 11:19 से 12:40 तक, चर 3:20 से 4:41 तक, लाभ 4:41 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 7:18, सूर्यास्त 6:01

मेष

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

वृष

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन

घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

कर्क

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

सिंह

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

कन्या

परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

तुला

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेंगी। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

वृश्चिक

परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

धनु

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त–व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

मकर

व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ

घर–परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेंगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

राजस्थान को 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य : बागड़े

राज्यपाल ने सवाई मानसिंह स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में फहराया तिरंगा ध्वज

जयपुर (कासं)। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और राज्य मंत्रिमंडल के सदस्य और गणमान्यजन उपस्थित रहे। राज्यपाल ने झंडा फहराने के बाद परेड का निरीक्षण किया और सलामी गारद द्वारा प्रस्तुत मार्च पास्ट की सलामी ली।

लोकभवन में 77वें गणतंत्र दिवस पर सोमवार को राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के सान्निध्य में ''एट होम'' आयोजित हुआ। सभी ने राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से मुलाकात कर गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी। एट होम में उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी, प्रेमचंद बैरवा, मंत्री, सांसद, विधायक, विभिन्न क्षेत्रों की विशिष्ट हस्तियां, अधिकारी और गणमान्यजन लोग शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्य सचिव वी.श्रीनिवास, पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा, जनप्रतिनिधि, कुलगुरु, प्रशासन, पुलिस व सेना के वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षाविद, न्यायाधिपति, समाजसेवी, मीडिया के प्रतिनिधि और विशिष्टजन उपस्थित थे।

- उन्होंने कहा कि ''गणतंत्र दिवस हमें हमारे संविधान की महान परंपरा, उसके मूल तत्व और उसके आदर्शों में अटूट आस्था व्यक्त करने का अवसर है।''

राज्यपाल ने राजस्थान में विभिन्न क्षेत्रों में हुए अभूतपूर्व विकास की चर्चा करते हुए कहा कि प्रदेश को 2029 तक 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य के साथ राज्य सरकार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, ऊर्जा, सड़क और औद्योगिक विकास जैसे बुनियादी क्षेत्रों में राज्य ने उल्लेखनीय प्रगति की है।

उन्होंने देश के लिए अपना सब कुछ न्योछावर करने वाले स्वतंत्रता सेनानियों और सीमाओं पर चौकस प्रहरियों के प्रति कृतज्ञता जताते हुए कहा कि उनकी बदौलत ही आज भारत विश्व पटल पर आत्मविश्वास से आगे बढ़ रहा है।

राज्यपाल ने इस अवसर पर पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों को राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया।

उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों और सामाजिक सेवा, सांस्कृतिक क्षेत्र आदि में विशिष्ट योगदान देने वाले लोगों को भी सम्मानित किया। इस अवसर पर लोक कलाकारों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी।

इससे पहले राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने 77वें गणतंत्र दिवस पर सवाई मानसिंह स्टेडियम के समीप अमर जवान ज्योति पर पुष्प चक्र अर्पित कर शहीदों को नमन किया और मौन रख कर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने वहां से रखी पुस्तिका में अपनी ओर से शहीदों के प्रति शब्द कृतज्ञता भी अंकित की।

हमारे महापुरूषों ने देश की आजादी के लिए सर्वस्व न्यौछावर किया : मुख्यमंत्री

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर अमर जवान ज्योति पर पुष्पचक्र अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने यहां विजिटर्स बुक में संदेश लिखते हुए देश की रक्षा में वीरगति को प्राप्त सैनिकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने मुख्यमंत्री निवास पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया और कंपनी कमांडर राजेंद्र शर्मा के नेतृत्व में आर.ए.सी. की टुकड़ी की सलामी दी। उन्होंने कहा कि देश की आजादी के लिए हमारे महापुरूषों ने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया और उन्हीं के बलिदान और त्याग के कारण आज हम सब लोकतंत्र की खुली हवा में सांस ले पा रहे हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री कार्यालय एवं मुख्यमंत्री निवास के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने बड़ी चौपड़ पर फहराया राष्ट्रीय ध्वज

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में बड़ी चौपड़ पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराकर उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को 77वें गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने मातृभूमि की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले देशभक्तों और अमर शहीदों को नमन किया। उन्होंने कहा कि यह दिन महान स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, तपस्या और बलिदान का प्रतीक है। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और शीघ्र ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में युवा, महिला, किसान, श्रमिक सहित समाज के सभी वर्गों के सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। राजस्थान में भी डबल इंजन की सरकार पानी, बिजली, सड़क और अन्य बुनियादी सुविधाओं का तेजी से विकास कर रही है। इस अवसर पर सांसद मदन राठौड़, मंजू शर्मा, विधायक बालमुकंदाचार्य सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं आमजन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शासन सचिवालय में फहराया राष्ट्रध्वज

राज्य सरकार कर्मचारी कल्याण के लिए प्रतिबद्ध : भजनलाल शर्मा

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि स्वतंत्रता सैनानियों के त्याग और बलिदान के बाद हमें आजादी मिली और भारत एक लोकतांत्रिक गणराज्य बना। भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर द्वारा रचित हमारा संविधान विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार संविधान में निहित लोक कल्याण की भावना को धरातल पर उतार रही है और उनके मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने गरीब, किसान, महिला और युवा वर्ग के उत्थान एवं सशक्तीकरण के लिए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए है। उन्होंने यह बात सोमवार को गणतंत्र दिवस पर राजस्थान सचिवालय कर्मचारी संघ की ओर से शासन सचिवालय में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने इस अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया और राष्ट्रिपता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

- कल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाना कार्मिकों का दायित्व : मुख्यमंत्री
- कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित होगी कमेटी

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गणतंत्र दिवस पर राजस्थान सचिवालय कर्मचारी संघ की ओर से शासन सचिवालय में आयोजित समारोह में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि युवा देश और प्रदेश का भविष्य है, इसलिए राज्य सरकार उन्हें शिक्षण, प्रशिक्षण और रोजगार के भरपूर अवसर उपलब्ध करा रही है। हमारी सरकार ने अब तक 1 लाख से अधिक सरकारी नियुक्तियां दी है, साथ ही 1 लाख 54 हजार से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है। राज्य सरकार 5 साल में 4 लाख सरकारी भर्तियों के लक्ष्य को हासिल करेगी। शर्मा ने कहा कि निजी क्षेत्र में भी करीब ढाई लाख युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाया गया है।

भजनलाल शर्मा ने कहा कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन कर लगभग 35 लाख करोड़ रुपये के निवेश एमओयू किए, जिनमें से 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक के प्रस्ताव धरातल पर आ चुके हैं। इनसे युवाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार मिलेगा।

उन्होंने कहा कि युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए 71 नए राजकीय महाविद्यालयों की स्थापना की गई है। उनके सर्वांगीण विकास के लिए राजस्थान युवा नीति और रोजगार नीति लागू की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश का युवा रोजगार चाहने वाला ही नहीं बल्कि रोजगार देने वाला भी बने, इसके लिए मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना की शुरुआत की गई है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य राज्य के 18 से 45 वर्ष की आयु के युवाओं को ब्याज-मुक्त ऋण प्रदान करके उद्यिमता की ओर प्रेरित करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्मचारियों के कैडर संबंधी समस्याओं और विसंगतियों के समाधान के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में कमेटी बनाई जाएगी जो विसंगतियों का समाधान करेगी।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार कर्मचारी कल्याण के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। शासन-प्रशासन में प्रभावी क्रियान्वयन के लिए राजकाज, आई-गॉट कर्मयोगी के माध्यम से 7.5 लाख कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया है। साथ ही, ई-ऑफिस ऐनालिटिक्स के तहत औसतन 5 से 6 घण्टे में फाइलों का निस्तारण किया जा रहा है।

कार्यक्रम में लोक कलाकारों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। इस दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्मिकों को सम्मानित भी किया गया।

इस अवसर पर शासन सचिव कार्मिक अर्चना सिंह, राजस्थान सचिवालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष कजोड़मल मीणा सहित विभिन्न कर्मचारी संघों के पदाधिकारी, वरिष्ठ अधिकारी तथा सचिवालय सेवा के कार्मिक उपस्थित थे।

'भारत मजबूत होगा तो पूरी दुनिया में कोई हिंदुओं पर अत्याचार नहीं कर पाएगा'

हरिद्वार। पतंजलि योगपीठ में स्वामी रामदेव व महामंत्री आचार्य बालकृष्ण ने पतंजलि वेलनेस, फेस-2 में ध्वजारोहण कर देशवासियों को देश के 77वें गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि ''भारत मजबूत होगा तो पूरी दुनिया में कोई हिंदुओं पर अत्याचार नहीं कर पाएगा। एक देश, एक संविधान, एक झंडा, एक संकल्प, एक भारत, श्रेष्ठ भारत होगा, तभी तो स्वस्थ, समृद्ध, संगठित, विकसित भारत बनेगा।'' स्वामी रामदेव ने स्वदेशी शिक्षा, स्वदेशी चिकित्सा, स्वदेशी अर्थव्यवस्था, स्वदेशी सनातन जीवन पद्धित तथा स्वदेशी से स्वावलम्बी विकसित भारत-पञ्चप्रण लेते हुए राष्ट्रसेवा की बात कही।

पतंजलि योगपीठ में स्वामी रामदेव व महामंत्री आचार्य बालकृष्ण ने पतंजलि वेलनेस, फेस-2 में ध्वजारोहण किया और 77वां गणतंत्र दिवस मनाया।

उन्होंने कहा कि कहीं टैरिफ टैरेरिज़म चल रहा है, कहीं सत्ता का उन्माद, कहीं सम्पति का उन्माद और कहीं मज़हबी उन्माद, और भारत में तो सनातनधर्मियों में ही एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप करके सनातन में भी गौमाता, गंगा व पालकी के नाम पर उन्माद फैलाने की बात की जा रही है। अमेरिका ने कनाडा को 100 प्रतिशत टैरिफ की धमकी दी तो कभी भारत पर 25-50 प्रतिशत, कभी किसी देश पर तो 500 प्रतिशत टैरिफ की धमकी, दुनिया एक बहुत खतरनाक दौर से गुजर रही है। ऐसे में हमें एक भारत, श्रेष्ठ भारत, स्वस्थ, समृद्ध, संगठित भारत बनाना है तो स्वदेशी शिक्षा, स्वदेशी चिकित्सा, स्वदेशी अर्थव्यवस्था, स्वदेशी सनातन जीवन पद्धित और अपनी सनातनी विरासत को सर्वोपरि गौरव-महिमा देते हुए सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति, सबसे बड़ी सैन्य और राजनीतिक सामाजिक और आध्यात्मिक शक्ति बनने की जरूरत है।

कार्यक्रम में पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि गणतंत्र दिवस हमको बहुत कुछ सिखाता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

RISING RAJASTHAN
REPLETE • RESPONSIBLE • READY

प्रत्यक्ष आवंटन योजना - 2025

राइज़िंग राजस्थान में MoU करने वाले निवेशकों के लिए भूखण्ड के आरक्षित मूल्य पर

औद्योगिक एवं नियोजित लॉजिस्टिक भूखण्डो का डायरेक्ट अलॉटमेंट

आठवाँ चरण

ऑनलाइन पोर्टल पर दिनांक 28.01.2026 (प्रातः 10:00 बजे) से 10.02.2026 (सायं 6 बजे) तक आवेदन आमंत्रित किये जा रहे हैं।

नया औद्योगिक क्षेत्र: आईजीपी कछालिया, बूंदी | ई-लॉटरी: 13 फरवरी, 2026

107 औद्योगिक क्षेत्र | 5,874 कुल औद्योगिक भूखण्ड | 5,137 अनारक्षित भूखण्ड | 39 लॉजिस्टिक भूखण्ड

विभिन्न श्रेणियों / वर्गों के लिए आरक्षित भूखंड

209 अनुसूचित जाति/जनजाति | 206 महिला वर्ग | 115 भूतपूर्व सैनिक | 141 बेंचमार्क दिव्यांगता | 66 सशस्त्र बलों/अर्ध सैनिक बलों के मृतक के आश्रित

आवंटन की प्रक्रिया

एक भूखण्ड पर एक ही आवेदक होने पर सीधा आवंटन तथा एक से अधिक आवेदक होने पर ई-लॉटरी के माध्यम से आवंटन

EMD - भूखण्ड की कुल देय प्रीमियम राशि की 5 प्रतिशत राशि आवेदन के साथ ही ऑनलाइन जमा।

आवेदन हेतु स्कैन करें

पात्रता - निवेशक जिन्होंने 12/01/2026 तक राइजिंग राजस्थान में राज्य सरकार के साथ एमओयू किये हैं वे सभी इस योजना में भूखण्ड के लिए पात्र हैं।

- भूखण्ड का आवंटन एमओयू धारक के नाम पर ही जारी किया जाएगा।

भूखण्ड की राशि का भुगतान

*25% भुगतान के बाद, शेष 75% भुगतान 11 किश्तों में 8.5% ब्याज के साथ या 120 दिनों के भीतर ब्याज रहित भुगतान

या

RIICO की टर्म लोन स्कीम के तहत भूमि की लागत का 75% तक का ऋण 5 साल की पुनर्भुगतान अवधि एवं 8.5% ब्याज के साथ

इस योजना के तहत भूखण्ड देखने या आवेदन करने के लिए

https://riico.rajasthan.gov.in पर दिए गए Direct Land Allotment लिंक पर क्लिक करें या riicoerp.industries.rajasthan.gov.in/DirectLand पर विजिट करें

*केवल औद्योगिक भूखण्डों के लिए

राज.संवाद/सी/25/18529

राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डवलपमेंट एण्ड इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड
उद्योग भवन, तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर 302005

हैल्पलाइन नंबर : 0141 4593250, 4593237 | वाट्सएप : +91 90013 06515 | ई-मेल : riico@riico.co.in
riico.rajasthan.gov.in · riicogis.rajasthan.gov.in/riicogiscitizen

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट की कार्रवाई पर रोक लगाई

जयपुर (कासं)। सुप्रीम कोर्ट ने बार कौंसिल ऑफ राजस्थान के गत 25 सितंबर के नोटिफिकेशन के तहत प्रदेश में बीसीआर की चुनाव फीस 10 हजार रुपए से बढ़ाकर 1.25 लाख रुपए करने के मामले में हाईकोर्ट में लंबित याचिका में कार्रवाई पर रोक लगा दी है। हाईकोर्ट में यह जानकारी आने पर अदालत ने प्रकरण की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट के फैसले तक टाल दी है। जस्टिस मनीष शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष प्रहलाद शर्मा की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

- बीसीआर चुनाव फीस 10 हजार रुपए से बढ़ाकर 1.25 लाख रु. करने का मामला

सुनवाई के दौरान बार कौंसिल ऑफ इंडिया की ओर से कहा गया कि प्रहलाद शर्मा की याचिका को सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर के लिए बीसीआई ने प्रार्थना पत्र लगाया था। जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने मामले में सुनवाई कर हाईकोर्ट की कार्रवाई पर रोक लगा दी है और याचिकाकर्ता से भी 20 फरवरी तक जवाब मांगा है।

मामले से जुड़े अधिवक्ता अक्षय शर्मा व लखन शर्मा ने बताया कि याचिका में बीसीआर चुनाव फीस 10 हजार रुपए से कई गुणा बढाकर सवा लाख रुपए करने को चुनौती दी थी।

याचिका में कहा कि बीसीआई ने नियमों के विपरीत जाकर नॉमिनेशन फीस में बढोतरी की और चुनाव कमेटी का गठन किया है। जबकि ऐसा करना नियमों के विपरीत है। इसलिए बीसीआई के इस नोटिफिकेशन को रद्द किया जाए।

CIO
बीमा लोकपाल परिषद
Council for Insurance Ombudsmen

बीमा लोकपाल परिषद कार्यालय
तीसरी मंजिल,जीवन सेवा अनेक्स,
एस.वी. रोड, सांताक्रूज (प.), मुंबई-400054

विज्ञापन क्रमांक 3/2025-2026 दिनांक:28.01.2026

सामान्य बीमा (स्वास्थ्य बीमा सहित)/ स्वतंत्र बीमा टीपीए/ जीवन बीमा उद्योग में अनुभवी व्यक्तियों की 'विशेषज्ञ' (Specialist) के पद पर संविदात्मक आधार पर (कॉन्ट्रैक्ट पर) नियुक्तियाँ

बीमा लोकपाल परिषद कार्यालय द्वारा निम्नलिखित बीमा लोकपाल कार्यालयों में 'विशेषज्ञ' (Specialist) के पद के लिए जीवन बीमा/सामान्य बीमा (स्वास्थ्य बीमा सहित) कंपनियों में (सार्वजनिक और निजी क्षेत्र से)/ स्वतंत्र भारतीय बीमा टीपीए से सेवानिवृत्त/स्वेच्छिक रूप स सेवानिवृत्त/इस्तीफा देने वाले अनुभवी व्यक्तियों की सविन्दात्मक आधार पर (Contractual basis) ऑनलाइन आवेदन द्वारा नियुक्ति प्रस्तवित हैं

अहमदाबाद	बेंगलुरु	भोपाल	भुवनेश्वर
चंडीगढ़	चेन्नई	दिल्ली	कोच्चि
गुवाहाटी	हैदराबाद	जयपुर	कोलकाता
लखनऊ	मुंबई	नोएड़ा	पटना
पुणे	ठाणे		

पात्रता :

(i) न्यूनतम आयु – 40 वर्ष से कम नहीं और अधिकतम आयु – 62 वर्ष से अधिक नहीं (ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि पर)।

(ii) अधिकारी के रूप में भारत में स्थित सार्वजनिक/ अथवा निजी बीमा कंपनी/ स्वतंत्र बीमा टीपीए में न्यूनतम दस साल का अनुभव। जहाँ तक सार्वजनिक/निजी क्षेत्र के आवेदकों का संबंध है, केवल ऐसे आवेदक पात्र होंगे जिनका अंतिम कार्यभार (असाइनमेंट) सार्वजनिक क्षेत्र बीमा कंपनी के समकक्ष स्केल II, III या IV का रहा हो।

ऑनलाइन आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 18.02.2026 शाम 17:30 बजे तक है।

ऑनलाइन आवेदन पत्र, पात्रता, संविदात्मक नियुक्ति (contractual engagement) की शर्तें, आवेदन प्रक्रिया एवं अन्य निर्देशों के लिए कृपया QR कोड को स्कैन करे/हमारी वेबसाइट www.cioins.co.in. पर जायें (आप "Engagement of Specialist" टैब के अंतर्गत देख सकते हैं)।

टिप्पणी : इस संबंध में शुध्दिपत्र/ अगली जानकारी यदि कोई हो, तो इसी वेबसाइट में अधिसूचित की जायेगी। व्याख्या में संदेह होने पर अंग्रेजी विज्ञापन मान्य होगा।

महासचिव (बीमा लोकपाल परिषद)

CBC 15227/12/0003/2526

कोटा में ज्वैलरी कारखाने से सवा करोड़ का सोना चुरा ले गया कारीगर

बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले ही करखाने में काम करने आया था कारीगर

कोटा, (निसं)। महावीर नगर थाना इलाके में सोने-चांदी के व्यापारी के कारखाने से कारीगर द्वारा करीब सवा करोड़ की कीमत के 761 ग्राम सोने के आभूषण की चोरी का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार कुछ दिन पहले कार्य करने आए कारीगर ने कारखाने की चाबी चुरा ली और उसके बाद तिजोरी में रखे हुए सोने की ज्वैलरी को लेकर फरार हो गया। पूरा घटनाक्रम कारखाने में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ है। कारखाने के मालिक ने चोरी की रिपोर्ट महावीर नगर थाने में दी, जिस पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर प्रकरण की जांच शुरू कर दी है।

- **कारीगर ने कारखाने की चाबी चुरा ली और तिजोरी में रखी सोने की ज्वैलरी को लेकर फरार हो गया**
- **जब रात के समय मैनेजर खाना खाने के लिए गया था, तब घटना को अंजाम दिया, पूरा घटनाक्रम कारखाने में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ**

स्वर्ण रजत मार्केट के अध्यक्ष पीड़ित कपिल सोनी ने बताया कि उनकी स्वर्ण रजत मार्केट में सोने-चांदी की दुकान है और कारखाना महावीर नगर द्वितीय में है। जहां पर उन्होंने राजकोट से शनिवार को इमरान मलिक नाम के नए कारीगर को रखा था, इसके अलावा अन्य कई कारीगर और स्टॉफ भी वहां पर रहते हैं। कपिल सोनी ने बताया कि कारीगर इमरान रविवार को कारखाना बंद होने के दौरान कारखाने की चाबी चुराकर तिजोरी में रखा 761 ग्राम सोना चुरा कर ले गया है जिसकी कीमत सवा करोड़ के आसपास की है। पूरा घटनाक्रम कारखाने में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ है। जब रात के समय मैनेजर खाना खाने के लिए गया था, तब यह घटना को अंजाम दिया।

कपिल सोनी ने बताया कि कारिगर के पास मिले आधार कार्ड पर कोलकाता का पता था। इमरान ने शनिवार को काम किया और रविवार को सात बजे करीब वह कारखाने में रहा और अचानक से गायब हो गया, जिस पर देखा तो तिजोरी खुली मिली और उसमें रखी 761 ग्राम सोने की ज्वैलरी गायब थी। महावीर नगर थाने में मामला दर्ज करा दिया है।

महावीर नगर थाने के एसआई कमल किशोर ने बताया कि महावीर नगर सेकंड निवासी कपिल सोनी ने उनके कारखाने में काम करने वाले कारिगर के खिलाफ 761 ग्राम सोने के आभूषण चोरी करके ले जाने की रिपोर्ट दी है। एसआई ने बताया कि कारीगर का पुलिस वेरिफिकेशन भी नहीं करवाया था, फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है।

खेत में काम करते करंट से अधेड़ की मौत

गंगापुर सिटी, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र के बाढ़ रामसर गांव में मंगलवार सुबह खेत में काम करते समय करंट लगने से एक बुजुर्ग किसान की मौत हो गई। सूचना मिलने पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और कार्रवाई की।

पुलिस के अनुसार, बाढ़ रामसर निवासी रामप्रसाद (61) पुत्र नंद कोरया मंगलवार सुबह अपने सरसों के खेत में सिंचाई कर रहे थे। इसी दौरान खेत में जमीन पर रखे ट्रांसफॉर्मर से अचानक करंट फैल गया। करंट की चपेट में आने से वे गंभीर रूप से झुलस गए और मौके पर ही गिर पड़े। आसपास काम कर रहे लोगों ने रामप्रसाद को अचेत अवस्था में देखा। उन्होंने तत्काल परिजनों को सूचना दी। परिजन रामप्रसाद को गंगापुर सिटी के राजकीय जिला अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवाया और पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

ट्रक-कार की टक्कर में दर्जनभर लोग घायल

सरमथुरा, (निसं)। बरौली गांव के पास धौलपुर-करौली हाइवे पर एक भीषण सड़क हादसा हुआ है। ट्रक और कार की टक्कर में दर्जनभर से अधिक लोग घायल हो गए। दोनों वाहनों की आमने-सामने की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि उसमें सवार कई लोग गंभीर रूप से चोटिल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस की टीमें मौके पर पहुंची और घायलों को सरमथुरा सीएचसी पहुंचाया। गंभीर घायल मरीजों को उच्च चिकित्सालयों में रेफर कर दिया गया है। घायल व्यक्ति उत्तर प्रदेश के आगरा जिले के शमशाबाद के निवासी बताए जा रहे हैं। घायलों में मोहित (10), लकी (12), सोनू (40), इकबाल (40), अंजलि (25) और देवेंद्र (45) सहित अन्य लोग शामिल हैं।

Rajasthan State Road Development And Construction Corporation Ltd.JAIPUR

No.NIT/2025-26/33797-810 — **निविदा सूचना /2025-26** — Date:27.01.2026

निम्नलिखित कार्य के लिए केन्द्र/राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों एवं उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत एवं अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाइन निविदायें आमंत्रित की जाती है-

कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत (रू.)	निविदा सूचना संख्या
Construction of New VC Secretariate and Admn. Cell in VMOU Kota. UBN: RRC2526WSOB01122	361.11 Lakh	अल्पकालीन 639/25-26
Electrical work at Nursing College and Hostel at Nimbahera, Chittorgarh. UBN: RRC2526WSOB01134	201.00 Lakh	642/25-26
HT/LT Line Shifting work from Bandh Baretha to Uchain via Kheriya Mod. UBN: RRC2526WSOB01135	334.54 Lakh	
Construction of Major Bridge & Bypass at Sewla Village on Bandh Baretha to Uchain via Kheriya Mod Road. UBN: RRC2526WLOB01141	2089.39 Lakh	अल्पकालीन 647/25-26

निविदा से सम्बन्धित प्रपत्र में निविदा शुल्क, धरोहर राशि, डाउनलोड करने व खोलने की तारीख सहित सम्पूर्ण विवरण एवं संशोधन वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.nic.in तथा http://pwd.rajasthan.gov.in/rsrdc पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।

महाप्रबंधक

कार्यालय विकास अधिकारी पंचायत समिति बाड़ी (धौलपुर)

क्रमांक-प.स.ब./ई-निविदा/2025-26/116 दिनांक-19.01.2026

ई-निविदा सूचना 08/2025-2026

पंचायत समिति बाडी की अधीनस्थ ग्राम पंचायतों के 31 आंगनवाडी केन्द्रो में राज्य आपदा मोचन निधि (एसडीआरएफ 2025-26) के अन्तर्गत मरम्मत कार्य हेतु राज्य/केन्द्र सरकार के अधिकृत विभिन्न विभिन्न विभागों में पिंजीकृत संवेदकों से कार्य कराने हेतु दिनांक 29.01.2026 दोपहर 03.00 बजे तक ऑनलाईन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। बोली विशिष्टीया आदि का विस्तृत विवरण https://sppp.rajasthan.gov.in एवं https://eproc.rajasthan.gov.in देखा जा सकता है।

NIB NO.:ZDH2526A0524, UBN NO. ZDH2526WSOB00670, ZDH2526WSOB00671, ZDH2526WSOB00672

विकास अधिकारी पंचायत समिति बाडी

DIPR/C/1394/2026

कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्यमिक शिक्षा, जालोर

क्रमांक-जिशिअ/मु./माध्य./जा/लेखा/2026/14 दिनांक-27.01.2026

ई-निविदा सूचना संख्या-3/बोर्ड परीक्षा 2026

इस कार्यालय से बोर्ड परीक्षा-2026 के परीक्षा केन्द्रों की वीडियोग्राफी प्रतिष्ठित फर्मो/अनुभवी वीडियो ग्राफर से कराने हेतु ई-निविदा जारी की जाती है जिसकी अनुमानित लागत 25 लाख रूपये है। ई-निविदा दिनांक 30.01.2026 को दोपहर 12.30 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 30.01.2026 को दोपहर 03.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जायेगी। निविदा संबंधी विस्तृत विवरण http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। इन निविदाओं में भाग लेने वाले संवेदकों को निविदा इलेक्ट्रोनिक फॉरमेट में वेबसाईट htpp://eproc.rajasthan.gov.in पर जमा करवानी होगी।

UNB NO. EDU2526SLOB00124

जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्यमिक जालोर

DIPR/C/1374/2026

हाइवे पर मादक पदार्थ बेचने वाला होटल संचालक गिरफ्तार

सांभरझील, (निसं)। गिलानी में होटल संचालक द्वारा ट्रक चालकों व राहगीरों को अवैध मादक पदार्थ सप्लाई करने के मामले में मोखमपुरा पुलिस ने सूचना तंत्र के आधार पर दबिश देकर आरोपी के कब्जे से होटल में प्लास्टिक के कट्टे में छिपाकर रखा गया 38.375 किलोग्राम डोडा-पोस्त छिलका जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई को थानाधिकारी मोखमपुरा सुरेश कुमार ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दूदू शिवलाल बैरवा व वृत्ताधिकारी दूदू दीपक खण्डेलवाल के निकटतम सुपरविजन में अंजाम दिया।

- **38 किलोग्राम डोडा-पोस्त छिलका जब्त, पूछताछ जारी**

मोखमपुरा पुलिस ने डोडा-पोस्त छिलका जब्त किया।

पुलिस के अनुसार अपराधियों के संबंध में आसूचना संकलन कि तो एनएच 48 जयपुर से अजमेर रोड़ एक होटल तन गिदानी पर होटल चलाने वाले आरोपी जगदीश द्वारा अवैध मादक पदार्थ रखना पाया किया जिसे जब्त कर आरोपी जगदीश को गिरफ्तार किया गया। वहीं आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा में प्रकरण दर्ज किया गया है। आरोपी से पूछताछ की तो किराये से होटल चलाना बताया है। जब्तशुदा मादक पदार्थ डोडा-पोस्त छिलका की वर्तमान में अनुमानित बाजार की कीमत करीब 1 लाख रुपये है। गिरफ्तार आरोपी अवैध मादक पदार्थ कहां से खरीदता है, के संबंध में अनुसंधान किया जा रहा है। गिरफ्तार आरोपी जगदीश निवासी कटसुरा पुलिस थाना अरांई जिला अजमेर का रहने वाला है।

होटल के बाहर युवक-युवतियों ने किया हंगामा : कोटा के महावीर नगर थाना इलाके में सोमवार देर रात्रि को एक होटल के बाहर तीन युवक व दो युवतियों द्वारा हंगामा करने का मामला सामने आया है। हंगामे की सूचना पाकर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और हंगामा कर रहे युवक व युवतियों को डिटेन कर पकड़कर थाने ले गई, तब जाकर मामला शांत हुआ। जानकारी के अनुसार इलाके में स्थित एक होटल के बाहर तीन युवक व दो युवतियों ने हंगामा कर दिया। मामले में सामने आया कि राहगीरों ने बीच-बचाव का प्रयास किया तो उन्होंने शराब की बोतलें फैंकना शुरू कर दी। हंगामे की सूचना लोगों ने पुलिस को दी, सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और हंगामा कर रहे युवकों व युवतियों को डिटेन कर थाने ले आई। महावीर नगर थाने के एसआई कमल किशोर ने बताया कि इलाके में एक होटल के बाहर हंगामे की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। एसआई ने बताया कि सभी को पकड़कर पेश कर पाबंद कराया गया।

छबड़ा में बरसात के बाद सर्दी लौटी

छबड़ा, (निसं)। छबड़ा क्षेत्र में मौसम ने एक बार फिर करवट बदली है। मंगलवार रुक-रुककर तो कभी तेज बारिश हुई। एक तरफ जहां इस बारिश को रबी की फसलों के लिए अमृत माना जा रहा है, वहीं अचानक हुई बारिश से बढ़ी सर्दी ने आमजन की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। यहां मंगलवार को सुबह से ही बादलों की आवाजाही जारी थी। दोपहर होते-होते आसमान काले बादलों से घिर गया और मेघ गर्जना के साथ बारिश शुरू हो गई। देखते ही देखते बारिश कभी तेज तो कभी हल्की होती रही, जिससे तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई। अचानक बढ़ी इस गलन ने लोगों को घरों में एक बार फिर से दुबकने पर मजबूर कर दिया है। वही सड़कों से पानी बह निकला।

- **इस बारिश को रबी की फसलों के लिए अमृत माना जा रहा है**

छबड़ा में हुई बारिश से सड़कें तरबतर हो गई।

किसानों के लिए मावठ बनी वरदान :- भले ही बारिश से आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हुआ हो, लेकिन किसानों के चेहरों पर इस बारिश ने खुशी की चमक बिखेर के रख दी है। रबी की फसल करने वाले किसान बेहद खुश है, क्योंकि शीतकालीन इस वर्षा यानी मावठ से सरसों और गेहूं की फसलों को फायदा होगा। किसानों का मानना है कि इस बारिश के पानी से फसल की पैदावार बढ़ेगी और दानों में चमक आएगी। हालांकि, कुछ निचले इलाकों में जहां बारिश के कारण पानी इकट्ठा हो गया है, वहां फसलों के नुकसान की आशंका भी जताई जा रही है। वही डॉक्टरों ने सलाह दी है कि बारिश के बाद चलने वाली शीतलहर और अधिक घातक हो सकती है, इसलिए गर्म कपड़ों और सावधानी का विशेष ध्यान रखें। मौसम विभाग की मानें तो पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से यह बदलाव आया है।

आगामी घंटों के लिए चेतावनी :- मौसम विभाग के अनुसार, आगामी 24 घंटों में बारां, कोटा सहित कई जिलों में कहीं-कहीं बादल गरजने के साथ हल्की बारिश होने, बिजली कड़कने, ओले गिरने और 20 से 30 किमी पीएच की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया है।

तहसील परिसर में लगे पेड़ में दौड़ा करंट : छबड़ा नगर में मंगलवार देर शाम हवा व मेघ गर्जना के साथ हुई बारिश से तहसील परिसर में लगे पेड़ में समीप से गुजर रही विद्युत लाइन के सम्पर्क में आने से विद्युत स्पार्किंग के साथ करंट दौड़ गया। कुछ देर बाद विद्युत स्पार्किंग के साथ-साथ जोरदार आवाज भी आई। जिससे कुछ देर के लिए समीप के दुकानदार सकते में आ गए। गनीमत रही है कि कोई इसकी चपेट में नहीं आया, क्योंकि तहसील परिसर के बाहर मुख्य सड़क किनारे फल-सब्जी के ठेले लगते हैं और मुख्य मार्ग होने से आवागमन सुचारु रहता है।

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर
कार्यालय भू-सम्पदा अधिकारी

निविदा सूचना संख्या 25, 27 तथा 28/2025-26

कार्यालय भू-सम्पदा अधिकारी, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा निम्न कार्यो हेतु उपयुक्त श्रेणी के समकक्ष संवेदक जो कि राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के विभिन्न विभागों में पंजीकृत हो, हेतु खुली निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित पूर्ण विवरण वेबसाईट **www.aujodhpur.ac.in, www.sppp.rajasthan.gov.in** तथा **www.eproc.rajasthan.gov.in** देखा जा सकता है।

UBN No. JAU2526WSOB00175, 00178, 00181

राज.संवाद/सी/25/18451 भू-सम्पदा अधिकारी

कार्यालय नगरपरिषद, करौली (राज0)
फोन न0 07464-294024 ई-मेल आईडी np.karauli@yahoo.com website- www.npkarauli.in

क्रमांक : न0परि0क0/निविदा/2025/4843 दिनांक : 22.01.2026

संशोधित ई-निविदा सूचना

नगरपरिषद करौली द्वारा आमंत्रित ई-निविदा सूचना संख्या 4653 दिनांक 12.01.2026 की तिथिओं में निम्न प्रकार संसोधन किया जाता है।

क्र.सं.	तिथिओं का विवरण	पूर्व की तिथि	संशोधित तिथि
1	ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	29.01.2026 समय 6:00 पीएम तक	03.02.2026 समय 6:00 पीएम तक
2	भौतिक दस्तावेज जमा कराने की अंतिम तिथि	–	04.02.2026 समय 4:00 पीएम तक
3	निविदा खोलने की तिथि व समय	30.01.2026 समय 2:30 पीएम तक	05.02.2026 समय 02:00 पीएम तक

राज.संवाद/सी/25/18515 आयुक्त, नगरपरिषद, करौली

कोटा में छात्र ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या की

हरियाणा का छात्र कोटा में रहकर जेईई की तैयारी भी कर रहा था

कोटा, (निसं)। उद्योग नगर थाना इलाके में 12 वीं कक्षा के छात्र द्वारा ट्रेन के आगे कूदकर सुसाईड करने का मामला सामने आया है। मृतक छात्र 12वीं कक्षा में पढ़ने के साथ ही कोटा में रहकर जेईई की तैयारी भी कर रहा था।

जानकारी के अनुसार दिल्ली-मुम्बई रेल लाइन पर छात्र ने ट्रेन के आगे कूदकर सुसाईड किया, सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और छात्र के शव की शिनाख्त हरियाणा के सिरसा जिले के गांव हिमांयूखेड़ा निवासी सरताज सिंह के रूप में की। उद्योग नगर थानाधिकारी जितेन्द्र सिंह ने बताया कि एक छात्र के ट्रेन के आगे कूदने की सूचना मिली। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मौके पर मिले मृतक छात्र की पहचान हरियाणा के सिरसर जिले का निवासी सरताज सिंह के रूप में की, जो राजीव गांधी नगर में एक हॉस्टल में रहता था। मृतक छात्र की पहचान होने के बाद परिजनों को सूचित किया गया। परिजनों के कोटा पहुंचने पर मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

प्राइवेट बस ने बाइक को 150 मीटर तक घसीटा, दम्पती घायल

बीकानेर, (निसं)। जिले के खाजूवाला क्षेत्र में प्राइवेट बस ने बाइक को ओवरटेक करने के दौरान चपेट पर ले लिया। बाइक सवार पति-पत्नी रोड पर गिर गए, जबकि बस बाइक को घसीटते हुए 150 मीटर तक ले गई। इस दौरान बस में सवार 50 सवारियां चिल्लाती रही लेकिन ड्राइवर ने ब्रेक नहीं लगाए। घटना खाजूवाला थाना इलाके में खाजूवाला-दंतौर रोड पर 21 केजेडी फांटा के पास हुई।

- **पति-पत्नी सड़क पर तड़पते रहे, लोग देखते रहे, पुलिस ने हॉस्पिटल पहुंचाया**

खाजूवाला थाना इंचार्ज सुरेंद्र कुमार प्रजापत ने बताया-हादसे में दंतौर (बीकानेर) निवासी बबलू बाजीगर और उनकी पत्नी सुमित्रा देवी गंभीर रूप से घायल हो गए। खाजूवाला में प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को बीकानेर के लिए रेफर किया गया है।

गनीमत रही कि हादसे के दौरान वे बस के नीचे नहीं आए, वरना बड़ी घटना हो सकती थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस थाना खाजूवाला से एएसआई श्रवण कुमार, हेड कॉन्स्टेबल धारासिंह मीणा और हेड कॉन्स्टेबल खींयाराम जाट मौके पर पहुंचे। वहीं कॉन्स्टेबल राजूपाल, प्रेमकुमार, चालक प्रेमचंद, रामकुमार और 112 गाड़ी के चालक रामस्वरूप ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। खाजूवाला थाना इंचार्ज सुरेंद्र कुमार प्रजापत भी मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। पुलिस ने निजी बस और क्षतिग्रस्त मोटरसाइकिल को थाने में खड़ा करवा दिया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

एक प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार हादसे के बाद घायल बबलू और उसकी पत्नी सुनिता पर सड़क पर गिरकर घायल हो गए। बस को ड्राइवर ने 200 मीटर दूर ले जाकर रोका। सवारियां बस से उतर गई। बाइक उस वक्त बस के आगे के हिस्से में फंसी हुई थी। कुछ लोग घायलों तक पहुंचे। बबलू और सुमित्रा काफी देर तक सड़क पर तड़पते रहे, मदद की गुहार लगाते रहे, लेकिन वहां लोग मूकदर्शक बने खड़े रहे। लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उन्हें हॉस्पिटल पहुंचाया। लोगों ने यह भी बताया कि बस में करीब 50 सवारियां थी। हादसा होने के बाद बस में चीख-पुकार मच गई। बस के नीचे बाइक फंसी होने के कारण बस बेकाबू होकर पलट सकती थी। इसके बावजूद ड्राइवर बस दौड़ाता रहा और 200 मीटर दूर तक ले जाकर रोका और फरार हो गया। बाद में पुलिस ने बस को जब्त कर लिया।

राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड

ई-निविदा सूचना संख्या-17 और 18 (2025-26)

केन्द्र/राज्य सरकार के विभागों एवं रा.रा.वि.प्र.नि.लि. के उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत/मान्य व अनुभवी निविदाकारो से ई निविदा सूचना संख्या-17(2025-26) के क्र0 स0 01 से 04 अधिशाषी अभियन्ता प्रथम (सिविल), रा0रा0वि0प्रसा0नि0लि0 बीकानेर व क्र0 सं0 05 से 06 अधिशाषी अभियन्ता (सिविल), रा0रा0वि0प्रसा0नि0लि0 रतनगढ व क्र0 सं0 07 से 10 अधिशाषी अभियन्ता (सिविल), रा0रा0वि0प्रसा0नि0लि0 भड़ला के अन्तर्गत कार्यो हेतु प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं एवं निविदा सूचना संख्या-18 (2025-26) के क्र.सं0 01 से 03 अधिशाषी अभियन्ता प्रथम (सिविल), रा0रा0वि0प्रसा0नि0लि0 बीकानेर व क्र0सं0 04 अधिशाषी अभियन्ता (सिविल), रा0रा0वि0प्रसा0नि0लि0 रतनगढ़ व क्र0सं0 05 से 08 अधिशाषी अभियन्ता (सिविल), रा0रा0वि0प्रसा0नि0लि0 भडला के अन्तर्गत कार्यो हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। इन कार्यो की अनुमानित लागत, निविदा शुल्क, निविदा बेचे जाने तथा खुलने की तारीख, धरोहर राशि व निविदा विशिष्टियां आदि का सम्पूर्ण विवरण वेबसाइट **http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.nic.in & www.rvpn.co.in** पर देखा जा सकता है। **UBN : VPN2526WSOBO2641, 2642, 2643, 2644, 2649, 2650, 2657, 2658, 2659, 2660, VPN2526WSOBO2645, 2646, 2647, 2648, 2651, 2653, 2655, 2656**

अधीक्षण अभियंता (सिविल), बीकानेर

राज.संवाद/सी/25/18484 रा.रा.वि.प्र.नि./TR-7356/2026

दलित नाबालिग लड़की की हत्या, धरना जारी

पोकरण, (निसं)। पोकरण शहर में दलित समाज की एक नाबालिग लड़की की गुमशुदगी, बलात्कार और हत्या का मामला सामने आने के बाद क्षेत्र में भारी आक्रोश व्याप्त है। परिजनों का आरोप है कि नाबालिग लड़की को अगवा कर उसके साथ दुष्कर्म किया गया तथा बाद में उसकी हत्या कर शव को तालाब में फेंक दिया गया। हालांकि पुलिस प्रशासन का कहना है कि डॉक्टरों की विशेष टीम द्वारा मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद ही नाबालिग की मौत से जुड़े सभी तथ्यों की पुख्ता जांच की जाएगी और उसी आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद नाबालिग लड़की की माता सहित परिजनों ने पुलिस प्रशासन पर कई गंभीर आरोप लगाए।

- **परिजनों का आरोप है कि नाबालिग लड़की को अगवा कर उसके साथ दुष्कर्म किया गया तथा बाद में उसकी हत्या कर शव को तालाब में फेंक दिया गया**
- **पुलिस प्रशासन का कहना है कि मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद ही नाबालिग की मौत से जुड़े सभी तथ्यों की पुख्ता जांच की जाएगी**

परिजनों का कहना है कि दलित नाबालिग के अगवा होने की सूचना थाने में देने के बावजूद समय रहते उचित और ठोस कार्रवाई नहीं की गई, जिसके चलते यह जघन्य वारदात हुई। शव मिलने की सूचना के बाद पूरे शहर में तनाव का माहौल बन गया। पुलिस प्रशासन ने बताया कि नाबालिग लड़की से जुड़े इस मामले में गुमशुदगी, बलात्कार एवं हत्या का प्रकरण दर्ज करने की मांग प्रशासन के समक्ष रखी गई है। पुलिस का कहना है कि मामले के हर पहलू की बारीकी से जांच की जा रही है और दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। घटना के विरोध में सर्व समाज के लोगों ने मोर्चरी के बाहर धरना-प्रदर्शन किया, जो लगातार जारी है। प्रदर्शनकारियों ने आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी, निष्पक्ष जांच तथा पीडति परिवार को न्याय दिलाने की मांग की।

मोर्चरी स्थल पर उपखंड अधिकारी हरी सिंह, तहसीलदार पोकरण डालाराम, एडिशनल एसपी प्रवीण कुमार सेन, पुलिस उप अधीक्षक भवानी सिंह, थानाधिकारी भारत रावत सहित अन्य पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे और प्रदर्शनकारियों से समझाइश कर शांति व्यवस्था बनाए रखने का प्रयास किया। धरने में दलित समाज के अध्यक्ष सुरेश नागोरा, युवा नेता राजूराम, पूर्व विधायक साग सिंह भाटी, नगर पालिका अध्यक्ष मनीष पुरोहित, जयकिशन दवे, पूर्व विधायक शैतान सिंह, व्यापार मंडल अध्यक्ष राजेश व्यास, दलित समाज के वरिष्ठ चेतन राम, के.सी. नागोरा, गणपत गर्ग सहित बड़ी संख्या में सामाजिक एवं राजनीतिक प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने घटना की कडी निंदा करते हुए पीड़ित परिवार को शीघ्र न्याय दिलाने की मांग की। फिलहाल पुलिस प्रशासन पूरे मामले की गहन जांच में जुटा हुआ है तथा क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस जाब्ता तैनात किया गया है। पुलिस द्वारा विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है। देर शाम तक मृतका के परिजनों व प्रशासन के बीच दिन भर चले लगातार समझौता वार्ता का नतीजा नहीं निकलने से मोर्चरी के बाहर धरना जारी है।

किराये के मकान में अस्पताल कर्मचारी ने फांसी लगाई

घटना के समय युवक घर में अकेला था, पत्नी व बच्चे गांव गये हुए थे

कोटा, (निसं)। बोरखेड़ा थाना इलाके में जेके लॉन अस्पताल में कार्यरत कर्मचारी ने घर में फांसी का फंदा लगाकर सुसाईड कर लिया। घटना के समय युवक घर में अकेला था, पत्नी व बच्चे गांव गये हुए थे। मृतक अभिषेक मीणा मूल रूप से बारां जिले का रहने वाला था, जो बोरखेड़ा इलाके में किराये से रहता था।

जानकारी के अनुसार अभिषेक जब घर से बाहर नहीं निकला तो मकान मालिक को शक हुआ तो उन्होंने घर में जाकर चेक किया तो घटना का खुलासा हुआ। मकान मालिक ने इसकी सूचना बोरखेड़ा थाना को दी। सूचना मिलने पर पुलिस घर पर पहुंची। बोरखेड़ा थाना अधिकारी अनिल टेलर ने बताया कि मूल रूप से बारां जिले के तुलसा कोटड़ी का रहने वाला अभिषेक कुमार मीणा बालाजी आवास बोरखेड़ा में किराए के मकान में रहता था। घटना के समय घर पर कोई भी मौजूद नहीं था। अस्पताल जाने के लिए अभिषेक मीणा के नहीं जागने पर मकान मालिक को शक हुआ, उन्होंने अभिषेक को आवाज भी दी, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला, इसके बाद उन्होंने पुलिस को फोन किया था। थानाधिकारी ने बताया कि मृतक के शव को पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। आत्महत्या के पीछे कोई कारण सामने नहीं आया है। मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

नशीला पदार्थ देकर महिला से दुष्कर्म

सीकर, (निसं)। सीकर जिले में 35 साल की महिला के साथ रेप का मामला सामने आया है। महिला के गांव के ही रहने वाले युवक ने महिला को नशीला पदार्थ देकर रेप किया। इसके बाद महिला को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। अब महिला की रिपोर्ट पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

ग्रामीण एरिया की रहने वाली 35 साल की महिला ने पुलिस में शिकायत देकर बताया कि गांव के ही रहने वाले एक युवक से उसकी पहचान थी, जो महिला को अपने साथ शहर लेकर गया था। यहां पर खाने-पीने की किसी चीज में आरोपी युवक ने नशीला पदार्थ मिलाकर दे दिया। इसी का फायदा उठाकर आरोपी युवक ने महिला के साथ रेप किया। इसी दौरान आरोपी ने अश्लील वीडियो भी रिकॉर्ड किया। आरोपी ने चार महीने तक महिला को ब्लैकमेल भी किया। आरोपी महिला पर दबाव बनाने लगा कि यदि वह उसके पास नहीं आई तो उसके अश्लील वीडियो को वायरल कर देगा। आरोपी ने दबाव बनाकर कई बार महिला के साथ मारपीट भी की। अब पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कार्यालय नगर निगम, अजमेर
लोहागल पंचशील रोड़, अजमेर (राजस्थान) फोन नं. 0145-2429971, 2429920

क्रमांक : T.W.S./2025-26/582 दिनांक : 19.01.2026

:: ई-निविदा सूचना संख्या /2026-27 ::

नगर निगम, अजमेर की ओर से अजमेर नगर निगम एवं राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेन्ट प्रक्रिया से ट्राम्बे शाखा पर संचालित वाहनों का रख-रखाव हेतु वार्षिक दर अनुबंध के लिए ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है जिसमें अनुमानित व्यय 18,00,000/- है जो निम्नलिखित दिनांक अनुसार डाउनलोड तथा खोली जायेगी।

महत्त्वपूर्ण दिनांको का विवरण

विवरण	दिनांक/समय
ऑन लाईन निविदा फॉर्म प्रारम्भ होने की दिनांक व समय	21.01.2026/प्रातः 11:00 बजे
ऑन लाईन निविदा फॉर्म समाप्त होने की दिनांक व समय	02.02.2026/सांय 06:00 बजे
ऑन लाईन तकनीकी निविदा खोलने की तारीख	03.02.2026/प्रातः 11:00 बजे

NIB code :-ANN2526A0204
UBN IS :-ANN2526SLOB00263

उपायुक्त नगर निगम अजमेर

राज.संवाद/सी/25/18417

Visit us : www.mpuat.ac.in; Mail ID : zdr_arsb@yahoo.com; Mo. No.: 9413044271 / 8209938201

कृषि अनुसंधान केन्द्र, बांसवाडा,
(महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर)
दाहोद रोड़, बोरवट फार्म, बाँसवाड़ा(राज.) 327 001

क्रमांक : एफ( )/कृअके/2025-26/255-58 दिनांक : 27/01/2026

निविदा सूचना (2025-26)

कृषि अनुसंधान केन्द्र, बांसवाडा, के लिये कृषि कार्य हेतु पंजीकृत संवेदक/ठेकेदार से अपेक्षित अनुभव क्षमताओं के साथ मासिक कार्य/कार्यानुसार हेतु खुली निविदाएं बंद लिफाफों में आमंत्रित की जाती है। पंजीकृत संवेदक/ठेकेदारों को तकनीकी एवं वित्तीय निविदा अलग-अलग सील बन्द लिफाफों में देनी होगी। निविदा प्रारूप, सम्पूर्ण नियम एवं शर्ते विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.mpuat.ac.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कर सकते है। निविदा प्रारूप प्राप्ति की अन्तिम तिथि 05.02.2026 दोपहर 1.00 बजे तक रहेगी। उक्त निविदाएं उसी दिन दोपहर 2.00 बजे तक जमा की जाकर अपराह्न 2.30 बजे कमेटी की उपस्थिति में खोली जावेगी। निविदा प्रारूप जमा करवाते समय कार्य के सामने वर्णित निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि जमा करवानी होगी।

कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू.)	धरोहर राशि (रू.)	निविदा शुल्क राशि (रू.)
कृषि अनुसंधान केन्द्र, बोरवट, फार्म बांसवाड़ा पर मक्का परियोजना में कृषि कार्य	3,55,000.00	7,100.00	500/-

संभागीय निदेशक अनुसंधान

जेडीए में एक चीफ इंजीनियर को काम नहीं, दूसरे के पास दो चार्ज

पदोन्नत हुए 8 एक्सईएन में से भी 4 को नहीं मिल रहा कार्यभार

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण में अधिशाषी अभियंता से लेकर मुख्य अभियंता (चीफ इंजीनियर) तक को पदोन्नति के बावजूद भी नया पद नहीं मिल रहा है। जबकि कुछ अधिकारियों के पास दो-दो जगह का कार्यभार है। यह भारी गड़बड़झाला पिछले कई महीनों से चल रहा है, इसके बावजूद भी जेडीए प्रशासन मौन है।

■ सूत्रों का कहना है कि, वर्तमान में एक मुख्य अभियन्ता और 11 अधीक्षण अभियन्ता, (जो अब एडीशनल चीफ इंजीनियर) बन गए हैं, अपने नए पद के बजाय पुरानी जगह पर ही सेवाएं दे रहे है।

सूत्रों के मुताबिक जयपुर विकास प्राधिकरण में पदोन्नत होकर चीफ इंजीनियर बन चुके एक अधिकारी को पदभार नहीं सौंपा जा रहा है, जबकि दूसरे मुख्य अभियंता के पास दो-दो जगह का कार्यभार है। इसके साथ ही जिन 8 अधिशाषी अभियन्ताओं को पदोन्नत करके जयपुर विकास प्राधिकरण में स्थानांतरित किया गया था। उनमें से भी मात्र 4 एक्सईएन को ही चार्ज मिला है, जबकि शेष 4 अधिशासी अभियन्ता, जिनका जेडीए में स्थानांतरण पूर्व में ही स्वीकृत है, पिछले लगभग डेढ़ माह से पदस्थापन आदेशों की प्रतीक्षा में हैं। प्रतीक्षारत एक्सईएन में से 2 अभियन्ता 30 नवंबर 25 और 2 अभियन्ता 14 जुलाई 25 को पदोन्नत हो चुके है।

सूत्रों के मुताबिक जेडीए में क्षेत्र का विस्तार होने, दस जोन बढ़ने के बाद तीन चीफ इंजीनियर के पद स्वीकृत किए गए हैं। इनमें दो पदों पर चीफ इंजीनियर (निदेशक इंजीनियरिंग) अजय गर्ग और देवेन्द्र गुप्ता कार्यरत है। तीसरे पद पर एडिशनल चीफ इंजीनियर संजीव जैन को पदोन्नति के बाद चीफ इंजीनियर बनाया गया है। उनकी जेडीए में पोस्टिंग तो हो गई है लेकिन उन्हें इस पद का चार्ज अभी तक नहीं मिला है। वे पिछले तीन महीने से पुराने पद पर ही काम कर रहे हैं, जबकि इस समय देवेन्द्र गुप्ता के पास दो पदों का चार्ज है। जेडीए के डायरेक्टर इंजीनियरिंग के साथ ही वे नगरीय विकास विभाग में भी चीफ इंजीनियर का काम कर रहे है, जबकि नए बने चीफ इंजीनियर खाली बैठे है।

सूत्रों का कहना है कि, वर्तमान में एक मुख्य अभियन्ता और 11 अधीक्षण अभियन्ता, (जो अब एडीशनल चीफ इंजीनियर) बन गए हैं, अपने नए पद के बजाय पुरानी जगह पर ही सेवाएं दे रहे है। इन्हें पदोन्नत हुए भी काफ़ी समय व्यतीत हो चुका है, परंतु उन्हें अभी तक किसी प्रकार का कार्यभार आवंटित नहीं किया गया है। कुछ अधिशाषी अभियंता तो लगातार कनिष्ठ अभियंता से लेकर अधिशाषी अभियंता बनने तक का सफर ही एक कुर्सी पर पूरा कर चुके हैं, इसके बावजूद इनका जोन क्षेत्र तक नहीं बदला जा रहा।

यह भी उल्लेखनीय है कि जेडीए में वर्तमान में कुछ अभियन्ताओं को 2-3 जोनों का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है, जबकि पदोन्नत अधिकारियों को कार्यभार न दिए जाने से कार्यों के निष्पादन, गुणवत्ता एवं प्रशासनिक संतुलन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की स्थिति उत्पन्न हो रही है। साथ ही, डीएलबी संवर्ग के एक अधीक्षण अभियन्ता, जिन्हें 14 जुलाई 25 को पदोन्नत किया गया है, उन्हें अब तक उनके मूल विभाग से कार्यमुक्त नहीं किया गया है।

नाकाबंदी के दौरान पुलिस पर कार चढ़ाने की कोशिश

जयपुर। मालपुरा गेट थाना क्षेत्र में नाकाबंदी के दौरान तैनात पुलिसकर्मियों पर हमला करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। चेकिंग के दौरान रुकने का इशारा करने पर कार सवार युवक ने पुलिस पर वाहन चढ़ाने की कोशिश की। इसके बाद साथियों को बुलाकर पुलिसकर्मियों से गाली-गलौज और मारपीट की गई। पुलिस ने राजकार्य में बाधा का मामला दर्ज कर चार आरोपियों को डिटेन किया है। पुलिस के अनुसार मुहाना के खातीपुरा बाढ़ निवासी हेड कांस्टेबल राजवीर सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि वे कांस्टेबल नंद किशोर और विजेन्द्र कुमार के साथ रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तक इंडिया गेट के पास टोंक रोड पर नाकाबंदी ड्यूटी पर तैनात थे। रात करीब 11.45 बजे एक कार को रोकने का इशारा किया गया, लेकिन चालक ने वाहन नहीं रोका और पुलिसकर्मियों पर कार चढ़ाने का प्रयास किया। काफी मशक्कत के बाद कार रुकवाई गई। इसके बाद आरोपी कार में खुद को लॉक कर मोबाइल पर बात करने लगा। कुछ ही देर में बाइक से उसके दो-तीन साथी मौके पर पहुंच गए। इसके बाद कार चालक बाहर आया और कांस्टेबल नंद किशोर का गिरेबान पकड़ लिया। बीच-बचाव करने पर अन्य युवक भी आ गए और सभी ने मारपीट की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने लॉन्च किया इंडिया स्टोनमार्ट मोबाइल एप

इस एप में स्टोन उद्योग को ई-स्टॉल, डिजिटल मार्केटप्लेस, नेटवर्किंग, इवेंट अपडेट्स व एआई-सक्षम सर्च की सुविधाएं

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर में इंडिया स्टोनमार्ट मोबाइल एप का औपचारिक शुभारंभ किया। स्टोन उद्योग के लिए यह अपनी तरह की पहली व्यापक डिजिटल पहल मानी जा रही है, जिसके माध्यम से उद्योग को एक समर्पित डिजिटल इकोसिस्टम उपलब्ध कराया गया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इंडिया स्टोनमार्ट मोबाइल एप का औपचारिक शुभारंभ किया।

इंडिया स्टोनमार्ट एप के जरिए पहली बार स्टोन उद्योग को ई-स्टॉल, डिजिटल मार्केटप्लेस, नेटवर्किंग, इवेंट अपडेट्स और एआई-सक्षम सर्च जैसी उन्नत सुविधाएँ एक ही प्लेटफॉर्म पर मिलेंगी। यह ऐप प्रदर्शकों, खरीदारों और उद्योग से जुड़े सभी हितधारकों के लिए व्यापार, संवाद और सहयोग को सरल और प्रभावी बनाएगा। लॉन्च कार्यक्रम में स्टोनमार्ट के संयोजक नटवर अजमेरा, लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय सह महामंत्री नरेश पारीक, राष्ट्रीय सचिव अंजू सिंह और पूर्व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष योगेश गौतम सहित स्टोन उद्योग के प्रमुख प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने इस डिजिटल पहल को स्टोन उद्योग के भविष्य के लिए एक निर्णायक कदम बताया।

इंडिया स्टोनमार्ट ऐप के माध्यम से डिजिटल ई-स्टॉल और एआई-आधारित सर्च तकनीक स्टोन कारोबार के पारंपरिक तरीकों में बदलाव लाएगी और वैश्विक खरीदारों से सीधे जुड़ाव का अवसर प्रदान करेगी। यह प्लेटफॉर्म न केवल व्यापारिक गतिविधियों को गति देगा, बल्कि भारतीय स्टोन उद्योग को अंतरराष्ट्रीय बाजार में और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाएगा।

स्टोन मार्ट इंडिया 2026 एक चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी है, जिसका आयोजन 5 से 8 फरवरी तक जयपुर स्थित जयपुर एग्ज़िबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर सीतापुरा में प्रस्तावित है। यह आयोजन प्राकृतिक पत्थरों (मार्बल, ग्रेनाइट, सैंडस्टोन, लाइमस्टोन), माइनिंग, प्रोसेसिंग मशीनरी, टूल्स और स्टोन आर्ट से जुड़े उद्योगों को एक साझा मंच प्रदान करेगा। राजस्थान देश का अग्रणी स्टोन उत्पादक राज्य है और लाखों लोगों की आजीविका इस उद्योग से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ी हुई है। इंडिया स्टोनमार्ट 2026 के माध्यम से राजस्थान के स्टोन उद्योग, एमएसएमई सेक्टर, कारीगरों और निर्यातकों को वैश्विक खरीदारों एवं निवेशकों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। आयोजन समिति के अनुसार, यह आयोजन 'वोकल फॉर लोकल', 'मेक इन इंडिया' और राजस्थान के औद्योगिक विकास को नई गति देगा।

सर्वदलीय बैठक में सदन शांतिपूर्वक, नियम-परंपराओं से चलाने पर सहमति

सदन और आसन की गरिमा बनाये रखें : वासुदेव देवनानी

जयपुर (विसं)। 16वीं राजस्थान विधान सभा के पंचम सत्र की बैठक बुधवार से प्रारम्भ होगी। इससे पहले मंगलवार को स्पीकर वासुदेव देवनानी की अध्यक्षता में विधानसभा में सर्वदलीय बैठक हुई। जहां सदन शांतिपूर्वक चलने और सभी सदस्यों द्वारा सम्मानजनक व गरिमा बनाये रखने वाले शब्दों का उपयोग किये जाने पर सहमति जताई गई। पक्ष और प्रतिपक्ष दोनों ने अध्यक्ष को आश्वस्त किया कि पक्ष व प्रतिपक्ष के सदस्य सदन में मर्यादापूर्ण व्यवहार से अपनी बात रखेंगे।

विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी की अध्यक्षता में मंगलवार को सर्वदलीय बैठक आयोजित की गई।

वासुदेव देवनानी ने कहा कि सदन में सार्थक चर्चा होनी चाहिए। सभी सदस्यों को बोलने का मौका मिलेगा। सदन और आसन की गरिमा सभी सदस्य बनाये रखें। सभी दलों के सभी सदस्य सकारात्मक सोच के साथ सदन को चलाए। सदन को चलाने की जिम्मेदारी सभी सदस्यों की है। जनहित के मुद्दों पर सार्थक चर्चा होगी। इसके लिए यदि सदन को देर तक चलाने की आवश्यकता होगी तो सदन को देर तक चलाया जायेगा।

देवनानी ने कहा कि समस्याओं का हल बातचीत से होता है। सदन में समस्याओं के निस्तारण का प्रयास होगा। यहां पर सदस्यों की बार्ता को गम्भीरता से लिया जायेगा, उनके द्वारा उठाई गई समस्याओं का निस्तारण भी कराया जायेगा। देवनानी ने सभी दलों से अपील की है कि सदन में गरिमा में रहकर मुद्दे उठायें जाए। सभी सदस्य सदन में मर्यादा में रहकर अपनी बात रखें।

देवनानी ने कहा कि पिछले सत्रों के 96 प्रतिशत प्रश्नों के जवाब राजस्थान विधानसभा को प्राप्त हो गये है। आगे भी समय पर प्रश्नों के जवाब मंगाये जाएंगे। इसके लिए अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जायेगी। सदन में समितियों की रिपोर्ट समय पर मंगायी जायेगी। सदन का प्रश्न और शून्यकाल महत्वपूर्ण होता है। इन दोनों समय में किसी प्रकार का व्यवधान नहीं होना चाहिए इसके लिए सभी दलों को मंथन करना होगा। उन्होंने बैठक में उपस्थित होने वाले पक्ष व प्रतिपक्ष के नेतागण का आभार ज्ञापित किया। बैठक में सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, प्रतिपक्ष के मुख्य सचेतक रफीक खान, मनोज कुमार, डॉ. सुभाष गर्ग और थावरचन्द मौजूद थे।

नवीन युवा नीति से नेतृत्वकर्ता व जिम्मेदार नागरिक बनेंगे युवा

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का मानना है कि युवा प्रदेश के भविष्य निर्माता हैं, वे राज्य की आबादी का प्रमुख हिस्सा होने के साथ ही सबसे बड़ी शक्ति भी है। ऐसे में राज्य सरकार जनसंख्या और बदलती परिस्थितियों को देखते हुए पूर्व में लागू युवा नीति में नवीन प्रावधान करते हुए राजस्थान युवा नीति 2026 लेकर आई है।

इस नवीन नीति का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नेतृत्वकर्ता और जिम्मेदार नागरिक के रूप में तैयार करना है। इस नीति के माध्यम से युवाओं को आगे बढ़ने के अवसर प्रदान कर उन्हें आर्थिक प्रगति और सामाजिक परिवर्तन में सक्रिय भागीदार बनाया जाएगा। नीति में युवाओं का कौशल विकास कर रोजगार प्रदान करने के साथ ही उनके सर्वांगीण विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया है। युवाओं की पहुंच गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक बढ़ाने, उन्हें करियर परामर्श और उचित मार्गदर्शन देने के लिए नई नीति में विस्तृत प्रावधान किए गए है। उन्हें भविष्य के लिए तैयार करने के लिए कौशल आधारित शिक्षा को बढ़ावा देकर समावेशी शिक्षा मॉडल लागू किया जाएगा।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी नवीन तकनीकों को प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में शामिल कर उन्हें बदलते दौर के अनुरूप तैयार किया जाएगा। नीति के इस भाग में रोजगार और कौशल को बढ़ावा देने के साथ ही युवाओं में उद्यिमता को बढ़ावा देने की बात कही गई है।

■ मुख्यमंत्री भजनलाल के नेतृत्व में राज्य सरकार युवाओं का सर्वांगीण विकास कर रही सुनिश्चित

मुख्यमंत्री का मानना है कि युवा रोजगार हासिल करने के साथ ही रोजगार प्रदाता भी बनें। इसके साथ ही गिग और असंगठित क्षेत्रों में लगे युवाओं के विकास का मार्ग भी प्रशस्त हो। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशा के अनुरूप इस नीति के माध्यम से यह प्रयास किया गया है कि हमारे युवा हमारी सांस्कृतिक विरासत, साहित्य और संस्कृति से पूरी तरह जुड़ाव बनाएं। इसी भावना के साथ युवा कलाकारों और नवोदित प्रतिभाओं को प्रोत्साहन दिया जाएगा तथा सांस्कृतिक उत्सवों व स्थानीय भाषा साहित्य को इस नीति के माध्यम से बढ़ावा दिया जाएगा। नवीन युवा नीति में एक मजबूत तीन-स्तरीय संस्थागत तंत्र विकसित करने पर जोर दिया गया है जिसमें खेल एवं युवा मामलात मंत्री के नेतृत्व में उच्च-स्तरीय समिति गठित होगी। इसके अतिरिक्त राज्य स्तरीय टास्क फोर्स और कोर कमेटी का भी गठन किया जाएगा।

पुलिस मुख्यालय में 45 अधिकारी और कर्मचारी सम्मानित

जयपुर। गणतंत्र दिवस पर सोमवार को पुलिस मुख्यालय में डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। सलामी गार्ड द्वारा सलामी दी गई। इस मौके पर उत्कृष्ट काम करने वाले 45 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को डीजीपी शर्मा ने सम्मानित किया।

डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने डीआईजी मनोज कुमार और शंकर दत्त शर्मा को अति उत्कृष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया। एडीजी बिपिन कुमार पांडेय को उत्कृष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया। जबकि एडीजी एस. सेंगथिर, एडीजी लता मनोज कुमार, एडीजी प्रफुल्ल कुमार, आईजी विकास कुमार, आईजी अजयपाल लांबा, अंशुमन भोमिया, राहुल प्रकाश, अनिल कुमार टाक, डीआईजी अजय सिंह, प्रदीप मोहन शर्मा, दीपक भार्गव, विकास शर्मा, आनंद शर्मा, राशि डोगरा डूडी, वित्तीय सलाहकार डॉ. प्रीति शर्मा, एसपी हर्षवर्धन अग्रवाला, राजर्षि राज, ज्येष्ठा मैत्रेयी, एएसपी मनस्वी चौधरी और सुनीता मीणा को डीजीपी डिस्क से सम्मानित किया गया।

सार-समाचार

एयरपोर्ट पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया

जयपुर। 77 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा जयपुर एयरपोर्ट के आई क्लास कार्गो कॉम्प्लेक्स के प्रांगण में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मेजर जनरल अनुपम अग्रवाल थे एवं जयपुर एयरपोर्ट अधिकारी चरण सिंह, डी. के. गौतम, सेवा निवृत्त क्षेत्रीय कार्यपालक निदेशक इमिग्रेशन, कस्टम्स, सहित कई गणमान्य नागरिक व स्टाफ उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस पर पिता-पुत्र को मिला सम्मान

जयपुर। गणतंत्र दिवस पर इस बार वन विभाग में एक प्रेरणादायक और गौरवपूर्ण संयोग देखने को मिला। जब एक ही विभाग में कार्यरत पिता और पुत्र को उनके उत्कृष्ट एवं उल्लेखनीय कार्यों के लिए अलग-अलग स्तर पर सम्मानित किया गया। वन विभाग में कार्यरत वरिष्ठ निजी सचिव अशोक कुमार शर्मा को राज्य स्तर पर उत्कृष्ट कार्यों के लिए श्रीमान पी.के.उपाध्यक्ष, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन बल प्रमुख) राजस्थान द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। वही उनके पुत्र मनमोहन शर्मा सहायक लेखा अधिकारी कार्यालय उप वन संरक्षक जयपुर (उत्तर) को संभाग स्तर पर आर.के.खैरवा मुख्य वन संरक्षक संभाग जयपुर द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

जयपुर आर्ट वीक का शुभारंभ हुआ

जयपुर। जयपुर आर्ट वीक के पांचवें संस्करण का मंगलवार सुबह भव्य आरम्भ के साथ ही गुलाबी नगरी जयपुर समकालीन कला के एक जीवंत मंच में बदल गई। पब्लिक आर्ट्स ट्रस्ट ऑफ इंडिया (पाटी) की ओर से आयोजित इस सात दिवसीय कला महोत्सव के पहले दिन शहर के विभिन्न सार्वजनिक और सांस्कृतिक स्थलों पर कलाकारों, क्यूरेटरों, कला प्रेमियों और आम जनता की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। पहले दिन की शुरुआत सेंट्रल पार्क में आयोजित कलाकार वॉकथ्रू से हुई, जहां तीन प्रमुख सार्वजनिक कला कृतियों को शोकेस किया गया। इस दौरान अतिथियों में अमीन जाफ़र, जोआना शेवलियर, सना रेज़वान, रिज़वान रज़ाक, अलमास रेज़वान, रुचिरा दास, सुमीर टैगड़ा, जितेन थुकराल, जय दानानी ने आर्टिस्ट्स का प्रोत्साहन बढ़ाया। गीगी स्कारिया की कृति 'ऐज़सेंड टुवर्ड्स द अननोन' तकनीकी प्रगति और उससे जुड़े नैतिक प्रश्नों पर केंद्रित रही। पूजन गुप्ता की 'ए सैक्रेड वॉक' दवाइयों के ब्लिस्टर पैक से निर्मित एक इंस्टॉलेशन प्रस्तुत किया। वहीं मोहम्मद इंतियाज़ की 'दर-बदर 2.0' श्रम, सामग्री और स्मृति के माध्यम से व्यक्तिगत और सामूहिक अनुभवों को जोड़ती है।

'समानता के नियम का विरोध क्यों?'

जयपुर। एआईसीसी के ओबीसी कांग्रेस कांग्रेस नेता एवं सदस्य ओबीसी एडवाईजरी काउंसिल राजेन्द्र सेन बताया यूजीसी ने 13 जनवरी को एक नया रेगुलेशन "प्रमोशन ऑफ इक्वेलिटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन्स रेगुलेशंस-2026 जारी किया है। यानी उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने के नियम। इसका उद्देश्य विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में जातिगत भेदभाव को रोकना, एससी-एसटी, ओबीसी, अन्य पिछड़े समूह और अल्पसंख्यकों के साथ होने वाली शिकायतों पर निगरानी और समाधान सुनिश्चित करना, समान अवसर और सुरक्षित माहौल बनाना है। जब सुप्रीम कोर्ट, सरकार, केंद्रीय शिक्षा मंत्री और यूजीसी ने कहा है कि यह नियम भेदभाव रोकने और समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए ज़रूरी है। जब ईडब्लूएस आरक्षण सामान्य वर्ग के लिए लागू किया था तो अन्य वर्गों ने उसका विरोध नहीं किया था तो अब उन्हें भी इसका विरोध नहीं करना चाहिए।

पीडीकेएफ आर्टिजंस कलेक्टिव संपान

जयपुर। प्रिंसेस दीया कुमारी फाउंडेशन (पीडीकेएफ) द्वारा आयोजित पीडीकेएफ आर्टिजंस कलेक्टिव के दूसरे संस्करण के समापन दिन पर सिटी पैलेस में "यूथ एज एजेंट्स ऑफ चेंज: एक्टिविज़्म, एडवोकेसी और क्राफ्ट" विषय पर एक विचारोत्तेजक पैनल चर्चा का आयोजन किया गया। इस सेशन में डिजिटल क्रिएटर, लेखिका और ग्लोबल एडवोकेट प्राजक्ता कोली ने टेक्सटाइल डिज़ाइनर और क्रिएटिव कंसल्टेंट रोसन्ना फाल्कनर के साथ संवाद किया। चर्चा में इस बात पर ज़ोर दिया गया कि युवाओं में कम होती ध्यान देने की क्षमता कोई कमी नहीं, बल्कि स्पष्टता और उद्देश्य के साथ सार्थक विचारों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने का एक अवसर है। सत्र के दौरान इस बात पर चर्चा हुई कि सरल, स्पष्ट स्टोरीटेलिंग और संक्षिप्त डिजिटल फ़ॉर्मेट किस तरह कारीगरों की कहानियों को युवा दर्शकों से प्रामाणिक और सहज रूप में जोड़ सकते है। गौरतलब है कि पीडीकेएफ आर्टिज़न कलेक्टिव की संकल्पना जयपुर की प्रिंसेस गौरवी कुमारी ने की। यह कलेक्टिव एशियन एनर्जी सर्विसेज़ एवं ऑयलमैक्स द्वारा प्रजेंटेड और सहज द्वारा प्रायोजित था।

विधानसभा शुरू होने से पहले ही कांग्रेस और भाजपा में जुबानी जंग

जयपुर (विसं)। राजस्थान विधानसभा के बजट सत्र शुरू होने से पहले मंगलवार को आयोजित सर्वदलीय बैठक में कांग्रेस-भाजपा नेताओं के बीच सियासी बयानबाजी और तकरार ने राजनीतिक सरगर्मियां बढ़ा दी है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के शीर्ष नेताओं की बैठक में अनुपस्थिति ने राजनीतिक कटाक्षों को और बढ़ावा दिया। बैठक के बाद नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल के बीच तीखे आरोप-प्रत्यारोप सामने आए। विपक्ष ने मुख्यमंत्री की अनुपस्थिति को सरकार की गंभीरता की कमी बताया, जबकि सत्ता पक्ष ने कांग्रेस नेतृत्व पर गैर-जिम्मेदाराना रवैया अपनाने का आरोप लगाया। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए बैठक में मुख्यमंत्री की अनुपस्थिति पर सवाल उठाते हुए चिंता जताई। जिसके जवाब में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम में व्यस्त थे, लेकिन क्या कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के लिए सर्वदलीय बैठक से अधिक एक हीरोइन के कार्यक्रम में शामिल होना अधिक महत्वपूर्ण था, जिससे वे इस बैठक में नहीं आए।

सांभर झील क्षेत्र में बिना अनुमति सोलर प्लांट के लिए एमओयू पर प्रसंज्ञान लिया

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट सांभर झील क्षेत्र में सोलर प्लांट के लिए एमओयू करने और इसकी जानकारी अदालत में नहीं देने को अवमानना की श्रेणी में माना है। इसके साथ ही अदालत ने हिंदुस्तान सॉल्ट्स के एमडी कमलेश कुमार, एसजेवीएन ग्रीन एनर्जी के सीईओ अजय कुमार सिंह और सांभर सॉल्ट के नए सीईओ हर्ष वर्मा के खिलाफ स्वप्रेरणा से अवमानना का प्रसंज्ञान लिया है। अदालत ने इन अफसरों को 11 फरवरी को पेश होकर बताने को कहा है कि क्यों ना उन्हें अदालती आदेश की अवमानना के लिए दंडित किया जाए। एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस संगीता शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश दिनेश कुमावत व मामले में लिए गए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान याचिका पर संयुक्त रूप से सुनवाई करते हुए दिए।

■ राजस्थान हाईकोर्ट ने अवमानना मानकर अफसरों को किया तलब

सुनवाई के दौरान न्यायमित्र वरिष्ठ अधिवक्ता आरबी माथुर ने अदालत को बताया कि अदालत ने सांभर झील में सोलर प्लांट लगाने पर अंतरिम रोक लगा रखी है। हाल ही में पेश दिनेश कुमावत की जनहित याचिका में कहा गया है कि मौके पर जेसीबी, ट्रक, निर्माण सामग्री और मशीन मौजूद है। ऐसे में यहां पक्का निर्माण की कोशिश की जा रही है। ऐसे में हाईकोर्ट ने गत 17 दिसंबर को स्थानीय थानाधिकारी व एसपी को निर्देश दिए थे कि वह इन सामानों को हटाकर रिपोर्ट पेश करे। इसके बावजूद हिंदुस्तान सॉल्टस लि. ने भारत सरकार की कंपनी की सहायक कंपनी एसजेवीएन ग्रीन एनर्जी के साथ एक एमओयू किया है। इसके तहत यहां चरणबद्ध तरीके से सोलर प्लांट लगाकर उसका संचालन व रखरखाव किया जाएगा। अदालत के सामने आया कि कंपनी के एमडी कमलेश कुमार ने सीईओ अजय कुमार सिंह ने जरिए यह एमओयू किया है। इस पर अदालत इसे अवमानना मानते हुए अफसरों को व्यक्तिगत रूप से पेश होने के आदेश दिए हैं।

बैंकों की राष्ट्रव्यापी हड़ताल को राजस्थान में मिला समर्थन, 11 हजार करोड़ रु. का कारोबार प्रभावित

12 हजार अधिकारी-कर्मचारी हड़ताल पर रहे, नतीजन 9 हजार से ज्यादा शाखाएं बंद रही

जयपुर। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के आव्हान पर मंगलवार को देशभर में बैंकों की हड़ताल रही। इस हड़ताल में करीब 8 लाख बैंक कर्मचारी व अधिकारी शामिल रहे। हड़ताल में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, निजी बैंक, विदेशी बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक और सहकारी बैंकों के कर्मचारी-अधिकारी शामिल रहे। बैंक यूनियन्स ने मांग उठाई कि बैंकिंग उद्योग में 5 दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करके शनिवार-रविवार का अवकाश घोषित जाए। फिलहाल दूसरे व चौथे शनिवार को अवकाश रहता है।

जयपुर में हड़ताली बैंककर्मियों ने अंबेडकर सर्किल स्थित एल.आई.सी. बिल्डिंग में यूनियन बैंक के बाहर प्रदर्शन किया।

बताया जा रहा है कि आईबीए और यूएफबीयू के बीच 7 दिसंबर 2023 को हुए समझौते तथा 8 मार्च 2024 के सेटलमेंट/संयुक्त नोट के अनुसार सरकार को अनुशंसा के रूप में भेजी जा चुकी है, किंतु पिछले दो वर्षों से यह प्रस्ताव सरकार की स्वीकृति के अभाव में लंबित है। बताया जा रहा है कि मुख्य श्रम आयुक्त द्वारा 22 एवं 23 जनवरी को दिल्ली में सुलह बैठक बुलाई गई, जिसमें वित्त मंत्रालय के अधिकारी उपस्थित हुए, लेकिन कोई सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया। जिसके परिणामस्वरूप मंगलवार को हड़ताल की गई।

■ बैंकिंग सेक्टर में सप्ताह में शनिवार और रविवार का अवकाश घोषित करने की मांग

यूएफबीयू के संयोजक महेश मिश्रा ने बताया कि जयपुर में हड़ताली बैंककर्मियों का विशाल प्रदर्शन यूनियन बैंक, एल.आई.सी. बिल्डिंग, अम्बेडकर सर्किल पर किया गया। जहां करीब 5000 बैंक कर्मचारी एवं अधिकारी शामिल हुए। प्रदेश में बीकानेर, कोटा, जोधपुर, उदयपुर, अजमेर, हनुमानगढ़, गंगानगर और अजमेर में भी यह प्रदर्शन हुए।

मिश्रा ने बताया कि राजस्थान में सार्वजनिक, ग्रामीण, सहकारी, निजी और विदेशी बैंकों के 12 हजार कार्मिक हड़ताल पर रहे, नतीजन 9000 बैंक शाखाएं बंद रही, इससे 11 हजार करोड़ रु. का कारोबार प्रभावित हुआ। हड़ताली बैंक कर्मियों को कर्मचारी नेता आर.जी. शर्मा, सूरज भान सिंह आमेरा, महेश शर्मा, विनील, रविकांत शर्मा, सक्सेना, बसंत जम्मड, जी.एन.पारीक, रवि दीप चतुर्वेदी, एम.एस. भेटजा, राहुल पांडे ने संबोधित किया। इस मौके पर रामावतार जाखड़, राजेश जैन, महेश शर्मा, अशोक मीणा, सन्नी चौधरी, महेश मीणा, नरेश शर्मा, लोकेश मिश्रा मौजूद रहे।

नकली सोना बेचने के बहाने ठगने वाले 3 बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। खोरा बीसल पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नकली सोना दिखाकर ठगी करने वाली गैंग का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिसमें एक महिला शामिल है। पुलिस ने आरोपियों के पास से करीब 2 किलो नकली सोना, चांदी जैसी धातु का एक सिक्का, एक मोबाइल फोन और 2 हजार रुपए नकद बरामद किए गए हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी लोगों को जमीन में गड़ा खजाना मिलने की झूठी कहानी सुना कर लाखों रुपये की ठगी करते थे।

पुलिस उपायुक्त हनुमान प्रसाद मीणा ने बताया कि खोरा बीसल पुलिस ने नकली सोना दिखाकर ठगी करने वाली गैंग के शातिर बदमाश मालसिंह (58) निवासी झांसी (उत्तर प्रदेश), सूरज सोलंकी (29) निवासी सिकंदरा आगरा (उत्तर प्रदेश) और शांति देवी (35) कानपुर (उत्तर प्रदेश)गिरफ्तार किया गया है। जो जयपुर में खानाबदोश रेलवे स्टेशन के आसपास रहते है। पुलिस जांच में सामने आया है कि यह गैंग अक्सर शराब के ठेकों के आसपास घूम कर ऐसे लोगों को निशाना बनाता था। जो आसानी से लालच में आ सकते थे।

ARBiT
it happens here...

Cutting Carbon for a Sustainable Future

International Reducing CO? Emissions Day highlights the urgent need to cut carbon dioxide emissions to combat climate change and protect the planet for future generations. Observed globally, the day draws attention to the harmful effects of excessive fossil fuel use, deforestation and industrial pollution on rising temperatures, extreme weather and public health. It encourages governments, industries and individuals to adopt cleaner energy sources, improve energy efficiency and support sustainable lifestyles. Simple actions such as using public transport, conserving electricity and reducing waste can make a difference. The day serves as a reminder that collective action is essential to build a greener, more climate-resilient world.

राष्ट्रदूत
WEDNESDAY
28 January 2026
A-B

#GEORGES SEURAT

Bathers at Asnieres

So, the question is why is Seurat doing this? Why does he drain visible signs of life and sensory awareness from his figures?

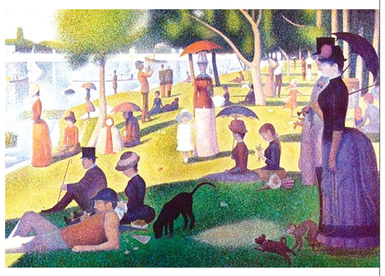

What is it exactly that feels strange about the figures in this canvas? Because they look weird. Behind me is one of the great monuments of modern painting, Bathers at Asnieres by Georges Seurat. Although there is nothing so remarkable about this tranquil scene and although this canvas is already probably extremely familiar for many who encounter it here in the National Gallery as this icon of modern life painting in the 19th century, something about the Bathers is still unsettling to viewers after nearly 150 years.

Seurat makes his figures so visually prominent but he also takes something essential away. Look at Monet's figures on the bridge. Even rendered with just a few loose strokes, they seem to lean towards one another as if communicating. The figures in the water raise their hands to splash. The sense of aliveness we get there is precisely what Seurat doesn't give us. Their bodies have a waxy, almost marble-like solidity. They are not rendered in fluid brushstrokes. They have this polished surface of paint with lots of lead white in it.

The absence of vitality in these marble-like figures is all the more striking because they confront us at human scale. People often describe Seurat's works as silent. I think it is because of the visible absence of oral communication taking place in his works. The boy whistling into the void off the edge of the canvas calls attention to this. He calls out, and there is no visible response. So, the question is why is Seurat doing this? Why does he drain visible signs of life and sensory awareness from his figures?

One answer historians often give is that this is a social commentary. Seurat's way of treating figures has often been associated with alienation in modern society of people, and especially working people, becoming deadened cogs in a vast machine. Seurat's Bathers are seen from the widest possible historical scope of the deep ancient history of humankind and its evolution into the industrial present day.

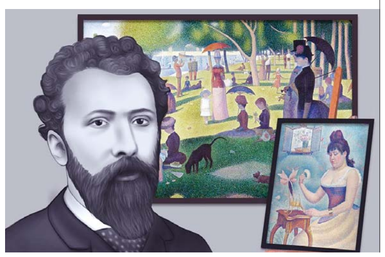

You Want Some Cold? Right Here In India?

Spiti Valley translates to 'the middle land' because it sits between Tibet and India. In winter, it becomes one of India's most isolated regions. Temperatures drop to -20°C to -30°C. Snow blankets everything. Roads close. The handful of tourists who visit in summer disappear. What remains is raw, untouched beauty and a handful of hardy souls who call this frozen desert home.

frozen Zanskar River.

Snow clearance near Rohtang pass.

#TRAVEL

Dras.

Frozen Pangong Tso.

Jal Khambatta

Most Indians think snow trekking means heading to Switzerland or Norway. But here's the truth: some of the world's most challenging and beautiful snow treks are right here in India. We're talking about places where temperatures drop to -30°C, where frozen rivers become trekking routes, where the air is so thin that you have to consciously remind yourself to breathe.

These aren't your usual hill stations with a light dusting of snow. These are serious cold-weather destinations where winter changes everything, where the landscape transforms into a white wilderness, and where adventure takes on a whole new meaning.

Spiti Valley in Himachal Pradesh, Leh-Ladakh, and Dras aren't just cold. They're sub-zero playgrounds for trekkers who want something beyond the ordinary. The frozen Zanskar River, snow-covered monasteries perched on cliffs, villages where life slows to a crawl in winter, these places offer experiences you can't replicate anywhere else.

This isn't about ticking destinations off a list. It's about testing yourself against nature, experiencing silence so profound that it feels sacred, and understanding what 'cold' really means.

Let's dive deep into these three towns, how to reach them, what to do, and most importantly, the snow treks that make them legendary.

3 Indian Towns With Sub-Zero Temperatures For Snow Treks

Complete guide to snow trekking in India's sub-zero towns isn't a casual holiday. It's a test. Of endurance, preparation, and your ability to handle discomfort. But it's also transformative.

Spiti Valley, Himachal Pradesh: The Middle Land Frozen in Time

Why Spiti in Winter?

Spiti Valley translates to 'the middle land' because it sits between Tibet and India. In winter, it becomes one of India's most isolated regions. Temperatures drop to -20°C to -30°C. Snow blankets everything. Roads close. The handful of tourists who visit in summer disappear. What remains is raw, untouched beauty and a handful of hardy souls who call this frozen desert home.

How to Get There

The Manali-Spiti route closes in winter due to heavy snowfall at Kunzum Pass and Rohtang Pass. Your only option is via Shimla-Kinnaur route through Rekong Peo. Here's the breakdown.

- **By Air:** Fly to Chandigarh or Delhi, then take a bus/taxi to Shimla (7-8 hours from Chandigarh).
- **By Road:** From Shimla, take a shared taxi or bus to Rekong Peo (235 km, 8-10 hours). Stay overnight to acclimatise. From Peo, continue to Kaza via Nako and Tabo (200 km, 10-12 hours depending on road conditions).
- **Important:** Carry multiple layers, thermals, waterproof jackets, and plenty of cash. ATMs in Kaza may not work.

Key Monastery: One of the oldest and largest monasteries in Spiti, perched dramatically on a hill. In winter, reaching it through snow is an adventure in itself. The monastery looks surreal covered in white, with prayer flags frozen stiff in the wind.

Kibber Village: At 4,270 metres, Kibber is one of the highest motorable villages in the world. Winter here is intense. The village gets cut off for months. But the experience of seeing life at this altitude in these conditions is unforgettable.

Why Leh-Ladakh in Winter?

Leh in winter is a different beast. Temperatures range from -11°C to -30°C. Pangong Tso freezes completely. The Zanskar River turns into the Chadar, a sheet of ice you can walk on. This is when Ladakh reveals its most extreme, most beautiful self.

How to Get There

- **By Air:** The most practical option. Kushok Bakula Rimpochee Airport connects Leh to Delhi, Mumbai, Srinagar, and Chandigarh with daily flights. From the airport, Leh city is 3 kms away.
- **By Road (Winter):** The Manali-Leh route closes in October and reopens in May/June. The Srinagar-Leh route via Zoji La stays open but is unpredictable due to snowfall. Roads get blocked frequently. Not recommended unless you're experienced and have buffer days.

Leh Town: Explore Leh Palace, Shanti Stupa, local markets. The town feels quieter in winter. Shops close early. But the clear skies and snow-covered mountains make it magical.

Frozen Pangong Tso: The lake that's blue and liquid in summer turns into a white, frozen expanse in winter. You can walk on it (carefully). The experience of standing on a frozen lake at 4,350 metres with nothing but white around you is surreal.

Dras, Jammu and Kashmir: India's Coldest Inhabited Place

Dras holds the title of India's coldest inhabited town. Winter temperatures drop to -40°C to -50°C. It's called the 'Gateway to Ladakh' and sits at 3,280 metres. Dras experiences some of the harshest winters on the planet.

How to Get There

- **By Air:** Fly to Srinagar. From Srinagar, Dras is 140 km (4-5 hours by road).
- **By Road:** The Srinagar-Leh highway passes through Dras. In winter, the road is open but frequently blocked by snow at Zoji La (11,575 feet). BRO clears snow quickly, but delays are common. Always have buffer days.

Dras doesn't have established trekking routes like Spiti or Ladakh. The extreme cold makes long treks risky. However, short snow walks around the town, exploring frozen streams, and experiencing village life in -40°C is the real trek here. Walking through Dras in winter when everything is frozen solid, when your breath freezes in the air, when locals bundle in layers you didn't know existed, that's the experience.

Chadar Trek (Frozen Zanskar River)

Difficulty: Extremely Difficult
Duration: 8-9 days
Altitude: 3,200-3,500 metres
Details: This is India's most famous winter trek. The Zanskar River freezes, and you walk 105 km on ice. The ice thickness varies. Sometimes, you walk on solid sheets. Sometimes, you hear cracks beneath your feet. Temperatures drop to -25°C to -35°C. You camp in caves. Your water bottle freezes overnight. But the experience of walking through a frozen gorge with 600-foot cliffs on either side is incomparable. Only for those in excellent physical condition. Book through registered operators only.

Markha Valley Winter Trek

Difficulty: Moderate to Difficult
Duration: 7-8 days
Altitude: 3,300-5,200 metres
Details: Usually a summer trek, Markha Valley in winter is for serious trekkers. Snow covers the entire trail. You cross frozen streams, walk through villages where families huddle around bukhari stoves, and climb Kongmaru La at 5,200 metres. The pass in winter is brutal. Wind, snow, altitude. But the views of snow-covered Kang Yatse and Stok Kangri peaks are stunning.

Stok Kangri Winter Expedition

Difficulty: Extremely Difficult (Mountaineering)
Duration: 10-12 days
Altitude: 6,153 metres
Details: Stok Kangri is a popular summer trek. In winter, it becomes a mountaineering expedition. Deep snow, avalanche risk, extreme cold. You need technical gear, ropes, ice axes. Success rate is low. But for mountaineers, summiting Stok in winter is a badge of honour.

Happy freezing out.

rajeshsharma1049@gmail.com

Leh Ladakh.

kunzum pass.

#BEAUTY EMPIRE

The Rise Of Estée Lauder

In 1946, at the age of 38, she founded Estée Lauder Inc., with her first product, the Super Rich All Purpose Crème

Estée Lauder's rise from humble beginnings to becoming a global beauty mogul is a story of perseverance, innovation, and self-belief. Born Josephine Esther Mentzer on July 1, 1908, in Queens, New York, she came from a modest, immigrant family. Early on, Estée developed an interest in beauty, inspired by her mother's homemade skincare treatments and her grandfather, a chemist. Despite these early influences, Estée faced numerous challenges and was often rejected by established beauty companies. Undeterred, she set out to build her own brand, ultimately creating one of the most successful cosmetics empires in the world.

Struggling for Acceptance in the Beauty Industry

After studying beauty and skincare, Estée tried to break into the professional beauty world. However, she encountered resistance at every turn. Despite her talent for creating quality skincare products, established beauty brands and companies were uninterested in her ideas. Estée's struggles were compounded by the fact that, at the time, the beauty industry was dominated by large, established companies that were reluctant to accept a newcomer.

Rather than giving up, Estée Lauder took matters into her own hands. Instead of waiting for permission, she decided to create her own company. In 1946, at the age of 38, she founded Estée Lauder Inc., with her first product, the Super Rich All Purpose Creme. She was determined to carve a space for herself in an industry that had rejected her.

The Personal Touch: Selling Directly to Customers

What set Estée Lauder apart from other entrepreneurs was her hands-on approach to sales. Recognizing that her products wouldn't gain traction through traditional advertising alone, she went directly to the customers. Estée didn't just sell her skincare line through stores, she personally demonstrated her products to women at beauty salons and department stores. She was involved in every aspect of the business, ensuring that her products not only met high standards but were also paired with outstanding customer service.

Her first breakthrough came when she was able to sell her products in department stores, starting with Saks Fifth Avenue in New York in the early 1950s. She showed women how to use her products and gained loyal customers who appreciated her dedication and the quality of her offerings.

Revolutionizing Beauty with Free Samples and Innovation

Estée Lauder also revolutionized the way products were marketed. Instead of relying on traditional advertising, she offered free samples, allowing women to try her products before they bought them. This was a risky move at the time, but it paid off. Women who had the chance to try the products became lifelong customers, and word-of-mouth helped spread the brand's reputation.

Building an Empire

As her business grew, Estée Lauder didn't stop innovating. She expanded her product line to include new skincare items, makeup, and fragrances. By the 1960s, she began to expand internationally, bringing her brand to Europe and other markets.

A Legacy of Resilience and Innovation

Despite being rejected and dismissed by the beauty industry in her early days, Estée Lauder's determination and vision transformed her into a pioneering figure in cosmetics. By the time of her death in 2004, her company was a multi-billion-dollar enterprise, with products sold in over 150 countries. Estée Lauder's legacy is not just about the products she created, but about her resilience in the face of rejection. She believed in herself when others didn't, and by doing so, she created a brand that would become synonymous with luxury, quality, and innovation. Today, the Estée Lauder Companies remain a powerful force in the beauty industry, a testament to one woman's relentless pursuit of her dreams against all odds.

THE WALL

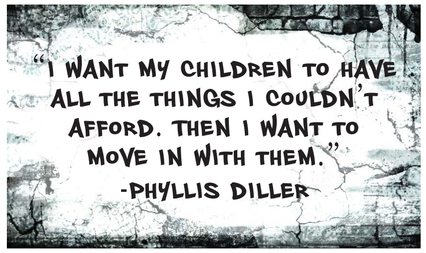

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

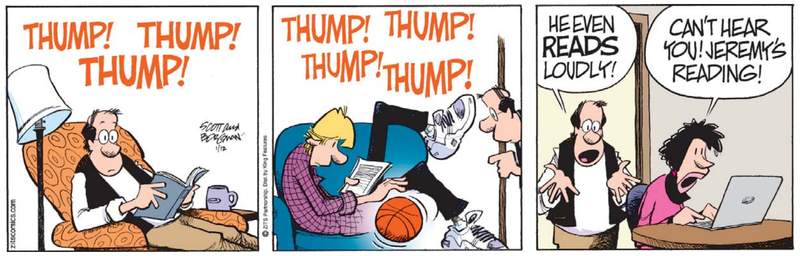

बीकानेर में सास-बहू को तीन दिन डिजिटल अरेस्ट रखकर 48 लाख रुपये ठगे

महिलाओं ने बैंक जाकर एफडी तुड़वाई और 48 लाख रुपए ठगों को दिए

बीकानेर, (निसं)। यहां एक बुजुर्ग सहित दो महिलाओं को तीन दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखकर 48 लाख रुपए की ठगी की वरदात सामने आई है। दोनों महिलाओं को तीन दिन तक ठगों ने टॉर्चर किया, इसके बाद 48 लाख रुपए ट्रांसफर करवा लिये। मामला शहर के करण नगर क्षेत्र का है। इन महिलाओं को 21, 22 और 23 जनवरी तक घर में डिजिटल अरेस्ट रखा गया। ठगों ने खुद को एनआईए का अधिकारी बताया और ठगी की।

सायबर थाना प्रभारी रमेश सर्वटा ने बताया कि करणी नगर में दो महिलाओं को घर में ही डिजिटल अरेस्ट कर 48 लाख रुपए की सायबर ठगी की गई। सास-बहू को 21, 22, 23 जनवरी को घर में ही डिजिटल अरेस्ट रखा गया। इस दौरान आरोपी ने सुप्रीम कोर्ट के फर्जी ऑर्डर और अरेस्ट वारंट व्हाट्सएप पर भेजे। उन्हें तीन दिन तक अलग-अलग नंबरों से कॉल करके मानसिक प्रताड़ना देता रहा। वीडियो कॉल कर ऑफिस दिखाया, जिसमें दीवार पर एनआईए का लोगो लगा था। तीन-चार अन्य लोग भी खड़े नजर आए। यह देख दोनों

- **महिलाओं को 21, 22 और 23 जनवरी तक घर में डिजिटल अरेस्ट रखा गया, ठगों ने खुद को एनआईए का अधिकारी बताया और ठगी की**

इस कदर डर गए कि घर में शिखा के दोनों बच्चों तक को कमरे में नहीं आने दिया। आरोपी के सामने गिड़गिड़ाने लगे तो उसने 40 लाख रुपए मांगे। महिलाओं ने हां कर दी।

महिलाओं ने बताया कि वो ऑनलाइन ट्रांसफर नहीं कर सकती तो उन्हें बैंक जाने की इजाजत दी, लेकिन साथ ही हिदायत दी कि घर से सीधे बैंक जाना है और पैसा ट्रांसफर कर वापस आना है। किसी से कोई बात नहीं करनी है। दोनों महिलाएं केईएम रोड स्थित एसबीआई शाखा पहुंची, जहां कांता ने अपनी दो एफडी तुड़वाई। रकम सेविंग अकाउंट में ट्रांसफर कर आरोपी के बताए नंबरों पर 48 लाख रुपए दो अलग-अलग खातों में आरटीजीएस के जरिए भेज दिए।

किराये पर बैंक खाते देने वालों पर शिकंजा, दो गिरफ्तार

गंगापुर सिटी, (निसं)। सायबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए उदेई मोड़ थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने कमीशन पर बैंक खाते उपलब्ध कराने वाले दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। इन पर सायबर ठगों को अपने बैंक खाते देने का आरोप है।

सवाई माधोपुर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक व वृत्ताधिकारी गंगापुर सिटी के सुपरविजन में उदेई मोड़ थानाधिकारी के नेतृत्व में संदिग्ध बैंक खातों की जांच की गई। जांच में गंगापुर सिटी निवासी यश बंसल और मलारना डूंगर निवासी आर्यन अग्रवाल के बैंक खाते सायबर ठगी से जुड़े पाए गए। पुलिस के अनुसार, इन दोनों के खातों

- **उदेई मोड़ पुलिस ने 58 लाख की सायबर ठगी से जुड़े बैंक खाते पकड़े**

के खिलाफ विभिन्न राज्यों में सायबर ठगी की शिकायतें दर्ज हैं। कुल 58 लाख 92 हजार 452 रुपए से अधिक की ऑनलाइन ठगी के मामले सामने आए हैं, जिसमें से 4 लाख 10 हजार 328 रुपए सीधे इन आरोपियों के खातों में ट्रांसफर किए गए थे।

पूछताछ में पता चला कि आरोपियों ने अन्य साथियों के साथ मिलकर आपराधिक षड्यंत्र रचा और ऑनलाइन पार्ट टाइम जॉब, निवेश के नाम पर तथा फर्जी पुलिसकर्मी बनकर लोगों से ठगी की। ठगी गई राशि में से कमीशन काटकर शेष रकम अन्य आरोपियों को दी जाती थी। इस मामले में उदेई मोड़ थाने में प्रकरण दर्ज किया गया है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के आदेश पर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। पुलिस इस मामले में अन्य संदिग्धों की भूमिका की भी जांच कर रही है। इस कार्रवाई में थानाधिकारी उदेई मोड़ के साथ पुलिस टीम के अन्य सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह कार्रवाई सायबर क्राइम राजस्थान के निर्देशों पर चलाए जा रहे एक विशेष अभियान के तहत की गई।

परिवादी ने सायबर थाने में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। सायबर थाना प्रभारी रमेश सर्वटा ने बताया कि हम जांच कर रहे हैं। सायबर और डिजिटल अरेस्ट कर ठगी के मामलों से लोगों को सावधान रहना चाहिए। अनजान कॉल अटेंड ना करें। ठगी के कॉल आने पर सायबर थाने सूचना दें।

रसोई में रखे सिलेण्डर में आग लगी, दो जने झुलसे

गंगापुर सिटी, (निसं)। नृसिंह कॉलोनी में मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे एक मकान में रसोई गैस सिलेंडर में आग लग गई। इस घटना में दो युवक झुलस गए। आगजनी में घर में रखा घरेलू सामान जलकर खाक हो गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सोनू पुत्र कैलाश के मकान में मिठाई बनाते समय सिलेंडर से गैस रिसाव होने के कारण आग भड़क उठी। आग की लपटें देखकर आसपास के लोग सहम गए और मौके पर पहुंचे। आग बुझाने के प्रयास में दो युवक झुलस गए। इनमें

- **मिठाई बनाते समय हुआ हादसा, घरेलू सामान भी जला**

पीलौदा निवासी सुदीप का चेहरा और सोनू के चेहरे व हाथ आग की चपेट में आ गए। दोनों को प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। गनीमत रही कि समय रहते सिलेंडर को घर से बाहर निकाल लिया गया, जिससे आग पूरे मकान में नहीं फैल सकी और एक बड़ा हादसा टल गया। कॉलोनीवासियों की सजगता और तत्परता से आग पर काबू पाया गया। घटना की सूचना अग्निशमन सेवा को दी गई, लेकिन दमकल वाहन आधे घंटे से अधिक देरी से पहुंचा। तब तक स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत से आग पर काबू पा लिया था। इस आगजनी में घर में रखा घरेलू सामान जलकर राख हो गया। हादसे के बाद कॉलोनी के लोगों ने राहत की सांस ली। स्थानीय लोगों ने बताया कि यदि समय पर आग पर काबू नहीं पाया जाता, तो आसपास के अन्य मकानों को भी नुकसान पहुंच सकता था।

बीकानेर में सेना भर्ती रैली कल से

बीकानेर, (निसं)। यहां स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित स्टेडियम में 29 जनवरी से 18 फरवरी तक हो रही सेना भर्ती (वर्ष 2025-26) की तैयारियां अंतिम चरण में है। बीकानेर, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, चूरू और झुंझुनूं समेत पांच जिलों के केंडिडेट्स इस भर्ती में शामिल होंगे।

सेना भर्ती के इंचार्ज कर्नल अंकुर कुमार ने बताया कि सेना भर्ती रैली को लेकर जिला प्रशासन के साथ मिल कर पिछले चार महीनों से तैयारियां की जा रही है। तैयारियां अब अंतिम चरणों में है। भारतीय सेना के महानिदेशक भर्ती (डीजीआर) के नवीनतम प्रोटोकॉल

- **18 फरवरी तक पांच जिलों के केंडिडेट्स आयेंगे**

और निर्देशों के अनुसार तैयारियां की गई है। उम्मीदवारों को भर्ती संबंधी परीक्षाओं के लिए सुरक्षित वातावरण प्रदान किया जाएगा। कर्नल अंकुर कुमार ने बताया कि भर्ती स्थल और आसपास के क्षेत्र में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। प्रवेश द्वार से लेकर परीक्षा स्थल तक हर जगह सेना और पुलिस बल तैनात रहेंगे। भीड़ नियंत्रण के लिए बैरिकेड लगाए गए हैं और सभी प्रतिभागियों को निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करना अनिवार्य है। कर्नल ने बताया कि चयन प्रक्रिया पूरी तरह से निष्पक्ष और पारदर्शी है। किसी भी प्रकार के अनुचित प्रभाव, रिश्वत या बिचौलियों के माध्यम से चयन संभव नहीं है। उन्होंने उम्मीदवारों को हिदायत दी है कि वे किसी भी व्यक्ति के बहकावे में न आएं और यदि उन्हें कोई संदिग्ध गतिविधि दिखाई दे तो तुरंत सेना भर्ती कार्यालय या निकटतम पुलिस स्टेशन को सूचित करें। कर्नल अंकुर कुमार ने बताया कि उम्मीदवारों का शारीरिक रूप से स्वस्थ होना ही नहीं, बल्कि मानसिक रूप से भी मजबूत होना आवश्यक है। सेना में चयन के लिए ईमानदारी, अनुशासन और कड़ी मेहनत अनिवार्य है।

बीकानेर में बिजली कंपनी और स्थानीय लोगों में टकराव

बिजली कंपनी के कर्मचारी कुछ घरों में बिना अनुमति घुस गए, महिलाओं ने हंगामा किया

बीकानेर, (निसं)। यहां प्राइवेट बिजली कंपनी और उपभोक्ताओं के बीच मंगलवार को फिर टकराव हो गया। बिजली कंपनी के कर्मचारी यहां शहरी परकोटे में स्थित कुछ घरों में बिना अनुमति घुस गए, जिसके बाद महिलाओं ने हंगामा कर दिया। इन घरों के मीटर कब्जे में लिए गए हैं, वहीं बिजली कंपनी के कर्मचारी एफआईआर करवाने नयाशहर थाने पहुंच गए।

नत्थानियों की सराय इलाके में वोल्टेज समस्या और क्षतिग्रस्त मीटर व

- **आरोप है कि अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ धक्का-मुक्की और मारपीट की गई**

पुराने तार बदलने पहुंची बिजली कंपनी की टीम के साथ धक्का-मुक्की हुई। घटना उस समय हुई जब बीकेसीईएल (बिजली कंपनी) की टीम क्षेत्र में खराब मीटर बदलने और तारों की मरम्मत का कार्य कर रही थी।

एईएन नितेश कुमार सहित बीकेईएसएल (बिजली वितरण कंपनी) के अधिकारी और कर्मचारी इलाके में कार्य के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान कुछ स्थानीय लोगों ने टीम के कार्य का विरोध किया, जो देखते ही देखते विवाद में बदल गया। आरोप है कि अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ धक्का-मुक्की और मारपीट की गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिजली कंपनी के अधिकारी बिना किसी पूर्व सूचना के घरों में जबरन प्रवेश करने का प्रयास कर रहे थे, जिससे नाराजगी फैल गई और विवाद की स्थिति बन गई। कहीं कोई बिजली चोरी नहीं हो रही है। सिर्फ मीटर ही बदलना था तो कंपनी कर्मचारियों को बिना अनुमति घर में नहीं घुसना था। वहीं कंपनी अधिकारियों का कहना है कि वे नियमित सुधार कार्य के तहत मीटर और तार बदलने पहुंचे थे, लेकिन अचानक भीड़ एकत्र होकर अभद्रता और मारपीट पर उतर आई। घटना की सूचना नया शहर थाना पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची है।

गणतंत्र दिवस समारोह में प्रिंसिपल ने डॉ. अंबेडकर की तस्वीर फेंकी

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर जिले में 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर थाना मनिया क्षेत्र के एक सरकारी विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान एक विवादित मामला सामने आया है। इस घटना ने पूरे क्षेत्र में आक्रोश फैला दिया है। आरोप है कि विद्यालय के प्रिंसिपल जगदीश प्रसाद जैन ने कार्यक्रम के दौरान भारत रत्न संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की तस्वीर को टेबल से उठाकर फेंक दिया, जिससे ग्रामीणों और समाज के लोगों की भावनाएं आहत हुई है।

ग्रामीणों और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार गणतंत्र दिवस कार्यक्रम के दौरान मंच पर बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर की तस्वीर विधिवत रूप से सजाकर रखी गई थी। इसी दौरान कुछ

- **प्रिंसिपल जगदीश जैन पर बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर की तस्वीर के अपमान का आरोप**
- **ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर प्रिंसिपल जगदीश जैन को तत्काल सस्पेंड करने की मांग की**

छात्र-छात्राओं द्वारा बाबा साहेब के जीवन, संघर्ष और संविधान में उनके योगदान को लेकर प्रेरणादायक विचार व्यक्त किए जा रहे थे। आरोप है कि इसी बात से नाराज होकर प्रिंसिपल जगदीश जैन ने बच्चों को कड़ी फटकार लगाई और इसके बाद बाबा साहेब की तस्वीर को उठाकर वहां से हटा कर फेंक दिया। इस घटना की जानकारी जैसे ही गांव में फैली, पूरे क्षेत्र में भारी आक्रोश देखने को मिला। आज सुबह से ही गांव के ग्रामीणों और जाटव समाज के लोगों ने स्कूल के मुख्य गेट पर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारी लगातार नारेबाजी करते हुए प्रिंसिपल जगदीश जैन को तत्काल सस्पेंड करने की मांग पर अड़े हुए हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि यह केवल एक तस्वीर का अपमान नहीं, बल्कि बाबा साहेब के विचारों और संविधान का अपमान है, जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रदर्शन में शामिल लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि प्रिंसिपल जगदीश जैन इससे पहले भी कई बार विवादों में रह चुके हैं। जानकारी के अनुसार, उनका ट्रांसफर पहले झालावाड़ भी किया जा चुका है, लेकिन इसके बावजूद वे अभी तक इसी विद्यालय में पदस्थ हैं, जिससे ग्रामीणों में और अधिक नाराजगी है।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मौके पर पुलिस प्रशासन, मनिया तहसीलदार सहित पूरा प्रशासनिक अमला मौजूद है। प्रशासन ग्रामीणों से समझाइश कर धरना समाप्त कराने का प्रयास कर रहा है, लेकिन प्रदर्शनकारी अपनी मांगों पर अड़िग बने रहे। फिलहाल क्षेत्र में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों का साफ कहना है कि जब तक आरोपी प्रिंसिपल के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं होती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

भरतपुर में दस माह से लापता युवक का नहीं लगा सुराग

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर में वैर इलाके के आईजी ऑफिस पर ग्रामीण धरना देने के लिए पहुंचे लेकिन, पुलिस ने उन्हें ट्रैफिक चौराहे पर ही रोक दिया, जिसके बाद ग्रामीण सड़क पर ही बैठ गए। इस दौरान 17 डिग्री टेंपरेचर था और बारिश भी हो गई। बारिश में ग्रामीण सड़क पर बैठे रहे। ग्रामीणों का कहना है कि गांव के कुछ लोगों ने प्रहलाद का 10 महीने पहले अपहरण कर लिया था। जिसकी एफआईआर वैर में करवाई गई लेकिन, एक साल बीत जाने के बाद भी प्रहलाद का कुछ पता नहीं लगा।

पूनम बाई बैरवा निवासी नगला हरिहर गांव ने बताया कि मेरे पति प्रहलाद (37) ने 4 साल पहले धर्मेंद्र धाकड़ और राजेश कुमार गर्ग ने मेरे

- **धरना देने के लिये ग्रामीण सड़क पर ही बैठ गये**

पति प्रहलाद से उधार पैसे ले लिए। राजेश ने प्रहलाद से 15 लाख और धर्मेंद्र ने 4 लाख 50 हजार रुपए लिए थे। प्रहलाद उनसे पैसे वापस देने का तकादा कर रहा था लेकिन, दोनों लोग पैसे नहीं लौटा रहे थे। जिस पर करीब 2 साल पहले प्रहलाद ने धर्मेंद्र और राजेश के खिलाफ वैर थाने धोखाधड़ी की एफआईआर दर्ज करवाई। मुकदमा कोर्ट में चल रहा था। 26 मार्च को प्रहलाद इसे मुकदमे के चलते कोर्ट गया था। वहां से राजेश और धर्मेंद्र ने प्रहलाद का अपहरण कर लिया,जिसके बाद से प्रहलाद का कुछ पता नहीं है।

प्रहलाद के परिजनों ने इसकी एफआईआर वैर थाने में भी करवाई। 1 साल बीत जाने के बाद भी पुलिस प्रहलाद का कुछ पता नहीं लगा पाई, जिसको लेकर प्रहलाद के परिजनों ने अप्रैल महीने में वैर थाने पर धरना दिया। करीब 6 दिन धरना देने के बाद पुलिस ने धरने को खत्म करवा दिया। प्रहलाद के परिजन आईजी ऑफिस पर धरना देने के लिए भरतपुर पहुंचे लेकिन पुलिस ने प्रहलाद के परिजनों और ग्रामीणों को ट्रैफिक चौराहे पर रोक लिया। पुलिस लगातार प्रहलाद के परिजनों से समझाइश कर रही है। प्रहलाद के परिजन वैर पुलिस पर जांच में लापरवाही, धर्मेंद्र और राजेश से मिले होने का आरोप लगा रहे हैं।

शटर तोड़कर दुकान से साढ़े चार लाख रुपए चुराए

टोंक, (निसं)। कोतवाली थाना क्षेत्र में सोमवार रात्रि को रामकृष्ण मंदिर के सामने स्थित एक दुकान से चोर शटर तोड़कर साढ़े चार लाख रुपए चुराकर फरार हो गए। इस दौरान नकाबपोश चोर बाइक पर आए तथा बड़ी लोहे की रॉड से दुकान का शटर करीब दो फीट ऊपर उठाया और गल्ले में रखी नकदी लेकर फरार हो गए। यह पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है।

घटना की जानकारी मंगलवार सुबह आसपास के दुकानदारों ने शटर उठा देखकर दुकानदार को दी, जिसके बाद दुकान मालिक मोहम्मद जमील मौके पर पंहुचे तथा जब उन्होंने गल्ला और तिजोरी जांची तो साढ़े चार लाख रुपए गायब मिले। घटना के बाद सूचना पर पुलिस कोतवाली, व्यापार संघ

- **चोरी की घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई**

अध्यक्ष मनीष पाटनी और अन्य व्यापारी मौके पर पहुंचे तथा मुख्य बाजार में हुई चोरी को लेकर व्यापारियों ने नाराजगी जताई, जिसके बाद व्यापारियों ने चोरों की गिरफ्तारी की मांग की। दुकानदार मोहम्मद जमील ने बताया कि फुटेज में साफ दिख रहा है कि तीन युवक बाइक से आए और कुछ ही मिनटों में चोरी कर फरार हो गए। घटना में प्रकरण दर्ज कर पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश में जुटी है।

बीकानेर में ट्रैफिक पुलिस थाना से महिला पुलिसकर्मी की स्कूटी चोरी

बीकानेर, (निसं)। पूरे शहर की निगरानी करने वाले अभय कमांड परिसर से ही चोरी की घटना सामने आई है। अभय कमांड में तैनात महिला पुलिसकर्मी की स्कूटी ट्रैफिक पुलिस थाना की स्टाफ पार्किंग से चोरी हो गई। मामला 24 जनवरी का है, जिसकी रिपोर्ट 26 जनवरी को दर्ज कराई गई है। घटना ने उस परिसर की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं, जहां से शहरभर के सीसीटीवी कैमरों की मॉनिटरिंग होती है।

जयनारायण व्यास कॉलोनी थाने में दर्ज एफआईआर के अनुसार महिला पुलिसकर्मी शीतल नाथ वर्तमान में अभय कमांड कंट्रोल में कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि 24 जनवरी को दोपहर की पारी में ड्यूटी पर पहुंचकर अपनी स्कूटी

- **स्टाफ पार्किंग से वाहन उठाकर ले गए चोर, एफआईआर दर्ज कराई**

ट्रैफिक पुलिस की स्टाफ पार्किंग में खड़ी की थी। इसके बाद वह अभय कमांड के ऑफिस में चली गईं। शीतल नाथ ने बताया कि रात करीब 9 बजे ड्यूटी पूरी कर जब वह वापस पार्किंग में पहुंची, तो वहां उनकी स्कूटी मौजूद नहीं थी। आसपास काफी देर तक तलाश की गई, लेकिन स्कूटी का कोई पता नहीं चला। इसके बाद उन्होंने चोरी की आशंका जताई। स्कूटी नहीं मिलने पर महिला पुलिसकर्मी ने 26 जनवरी को जयनारायण व्यास कॉलोनी थाने में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। मामले की जांच एएसआई विनोद कुमार को सौंपी गई है। पुलिस अब परिसर और आसपास लगे कैमरों के फुटेज खंगाल रही है।

बीकानेर में ट्रैफिक पुलिस थाना और अभय कमांड एक ही परिसर में स्थित हैं। अभय कमांड पहली मंजिल पर संचालित होता है, जबकि नीचे स्टाफ के लिए पार्किंग की व्यवस्था है। इस मामले में यातायात निरीक्षक नरेश निर्वाण ने कहा कि उनके संज्ञान में ऐसी कोई घटना नहीं लाई गई है। उन्होंने बताया कि थाना परिसर काफी बड़ा है और संभव है कि किसी ने पार्किंग से बाहर वाहन खड़ा किया हो, फिर भी पूरे मामले की जानकारी ली जाएगी। एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस चोरी के कारणों और आरोपी की पहचान में जुटी है।

छबड़ा के माणक चौक गांव में रास्ते में भरे गंदे पानी से विद्यार्थी परेशान

छबड़ा, (निसं)। माणकचौक गांव में सरकारी विद्यालय के आसपास लंबे समय से कीचड़ की गंभीर समस्या बनी हुई है। विद्यालय के समीप नाली की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण गांव का गंदा पानी वहीं एकत्रित हो जाता है, जिससे पूरे क्षेत्र में कीचड़

- **विद्यार्थियों को कीचड़ भरे रास्ते से गुजरने की मजबूरी, स्कूल के आसपास कीचड़ फैला है**

फैल जाता है। पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष अशोक गौड़ ने समस्या का स्थायी समाधान किये जाने की मांग की है।

गौड़ के अनुसार इस समस्या के चलते विद्यालय आने-जाने वाले बच्चों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अभिभावकों में भी बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है। बीते कुछ दिन पूर्व एक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की स्कूटी कीचड़ में फिसल गई थी, जिससे उन्हें चोट भी आई थी।

माणकचौक निवासी मुकेश लोधा, हरगोविन्द लोधा, महेंद्र लोधा, चंद्रमोहन लोधा, राजकुमार लोधा सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि

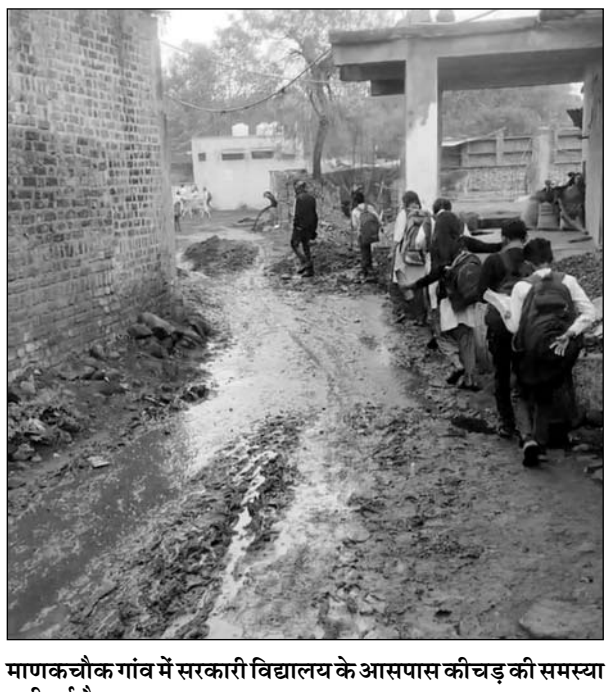

माणकचौक गांव में सरकारी विद्यालय के आसपास कीचड़ की समस्या बनी हुई है।

विद्यालय के पास नाली नहीं होने के कारण पानी की निकासी नहीं हो पाती, जिससे हर समय कीचड़ की स्थिति बनी रहती है। ग्रामीणों का कहना है कि संबंधित विभाग समय रहते नाली निर्माण एवं जल निकासी की उचित व्यवस्था कर दे ताकि इस समस्या से स्थायी निजात मिल सकती है। ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र समस्या के समाधान की मांग की है।

गणतंत्र दिवस पर तिरंगा वाहन रैली निकाली

बूंदी, (निसं)। गणतंत्र दिवस के अवसर पर बूंदी शहर में एक भव्य विशाल तिरंगा वाहन रैली निकाली गई। रैली संरक्षक टिकम जैन, भरत शर्मा, महावीर मोदी के नेतृत्व में गढ़ की पड़स से प्रारंभ हुई यह रैली शहर के मुख्य मार्गों से होती हुई भरा गणेश पहुंची, जहां ध्वजारोहण के साथ रैली का समापन हुआ।

रैली के संयोजक गौरव भटनागर ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य देश की एकता और अखंडता को मजबूत बनाना था। रैली प्रभारी शुभम सुमन और सहसंयोजक चेतन पंचोली ने लोगों का आभार व्यक्त किया। रैली के दौरान जगह-जगह लोगों ने पुष्प वर्षा कर रैली का स्वागत किया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष रामेश्वर मीणा, एसटी मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष आशा मीणा, जिला महामंत्री संजय लाठी, कुंज बिहारी बिलिया, पार्षद राजेश शेरगड़िया, पार्षद मोनिका शेरगड़िया, हर्षवर्धन भटनागर, अर्जुन डाबोडिया, भाजपा नेता तुषार पारीक, अमित निंबार्क, आशीष गुर्जर, पूर्वपार्षद गौरव वर्मा , निखिल राठोर, वैभव योगी, चैतन्य सनाढ्य, राहुल सेन, नितिन वर्मा, शेखर सैनी, नीरज सुमन,आदि गणमान्य लोग शामिल थे।

33 केवी विद्युत लाइन से बैंक में करंट दौड़ा, लाखों के उपकरण जले

धमाका इतना तेज था कि सभी कर्मचारी व बैंक के ग्राहकों ने बाहर भागकर अपनी जान बचाई

बूंदी, (निसं)। शहर के लंकागेट पुरानी धानमण्डी रोड़ स्थित आईडीएफसी बैंक, इटोस बैंक व उससे जुड़े घर की विद्युत लाइन में मंगलवार सुबह 33 केवी विद्युत लाइन से करंट उतर जाने से ही भारी धमाके के साथ बैंक के कई उपकरण जल गए, जिसकी वजह से बैंकों में कामकाज ठप हो गया और बैंक व उससे जुड़े घर में लाखों रुपया का नुक़सान हुआ है।

मामले में जानकारी देते हुए बैंक कर्मियों ने बताया कि धमाका इतना तेज था कि सभी कर्मचारी व बैंक के ग्राहक घबरा गए, इसके तत्काल बाद ही बैंक के अंदर आग के गोले उठे और कई धमाके हुए विद्युत व बैंक से जुड़े कई क़ीमती उपकरण जल गए। तेज धमाकों से बैंक के कई उपकरण गिर गये, फ़ॉल सीलिंग भी गिर गई और कई उपकरण जल गये इसके बाद लोगों ने बाहर भागकर अपनी जान बचाई। वहीं बैंक से जुड़े महावीर स्मृति आवास में भी विद्युत के कई उपकरण जल गये। विद्युत

- **बैंक से जुड़े महावीर स्मृति आवास में भी विद्युत के कई उपकरण जल गये**

का तेज धमाका होने के साथ ही कई बिजली उपकरण जलने से काफ़ी नुक़सान हुआ है। मामले में विद्युत विभाग की लापरवाही से हुए नुक़सान से सभी बैंक कर्मियों एवं निजी आवास मालिक गणेशलाल शर्मा ने रोष जताया है। उन्होंने विभाग को ज़िम्मेदार मानते हुए मामले में हुए नुक़सान को लेकर भी कार्रवाई की मांग की है। साथ ही भविष्य में ऐसी दुर्घटना न हो इसके लिए विद्युत लाइनों को लेकर पूरी तरह एहतियात बरतने, उचित रख रखाव सहित समय-समय पर सार सम्भाल करने सहित उन्हें पूरी तरह दुरुस्त करने की बात कही है।

भाजपा के पूर्व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रुपेश शर्मा ने भी विद्युत विभाग की लापरवाही को लेकर रोष व्यक्त किया है और विद्युत विभाग को मामले में सीधा ज़िम्मेदार मानते हुए सारे नुक़सान का सर्वे कराकर पीड़ित पक्ष को राहत प्रदान करने की मांग की है।

गिट्टियों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी

गंगापुर सिटी, (निसं)। शहर की लाटा हाउस गली में मंगलवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब गिट्टियों से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली अचानक पलट गई। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई और बड़ा हादसा टल गया। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर एकत्रित हो गए।

प्रत्यक्षदर्शियों व मोहल्लेवासियों ने बताया कि मंगलवार को यहां से ट्रैक्टर-ट्रॉली में गिट्टियां भरी जा रही थी। इसी दौरान अचानक ट्रॉली का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क पर पलट गई। बताया गया कि ट्रॉली का डाला सही तरीके से नहीं खुल पाया, जिससे भार एक तरफ आ गया और ट्रॉली पलट गई। हादसे के समय चालक ने सतर्कता दिखाते हुए ट्रैक्टर से कूदकर अपनी जान बचा ली। हादसे के बाद ट्रैक्टर-ट्रॉली के दोनों पहिए ऊपर की ओर हो गए, जिसे देखकर लोग सहम गए। लाटा हाउस गली संकरी होने के कारण यदि उस समय कोई राहगीर या वाहन गुजर रहा होता तो बड़ा हादसा हो सकता था। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह गली दिनभर व्यस्त रहती है और अक्सर बच्चे व बुजुर्ग भी इसी रास्ते से निकलते हैं। ऐसे में हादसा होते-होते बचना सभी के लिए राहत की बात रही। घटना की जानकारी मिलने पर आसपास के क्षेत्र से बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए और स्थिति को देखने लगे। कुछ समय बाद क्रेन को बुलाया गया, जिसकी सहायता से ट्रैक्टर-ट्रॉली को सीधा किया गया। ट्रॉली को हटाए जाने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली।

संक्षिप्त

उत्कृष्ट कार्य करने वालों का हुआ सम्मान

भरतपुर (निस)। जिलेभर में 77 वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ समारोहपूर्वक मनाया गया। जिला स्तरीय मुख्य समारोह पुलिस परेड ग्राउण्ड में आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि ऊर्जामंत्री हीरालाल नागर ने तिरंगा ध्वज फहराकर मार्च पास्ट की सलामी ली। समारोह में राजस्थान पुलिस, राजस्थान सशस्त्र पुलिस, राजस्थान महिला पुलिस, होम गार्ड, एनसीसी, भारत स्काउट, गाइड, पुलिस बैण्ड की टुकडियों ने परेड कमाण्डर पुलिस निरीक्षक कल्याण सिंह के नेतृत्व में मार्च पास्ट किया। पुलिस के बैण्ड की धुनवादन के साथ मुख्य अतिथि ने परेड का निरीक्षण कर मार्च पास्ट की सलामी ली। समारोह में माननीय राज्यपाल महोदय के संदेश का पठन अतिरिक्त कलैक्टर (प्रशासन) घनश्याम शर्मा ने किया। मुख्य अतिथि ऊर्जा मंत्री ने शहीदों की 10 वीरांगनाओं का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया। उत्कृष्ट कार्यों के लिए चयनित 76 छात्र-छात्राओं, खिलाड़ियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, अधिकारियों एवं कार्मिकों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह में आर्मी स्कूल कंजोली के छात्र-छात्राओं ने ''मेरा रंग दे बसंती चोला'' गीत के माध्यम से शहीद भगतसिंह पर आधारित नृत्य नाटिका की प्रस्तुति देकर देशभक्ति का संदेश दिया। टीएम स्कूल के छात्र-छात्राओं ने ''वन्दे मातरम'' गीत पर सामूहिक प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया तथा शहर के 23 विद्यालयों के 1 हजार 532 छात्र-छात्राओं द्वारा शा. शिक्षक विजय सिंह एवं तेजवीर सिंह के नेतृत्व में शारीरिक व्यायाम का प्रदर्शन किया।

मोहित बने इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स

टोंक । कोविड-19 महामारी जैसे कठिन समय में जब डर और असमंजस का माहौल था, तब टोंक के मोहित वैष्णव ने अपने समूह कम्युनिटी थिएटर सोसायटी के साथ मिलकर रंगमंच को माध्यम बनाकर रचनात्मक माध्यम से समाज को जागरूक करने का बीडा उठाया था, जिस हेतु उन्हे इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स 2027 में स्थान देते हुए प्ठत ।बीपमअमत के प्रतिष्ठित खिताब से सम्मानित किया गया है, इससे पूर्व गूगल की और से भी मोहित को लोकल गाइड से सम्मानित किया जा चुका हैं। इस उपलब्धि के अंतर्गत मोहित वैष्णव को उपलब्धि प्रमाण पत्र, मेडल, बैज, रिकॉर्ड होल्डर आईडी कार्ड, विशेष पेन और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स 2026 संस्करण प्रदान किया जाएगा। मोहित कुमार वैष्णव ने इस अवसर पर कहा कि यह उपलब्धि अकेले उनकी नहीं, बल्कि कम्युनिटी थिएटर टोंक समूह तथा उन सभी साथियों और दर्शकों की है, जिन्होंने इस सामाजिक प्रयास को समर्थन दिया।

कार्यशाला का आयोजन

किशनगढ़ बास। न्याय की सुलभता और आमजन को विवादों से त्वरित मुक्ति दिलाने के उद्देश्य से मंगलवार को बार अभिभाषक संघ किशनगढ़ बास के परिसर में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) नई दिल्ली के तत्वावधान में चलाए जा रहे देशव्यापी अभियान मिडिएशन फॉर द नेशन 2.0 और राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (आरएसएलएसए) के जन उपयोगी सेवा अभियान को समर्पित रही । बैठक की अध्यक्षता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण खैरथल-तिजारा के सचिव रनवीर सिंह द्वारा की गई, जिसमें बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश तिवाड़ी सहित गणमान्य अधिवक्ताओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई। बैठक में सचिव रनवीर सिंह ने त्रैमासिक अभियान मिडिएशन फॉर द नेशन 2.0 की महत्ता पर प्रकाश डाला और कहा कि मध्यस्थता केवल एक कानूनी प्रक्रिया नहीं, बल्कि विवादों को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाने का एक मानवीय दृष्टिकोण है। उन्होंने उपस्थित अधिवक्ताओं से आव्हान किया कि वे अपने पक्षकारों को मध्यस्थता के लाभ समझाएं चिन्हित कर रैफर करें ।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

पावटा में विधायक व एसडीएम की मौजूदगी में फहराया तिरंगा

पावटा। उपखंड स्तरीय 77वां गणतंत्र दिवस समारोह सोमवार को विधायक कुलदीप धनकड के मुख्य आतिथ्य व पावटा उपखंड अधिकारी साधना शर्मा की अध्यक्षता एवं पावटा तहसीलदार लोकेंद्र मीणा, सीबीईओ धर्मवीर जिंदोंलिया, विकास अधिकारी सुशीला यादव, अधिशासी अधिकारी फतेह सिंह मीणा, आंध्रा भाजपा नेता भास्कर, श्री निवास, पावटा भाजपा मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र राठी, प्रागपुरा मंडल अध्यक्ष विकास सिंह, उपेन्द्र सिंह शेखावत, सामाजिक कार्यकर्ता गोपाल अठावाल, रामपाल मीणा, बद्री प्रसाद चौहान, पूर्व मंडल अध्यक्ष जयराम सिंह, डॉ रवि अंजलि गुप्ता, विजय लक्ष्मी गुप्ता, डॉ.अशोक बाज्या, पूर्व वाइस चेयरमैन नरपत सिंह, कृष्ण ओला, एडवोकेट विष्णु पटेल के विशिष्ट आतिथ्य, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पावटा प्रधानाध्यापक मनीष गोयल की मौजूदगी मे राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पावटा के प्रांगण में सरस्वती माँ के सामने दीप प्रज्वलित कर, ध्वजारोहण करते हुए हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पावटा प्रधानाध्यापक मनीष गोयल द्वारा आगंतुक अतिथियो का

पावटा में उपखंड स्तरीय 77वां गणतंत्र दिवस समारोह विधायक कुलदीप धनकड के मुख्य आतिथ्य व पावटा उपखंड अधिकारी साधना शर्मा की अध्यक्षता में हुआ।

माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में विधायक कुलदीप धनकड व पावटा उपखंड अधिकारी साधना शर्मा सहित अधिकारियों ने 10.30 बजे राष्ट्रध्वज फहराया और परेड की सलामी ली कार्यक्रम में शारीरिक शिक्षको के निर्देशन में छात्र-छात्राओं ने मार्च पास्ट व पीटी का प्रदर्शन किया गया। इस मौके पर कस्बे के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओ द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस दौरान कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा शहीद वीरांगनाओं का सम्मान किया गया साथ ही उपखंड स्तर पर श्रेष्ठ कार्य करने वाले वरिष्ठ घनश्याम पटेल, डॉ रवि अंजली गुप्ता, डॉ.अशोक बाज्या, शिक्षक अंजनी अग्रवाल, पंचायत सहायक कमल किशोर भारद्वाज , गिरदावर शशिधर यादव सहित बडी संख्या में अधिकारियों, कर्मचारियों, भामाशाहों सहित आमजन व कार्यक्रम के अंत में शानदार प्रस्तुति देने वाले छात्र-छात्राओं को उत्कृष्ट कार्य करने पर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया। सम्मान पाकर

- **वीरांगनाओं सहित उपखंड स्तर पर श्रेष्ठ कार्य करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों सहित आमजन का हुआ सम्मान**

सभी सम्मानितजनों के चेहरे पर गर्व और उत्साह साफ नजर आया।

इस दौरान मुख्य अतिथि विधायक कुलदीप धनकड ने समारोह को संबोधित करते हुए समस्त प्रदेशवासियों एवं क्षेत्रवासियों को 77वे गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी। वहीं उन्होंने भारत माता की आजादी के लिए हंसते-हंसते अपने प्राण न्यौछावर करने वाले अमर शहीदों के चरणों में विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।

उन्होंने वीरांगनाओं के योगदान को नमन करते हुए कहा कि उनका बलिदान आने वाली पीडियों के लिए प्रेरणास्त्रोत है। वहीं उन्होंने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि गणतंत्र दिवस हमें संविधान में निहित अधिकारों और कर्तव्यों की याद दिलाता है।

बेढ़म ने ली परेड की सलामी

डीग भरतपुर (निस)। 77वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर किशन लाल जोशी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित जिला स्तरीय समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में गृह, गौपालन, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य विभाग राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने ध्वजारोहण किया।

इस अवसर पर अपने उद्बोधन में उन्होंने डीग जिले के सर्वांगीण विकास और इसे प्रदेश का आदर्श जिला बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। समारोह को संबोधित करते हुए गृह राज्य मंत्री बेढ़म ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में नवगठित डीग जिले में विकास की अपार संभावनाएं तलाशी जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि जिले की सडक कनेक्टिविटी को सुदृढ करने के लिए बडौदा मेव से भरतपुर तक 668 करोड रुपये की लागत से फोरलेन सडक की डीपीआर तैयार हो चुकी है। इसके अलावा, 100 करोड रुपये की लागत से डीग बाईपास और 66 करोड रुपये की लागत से ब्रजनगर बाईपास को मंजूरी दी गई है। साथ ही, जिले में 150 से अधिक सडकों के निर्माण और जीर्णोद्धार का कार्य प्रगति पर है।

झिलाई में 8.32 करोड़ के अस्पताल का शिलान्यास

झिलाय में विधायक रामसहाय वर्मा ने सीएचसी की नई बिल्डिंग का शिलान्यास किया।

टोंक। निवाई-पीपलू विधानसभा क्षेत्र के झिलाय में विधायक रामसहाय वर्मा ने सीएचसी की नई बिल्डिंग का शिलान्यास किया। यह बिल्डिंग 8 करोड़ 32 लाख रुपए की लागत से बनेगी, जो क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ करेगा। शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए विधायक वर्मा ने कहा-सरकार जनता के स्वास्थ्य के प्रति पूरी तरह सजग है। उन्होंने बताया कि झिलाय के 65 साल पुराने अस्पताल

- **विधायक ने कहा अधिकारी आमजन की समस्याओं का समाधान सजगता से करें**

को आधुनिक भवन की सौगात देना इसी प्रतिबद्धता का हिस्सा है। विधायक ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे आमजन की समस्याओं का समाधान सजगता से करें और मासिक रिपोर्ट प्रस्तुत करें, उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार पारदर्शिता और जीरो टॉलरेंसश की नीति पर काम कर रही है।

इस अवसर पर विधायक वर्मा ने ढाणी जुगलपुरा में नवनिर्मित आयुष्मान उप स्वास्थ्य केंद्र का भी लोकार्पण किया, इस कार्यक्रम में प्रशासक कांता देवी शर्मा, डॉ. सचिन करोल सहित कई गणमान्य नागरिक और विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

परेड का निरीक्षण

निवाई। गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह कृषि उपज मंडी प्रांगण में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि एसडीएम प्रीति मीणा ने ध्वजारोहण करके किया। मुख्य अतिथि एसडीएम प्रीति मीणा ने परेड का निरीक्षण करके सलामी ली। एसडीएम प्रीति मीणा ने कहा कि गणतंत्र दिवस हमारा राष्ट्रीय महापर्व है। जो भारत के संविधान को अपनाने और देश के गणतंत्र में परिवर्तन के उपलक्ष्य में मनाया जाता है, उन्होंने कहा कि 26 जनवरी 1950 को हमारा संविधान लागु हुआ था। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस भारत के संविधान की प्रस्तावना का मूल पाठ है। गणतंत्र दिवस एक समृद्ध, सुरक्षित और साहसिक नए भारत के निरंतर उदय के लिए मनाया जाता है। इस दौरान उन्होंने गणतंत्र दिवस के महत्व, भारत के इतिहास व देशभक्ति की भावना पर विस्तृत जानकारी प्रदान की साथ ही अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए देश को और अधिक ऊंचाइयों पर ले जाने व प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा करते हुए एक सुरक्षित एवं स्वच्छ भारत को आने वाली पीढी को प्रदान करने का संकल्प लेने का आव्हान किया।

संविधान के संवर्धन से ही होगा गणतंत्र मजबूत : प्रो. रमेश बैरवा

वजीरपुर। राजकीय कन्या महाविद्यालय वजीरपुर में मिठाई वितरण कर 77वाँ गणतंत्र दिवस मनाया गया।

झंडारोहण नोडल अधिकारी प्रो.रमेश बैरवा ने किया। राष्ट्रगान पिंकी माली,ज्योति सोनी और राशि उपाध्याय ने सामूहिक रूप से गाया। प्रो. बैरवा ने अपने संबोधन में कहा कि स्वतंत्रता,समानता,सद्भाव, समाजवाद, सामाजिक न्याय, लोकतंत्र, विविधता में एकता, अभिव्यक्ति की आजादी जैसे संवैधानिक मूल्यों के संवर्धन एवं सभी नागरिकों को गरिमामय जीवन सुनिश्चित करने से ही भारत का गणतंत्र मजबूत होगा। प्रवक्ता डॉ.ऋषिकेश गुर्जर,डॉ भूरसिंह गुर्जर,डॉ.संपूर्णानंद गौतम एवं छात्रा कविता जगरवाल,पिंकी माली ने भी विचार रखे।

छायांकन छात्रा रुचि वैष्णव,राशि उपाध्याय ने किया। कार्यक्रम में ज्योति

राजकीय कन्या महाविद्यालय वजीरपुर में मिठाई वितरण कर 77वाँ गणतंत्र दिवस मनाया गया।

सोनी, भावना कुमारी बैरवा,खेलन्ति सैनी,किरण मीणा,रानी राजावत,ऋतु सैनी,वर्षा बंसल, कृष्ण सैनी,कोमल मीणा,वंदना मीणा,सपना माली,खुशबू वैष्णव,पायल जाटव,बृजेश जाटव एवं अन्य छात्राएं उपस्थित रही।

फुलेरा में विभिन्न स्थानों पर फहराया तिरंगा

फुलेरा। 77वां गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह फुलेरा नगरपालिका मण्डल के तत्वावधान में स्कूल खेल मैदान पर रविवार सुबह 10:15 बजे ध्वजारोहण व सांस्कृतिक कार्यक्रम फुलेरा नगरपालिका ईओ सुनिल शर्मा की अध्यक्षता में मनाया गया।

मुख्य अतिथि फुलेरा विधायक विद्याधर सिंह चौधरी रहे। विशिष्ट अतिथि राजकीय विद्यालय के प्रधानाचार्य मुकेश सोनी, बालिका विद्यालय की प्रधानाचार्य नविता वर्मा, फुलेरा थाना एएसआई मोहन लाल रहे, कार्यक्रम का संचालन योगेन्द्र गहलोत ने किया। इसी प्रकार नगरपालिका कार्यालय पर पालिका ईओ सुनिल शर्मा व गांधीचौक परिसर व पुलिस थाना फुलेरा पर थानाधिकारी राजेंद्र कुमार यादव ने ध्वजारोहण किया। इसके अतिरिक्त फुलेरा-ईटावा रोड स्थित कांठोस कार्यालय पर विधायक विद्याधरसिंह चौधरी, रीको क्षेत्र स्थित भाजपा कार्यालय पर पूर्व विधायक निर्मल कुमावत, राजकीय उपजिला अस्पताल पर पीएमओ डॉ. धर्मेन्द्र भामू, टैगोर सेंट्रल स्कूल पर शैलेन्द्र शर्मा की अध्यक्षता में संजय शर्मा, दैनिक रेलयात्री संघ एकीकृत कार्यालय पर अशोक वासदेव की अध्यक्षता में रेलवे सुरक्षा बल निरीक्षक सुरेश मीणा, दैनिक रेलयात्री महासंघ कार्यालय पर रेलवे पेंशनर सोसायटी के अध्यक्ष रमेशचंद वर्मा, जमायतुल कुरेशीयान जमातखाना भवन पर इमाम ताज मोहम्मद व शहीद मेजर दलपत सिंह सर्किल पर समाजसेवी हनुमानसिंह, रमेश पंवार राजकुमार किलानोत ने ध्वजारोहण किया। इसी प्रकार अनेक सामाजिक व राजनैतिक कार्यालयों व सरकारी व निजी विद्यालयों पर ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी गई।

शिविर में 897 मरीज लाभान्वित

कोटपूतली । किस्तूरी देवी मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वाधान में सोमवार 26 जनवरी को स्व. किस्तूरी देवी की सप्तम पुण्यतिथि पर विशाल निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन ग्राम पुरुषोत्तमपुरा स्थित श्री जगन्नाथ गौशाला में किया गया।

शिविर में विधायक प्रतिनिधि राधा देवी पटेल एवं माया पटेल द्वारा द्वीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई एवं चिकित्सकों की टीम का स्मृति चिह्न देकर अभिनंदन किया गया। षिविर का कुल 897 मरीजों ने लाभ उठाया। शिविर में मिश्री देवी आई हॉस्पिटल बहरोड द्वारा 400 मरीजों की निःशुल्क नेत्र जांच एवं 70 मरीजों को लैंस प्रत्यारोपण (ऑपरेशन) के लिये चिह्नित किया गया।

जिनका आगामी 06 फरवरी को गौशाला से बस द्वारा ऑपरेशन के लिये ले जाया जायेगा। महात्मा गांधी हॉस्पिटल जयपुर द्वारा हृदय रोग, न्यूरोलॉजी, फिजिशियन, जनरल सर्जरी, हड्डी व जोड रोग, कान नाक गला

ग्राम पुरुषोत्तमपुरा स्थित गौशाला में शिविर का आयोजन किया ।

रोग विशेषज्ञों द्वारा 300 मरीजों को निःशुल्क परामर्श दिया गया।

मित्तल स्माईल केयर द्वारा 90 मरीजों को निःशुल्क दंत रोग परामर्श व 50 मरीजों को डॉ. मयंक मित्तल द्वारा निःशुल्क चर्म रोग का परामर्श, डॉ. राहुल बालयान द्वारा 57 लोगों को निःशुल्क फिजियोथेरेपी सेवा, डॉ. आस्था बंसल ने सभी महिलाओं को स्वच्छता से जुड़ी समस्याओं के बारे में बताया और उचित परामर्श दिया। दिल्ली से आई शोभा तोमर की टीम ने सेंसेस के बारे में बताया।

ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. अरविंद मित्तल ने बताया कि शिविर में मरीजों को निःशुल्क दवा एवं जांच की सुविधा भी दी गई। साथ ही जरूरतमंदों को कपड़ों एवं फलों का वितरण भी किया गया। इस दौरान गौशाला अध्यक्ष दिलीप मित्तल, नरेश, सुभाष, चौथमल, भाजपा

- **आई हॉस्पिटल बहरोड द्वारा 400 मरीजों की नेत्र जांच की**

युवा नेता शशी मित्तल, पत्रकार डॉ. राकेश इंदौरिया, अखिल भारतीय अठावाल सम्मेलन अध्यक्ष कमल गुप्ता, लॉयंस क्लब से घनश्याम अथोनिया, महेश मित्तल, अजय बगड़ावत, विक्रम कसाना, समीर जोशी, जितेंद्र सिंह शेखावत, सतीश सैनी, बालकृष्ण सैनी, विजय छावडी, भारत शर्मा, सुरेश चंद वैद्यजी, प्रकाश चंद मीणा, सुभाष सैन, लक्ष्मण सिंह, संतोष, अशोक, महावीर सिंह, कमल अठावाल, पप्पू सिंह, शेरसिंह, मक्खन कुमावत, ख्यालीराम गुर्जर, नृसिंह गुर्जर, कप्तान सिंह, हव. बनवारी, हव.रोहिताश, चिराग मीणा, नरेश शर्मा, सरदार सिंह, लालचंद गुर्जर, हरचंद मीणा, मामराज समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहें।

राजस्थान आवासन मण्डल वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर

आदेश आम सूचना

[illegible]

प्राधिकृत अधिकारी का कार्यालय नगर परिषद लालसोट

लोक सूचना

क्र. 5823 दिनांक: 23.01.2026

[illegible]

प्राधिकृत अधिकारी नगर परिषद लालसोट

संख्याक: 2

विवाहकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन (आदेश 5 के नियम 1 और 5)

[illegible]

आज्ञा से-शरिस्तेदार पारिवारिक न्यायालय अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रम संख्या 10, जयपुर महानगर प्रथम

मोहर अदालत

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि [illegible]

(बालूराम यादव)

सम्मन बनाम कायम मुकाम

(आर्डर 22 रूल 4 जाब्ता दीवानी)

अज अदालत जेएम (डी) मुकाम जयपुर जिला

दावा बाबत सी एस

हासानन्द पेसवानी बनाम भँवर लाल शर्मा

दावा बाबत C.S. मुकदमा नं. 78 सन 18

बनाम-मुसम्मी 1. गौरी देवी 2. रामावतार 3. किशनावतार 4. राजेश कुमार वल्द स्व. भँवरलाल कौम हिन्दू साकिन 29/B सिंधु नगर नाहरी का नाका जयपुर

चूंकि बे इस अदालत में तारीख - माह - सन 20 1. हासानन्द पेसवानी बनाम 2. भँवरलाल दायर की जो कि बाद में फोत हो गया और चूंकि मजकूर के दरख्वास्त अदालत हाजा में यह जाहिर करने की आप मुतवफ्फी भँवरलाल शर्मा मजकूर के कायम मुकाम जायज हो और इसदुआ की है बजाय उसके आप 1. गौरी देवी 2. रामावतार 3. किशनावतार 4. राजेश कुमार बनाये जावें।

लिहाजा बजरिये हाजा बगर्ज जवाबदेही 1. गौरी देवी 2. रामावतार 3. किशनावतार 4. राजेश कुमार बनाए जाएं। आपको तारीख 31 माह 1 सन 2026 को अदालत हाजा में हाजिर होने के लिए तलब किया जाता है और तारीख मुकर्रर पर आपके हाजिर न होने पर मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में सुना व फैसला किया जावेगा।

बसबत मेरे दस्तखत व मुहर अदालत के आज तारीख 22 माह 12 सन 25 को जारी किया गया।

शरिस्तेदार सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट जयपुर जिला जयपुर

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1235 चूंकि प्रार्थी श्री विजय पाराशर 97-बी, रघुनाथपुरी 2nd विस्तार [illegible] ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास [illegible] के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 23.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 07.04.2026

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1226 चूंकि प्रार्थी श्री AKHILESH ATRI, A-5, POWAR HOUSE ROAD, OPP. D.R.M. OFFICE, NEAR RAILWAY STATION, JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास जयपुर परिवार सेवा ट्रस्ट A-5, POWAR HOUSE ROAD, OPP. D.R.M. OFFICE, NEAR RAILWAY STATION, JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा पूदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 23.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 06.04.2026

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

खोया पाया

मेरे मकान 121/19 मानसरोवर जयपुर के संबंधित मूल दस्तावेज (आवंटन पत्र/लीजडीड/पजेशन लेटर/रजिस्ट्री/अदेयता प्रमाण पत्र/हकत्यग पत्र/गिफ्ट डीड/परपेचुअल लीजडीड/नेम ट्रांसफर आदि) गुम हो गए है। कृपया मिलने पर सम्पर्क करें अभिषेक श्रीवास्तव 9950996830

मेरा प्लाट नं. 1, ग्रीन वैली-।। गांव वाटिका का मूल पट्टा जो हरिनगर ग्रह निर्माण सहकारी समिति द्वारा जारी किया गया था। कहीं गुम हो गया है। मिलने पर सूचित करें-रमेश चन्द 9587686453

मेरे आवास संख्या 24/90 मानसरोवर जयपुर का कब्जा पत्र (handing over taken over) गिर/गुम हो गया मिलने पर सूचित करें। रेवा चंद मो. 9314876591

मेरे आवास संख्या 31/90/06 मानसरोवर जयपुर का मूल आवंटन गिर/गुम हो गया मिलने पर सूचित करें REEMA SINGH मो.6375419125

कार्यालय नगर निगम जयपुर

(सांगानेर स्टेडियम वाली रोड, गर्ल्स स्कूल के पास, सांगानेर जयपुर)

E-mail :- eesanganerzone01@gmail.com

क्रमांक :– जसअ/2025/445 दिनांक: 20.01.2026

निविदा सूचना संख्या 232-235/2025-26

केन्द्र एवं राज्य सरकार के सभी विभागों में पंजीकृत संवेदकों एवं नगर निगम जयपुर के पंजीकृत निविदादाताओं से बिड अधि. अभि. (सांगानेर जोन) से संबंधित विकास कार्य की निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://sppp.raj.nic.in & www.jaipurmc.org पर देखी जा सकती है। स्टेट पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल का Unique Bid Number JMC2526WSOB02605 से JMC2526WSOB02608 है।

अधिशाषी अभियंता सांगानेर जोन नगर निगम जयपुर

राज.संवाद/सी/25/18416

नाम परिवर्तन

मैं, नरेन्द्र कुमार आनंद, पुत्र बंसी लाल आनंद, मेरा नाम कुछ अभिलेखों में Narandra Kumar Anand अंकित हो गया है मेरा सही नाम Narendra Kumar Anand है आधार, पैन आदि दस्तावेजों में दोनों नाम एक है भविष्य में मेरा नाम नरेन्द्र कुमार Narendra Kumar Anand आनंद ही माना जाए।

मैंने अपना नाम हर्ष शैल पिलानिया से बदलकर हर्ष पिलानिया पुत्र शैल कुमार पिलानिया रख लिया है। भविष्य मे मुझे इसी नाम से जाना जावें। ADD-E-6, ROAD NO. 1 V.K.I AREA, JAIPUR 7727932525

कार्यालय नगर निगम जयपुर

(सांगानेर स्टेडियम वाली रोड, गर्ल्स स्कूल के पास, सांगानेर जयपुर)

E-mail :- eesanganerzone01@gmail.com

क्रमांक :– जसअ/2025/457 दिनांक: 27.01.2026

निविदा सूचना संख्या 236-239/2025-26

केन्द्र एवं राज्य सरकार के सभी विभागों में पंजीकृत संवेदकों एवं नगर निगम जयपुर के पंजीकृत निविदादाताओं से बिड अधि. अभि. (सांगानेर जोन) से संबंधित विकास कार्य की निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://sppp.raj.nic.in & www.jaipurmc.org पर देखी जा सकती है। स्टेट पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल का Unique Bid Number JMC2526WSOB02638 से JMC2526WSOB02641 है।

अधिशाषी अभियंता सांगानेर जोन नगर निगम जयपुर

राज.संवाद/सी/25/18508

कार्यालय उपायुक्त झोटवाडा जोन नगर निगम जयपुर

तारानगर–डी खिरणी फाटक, झोटवाडा जयपुर

क्रमांक :– जसअ/2025/451 दिनांक : 22.01.2026

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि झोटवाडा जोन नगर निगम जयपुर में कार्यरत स्थाई चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की मृत्यु हो जाने पर उनके आश्रित ने मृतक के स्थान पर अनुकम्पात्मक नियुक्ति हेतु निम्नानुसार आवेदन किया है :–

क्र. स.	मृतक का नाम	मृत्यु दिनांक	आवेदक का नाम	आवेदन दिनांक	मृतक से संबंध (आश्रित)	पद जिनके लिए आवेदन किया गया	पता
1.	स्व. पप्पू लाल पुत्र श्री बाबू लाल	01.02.2025	श्री अमन चांवरिया पुत्र स्व. श्री पप्पू	24.03.2025	पुत्र	सफाई कर्मचारी	निवासी–हरिजन बस्ती बुनकर कॉलोनी पश्चिम खातीपुरा जयपुर।

अतः उपरोक्तानुसार आवेदन के अनुकम्पात्मक नियुक्ति के आवेदन पर जोन द्वारा कार्यवाही की जा रही है। यदि किसी व्यक्ति/संस्था को इस सम्बन्ध में कोई आपत्ति है तो वह सक्षम साक्ष्यों सहित लिखित में अपनी आपत्ति जोन कार्यालय में 07 दिवस में प्रस्तुत करने का श्रम करे अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी एवं जोन द्वारा उक्त के सम्बन्ध में आगामी कार्यवाही की जायेगी।

उपायुक्त झोटवाड़ा जोन

राज.संवाद/सी/25/18489

संक्षिप्त

मलिकपुर, सान्दरसर में कांग्रेस की बैठक

चौमू/कालाडेरा । राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आव्हान पर चौमूं विधायक डॉ. शिखा मील बराला के नेतृत्व में मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान के अंतर्गत मंगलवार को चौमूं विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत मलिकपुर, सान्दरसर, आलीसर, हस्तेडा, डोला का बास एवं विमलपुरा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ जन-जागरूकता बैठकें आयोजित की गईं। बैठकों में मनरेगा योजना से जुड़े मुद्दों, श्रमिकों के अधिकारों, मज़दूरी भुगतान और रोज़गार की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। विधायक डॉ. शिखा मील बराला ने कहा कि मनरेगा केवल एक सरकारी योजना नहीं है, यह हमारे मेहनतकश और गरीब परिवारों का सम्मान, उनका रोजगार और आत्मनिर्भरता का अधिकार है। इसे कमजोर या बंद करने के किसी भी प्रयास को हम किसी भी हाल में सफल नहीं होने देंगे। उन्होंने सभी से अपील की कि वे मनरेगा बचाओ संठााम अभियान में बढ-चढकर भाग लें और इस प्रयास को सफल बनाने में योगदान दें। इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष, नगर अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, कांग्रेस प्रतिनिधि मंडल, स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ता एवं क्षेत्र के आमजन बडी संख्या में उपस्थित रहे और बैठक में सक्रिय भागीदारी निभाई।

मंत्री ने गणतंत्र दिवस को बोल दिया स्वतंत्रता दिवस

भरतपुर (निस)। भरतपुर के पुलिस परेड ग्राउंड में आज 77वां गणतंत्र दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान के ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने ध्वजारोहण किया।ध्वजारोहण के बाद मंत्री हीरालाल नागर ने उपस्थित अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और आमजन को संबोधित किया। इस दौरान भाषण देते समय मंत्री की ज़ुबान फिसल गई और उन्होंने गणतंत्र दिवस की जगह स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दे दीं। खास बात यह रही कि मंत्री लिखित भाषण पड़ कर बोल रहे थे, इसके बावजूद वे गणतंत्र दिवस के जगह पर स्वतंत्रता दिवस बोल गए। मंत्री की इस गलती को लेकर समारोह स्थल पर मौजूद अधिकारी और कर्मचारी आपस में चर्चा करते दिखाई दिए, हालांकि मंत्री को इस गलती पर टोकने की किसी ने हिम्मत नहीं की। कार्यक्रम निर्धारित समयानुसार आगे बढ़ता रहा। गौरतलब है कि गणतंत्र दिवस देश के संविधान लागू होने का प्रतीक है और इसे हर वर्ष 26 जनवरी को मनाया जाता है, जबकि स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को मनाया जाता है। मंत्री के इस भाषण को लेकर समारोह के बाद राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारों में भी चर्चा होती रही।

'व्यापक जन आंदोलन होगा'

भरतपुर (निस)। भरतपुर विकास प्राधिकरण द्वारा स्कीम-10 की भूमि में से आर बी एम हॉस्पिटल के विस्तार हेतु आवश्यक भूमि आवंटित न किए जाने के विरोध में जन आक्रोश तेज होता जा रहा है। इसी क्रम में भरतपुर शहर में जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों एवं विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों के पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पूर्व सांसद पं. राम किशन ने की। बैठक में भरतपुर विधायक डॉ. सुभाष गर्ग, समृद्ध भारत अभियान के निदेशक सीताराम गुप्ता, खण्डेलवाल समाज के सुरेश मेठी सहित शहर के विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं समाजों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

टोंक में गणतंत्र दिवस पर 49 प्रतिभाओं का सम्मान

टोंक। जिले में 77वां गणतंत्र दिवस सोमवार को बेहद हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिला स्तरीय मुख्य समारोह पुलिस लाइन ग्राउण्ड में आयोजित किया गया, जहां समारोह के मुख्य अतिथि जलदाय और भू जल विभाग के मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने सुबह 9 बजे ध्वजारोहण किया।

समारोह में मुख्य अतिथि के परेड निरीक्षण के बाद आरएसी, राजस्थान पुलिस, राजस्थान महिला पुलिस, होम गार्ड, एनसीसी, स्काउट्स एवं गाइड की टुकडियां मंच से सलामी लेते हुए गुजरी। आरएसी एवं राजस्थान पुलिस के बैंडों ने राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत धुनें बजाईं।

मुख्य अतिथि ने वीरांगनाओं एवं उनके परिजनों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। साथ ही, जिले में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 49 प्रतिभाओं को प्रमाण-पत्र और स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। अतिरिक्त जिला कलेक्टर रामरतन सौकरिया ने राज्यपाल महोदय के संदेश का पठन किया।

समारोह में विद्यालय की छात्राओं ने सामूहिक देश भक्ति नृत्य प्रस्तुत किये। योग ड्रिल टीम एवं विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने सामूहिक व्यायाम प्रदर्शित किया। इसके अलावा केंद्र व राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित झांकियां निकाली गईं। जिसमें जिला परिषद, चिकित्सा, शिक्षा, वन, पुलिस, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, महिला एवं बाल विकास एवं कृषि विभाग की झांकियां शामिल रहीं।

टोंक में भू जल विभाग के मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने सुबह 9 बजे ध्वजारोहण कर मार्च पास्ट की सलामी ली।

- जलदाय एवं भू जल मंत्री ने किया ध्वजारोहण

इस अवसर पर देवली उनियारा विधायक राजेंद्र गुर्जर, जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मीना, पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनापुरिया, पूर्व सभापति लक्ष्मी जैन, सीईओ परशुराम धानका, एडीएम रामरतन सौकरिया, एसडीएम हुक्मीचंद रोहलानिया समेत जिला स्तरीय अधिकारी, जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। मंच संचालन कवि प्रदीप पंवार एवं स्कूल व्याख्याता कुसुमलता विजयवर्गीय ने किया। इसी कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रगीत वन्दे मातरम की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में वंदे मातरम के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एव राष्ट्रीय महत्व को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन एवं सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित जिला स्तरीय प्रदर्शनी का गणतंत्र दिवस के अवसर पर पीएचईडी मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने अवलोकन किया।

उन्होंने प्रदर्शनी में प्रदर्शित सामग्री की सराहना करते हए कहा कि इस प्रकार के आयोजन आम जन में देशप्रेम की भावना को अधिक सुदृढ करते हैं।

यातायात पुलिस कर्मी सम्मानित

पावटा। सडक सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में अहम भूमिका निभा रहे यातायात पुलिस कर्मियों गिरधारी लाल एएस आई, मनोज कुमार यादव का एक कार्यक्रम के दौरान स्वागत व सम्मान किया गया। इस अवसर पर उपस्थित पप्पू, अजीत सिंह यादव, योगेश यादव, महेश यादव, रामसिंह यादव, धर्मेंद्र चौधरी, मुकेश सैनी, राहुल योगी, दिलीप, विक्रम, नरेश मीणा, घनश्याम सैनी, राकेश यादव सहित जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक संगठनों द्वारा पुलिसकर्मियों को माला पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि यातायात पुलिसकर्मी दिन-रात कठिन परिस्थितियों में ड्यूटी करते हुए आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। उनकी मेहनत और अनुशासन से ही सडकों पर व्यवस्था बनी रहती है। कार्यक्रम के दौरान यातायात नियमों के पालन और सडक सुरक्षा को लेकर भी आमजन को जागरूक किया गया।

पावटा में प्रागपुरा-मालेरा सड़क का शिलान्यास

पावटा। प्रागपुरा पाछूंडाला एमडीआर सड़क से मालेरा के जोहड होते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग 48 तक प्रस्तावित 7.5 मीटर चौडाई की डामर सडक के निर्माण को लेकर विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड के मुख्य आतिथ्य में भव्य शिलान्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

लंबे समय से प्रतीक्षित इस सडक के निर्माण से प्रागपुरा, पाछूंडाला, मालेरा सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों को सीधा लाभ मिलेगा और आवागमन पहले से अधिक सुगम व सुरक्षित होगा। शिलान्यास कार्यक्रम में विधायक धनकड सहित जनप्रतिनिधियों ने विधिवत पूजा-अर्चना कर निर्माण कार्य की शुरुआत करवाई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण, पंचायत प्रतिनिधि एवं सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस दौरान विधायक धनकड़ ने कहा कि यह सड़क ग्रामीण विकास, कृषि परिवहन और व्यापारिक गतिविधियों को नई गति देगी। सड़क निर्माण से क्षेत्र के लोगों को राष्ट्रीय राजमार्ग-48 तक सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी, जिससे समय और ईंधन दोनों की बचत होगी। इस सडक की वर्षों से क्षेत्रवासियों की मांग थी, जो अब पूरी होने जा रही है। 7.5 मीटर चौडी यह सड़क आधुनिक मानकों के अनुरूप बनाई जाएगी। सड़क बनने से किसानों को फसल मंडी तक पहुंचाने में सुविधा मिलेगी। ग्रामीण क्षेत्रों को राष्ट्रीय राजमार्ग से जोड़ना हमारी प्राथमिकता है। यह मार्ग व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच आसान बनाएगा। निर्माण कार्य की गुणवत्ता और समयबद्धता पर विशेष ध्यान रखा जाएगा। जनता के विश्वास पर खरा उतरते हुए विकास कार्य लगातार जारी रहेंगे। शिलान्यास कार्यक्रम के बाद ठाामीणों में उत्साह देखा गया और उन्होंने सडक निर्माण को क्षेत्र के विकास की दिशा में बडा कदम बताया। इस दौरान उपखंड अधिकारी पावटा साधना शर्मा, तहसीलदार लोकेंद्र मीणा, जिला उपाध्यक्ष व पूर्व कृषि मंडी अध्यक्ष सुरेश गिठाला, जिला पार्षद तेजपाल धनवाड़िया, पंचायत समिति नेता लाल चंद यादव, सामाजिक कार्यकर्ता गोपाल अठावाल, पूर्व सरपंच प्रहलाद माठ, पावटा क्रय विक्रय सहकारी समिति अध्यक्ष भरत मल यादव, राजेंद्र यादव, धुडमल, रूडाराम, भाजपा नेता हरि कपूरिया सहित भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता व बडी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

- 7.5 मीटर चौड़ी सड़क से बदलेगी क्षेत्र की तस्वीर

शिविर में स्वास्थ्य जांच की

पावटा। उपखंड पावटा के ग्राम राजनोता में 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर पल्स हॉस्पिटल के तत्वावधान में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना तथा लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना रहा। यह शिविर सामाजिक कार्यकर्ता श्री दिलावर सिंह शेखावत के सहयोग से संपन्न हुआ।

स्वास्थ्य शिविर में चिकित्सकों की टीम हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. विवेक सिंह, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. सुमन गुर्जर, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. राजकुमार, ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. विराली पटेल, आयुर्वेदाचार्य डॉ. योगेश, योगाचार्य श्री रजत द्वारा ब्लड प्रेशर, शुगर, वजन, सामान्य रोगों की जांच के साथ-साथ मरीजों को आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श भी दिया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

चौमू विधायक डॉ. बराला की मौजूदगी में सामुदायिक भवन का लोकार्पण

विधायक कोटे से निर्मित सामुदायिक भवन का लोकार्पण समारोह पूर्वक किया।

चौमू / कालाडेरा । चौमू विधायक डॉ. शिखा मील बराला ने बतौर मुख्य अतिथि ग्राम पंचायत विजयसिंहपुरा के ग्राम समरपुरा (बाँसा) स्थित भोमिया जी मंदिर के पास विधायक कोटे से निर्मित 8 लाख रुपये लागत के सामुदायिक भवन का लोकार्पण मंगलवार को किया।

लोकार्पण कार्यक्रम की अध्यक्षता रजनी मीणा प्रशासक ग्राम पंचायत विजयसिंहपुरा ने की। लोकार्पण के दौरान विधायक डॉ. शिखा मील बराला ने कहा, कि चौमूं क्षेत्र का हर विकास कार्य जनता तक समय पर पहुँचाना हमारी प्राथमिकता है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, संचार और सामुदायिक सुविधाओं का विस्तार का कार्य हर क्षेत्र में काम तेजी से जारी है। डॉ. शिखा मील बराला ने आश्वासन दिया कि क्षेत्र के विकास और जनकल्याण के प्रयास निरंतर जारी रहेंगे और आने वाले समय में भी हर योजना का लाभ जनता तक पहुँचाने के लिए पूरी तत्परता से काम किया जाएगा। आपके सहयोग से हम हर पहल को सफल बनाएंगे और विकास की गति को और बढ़ाएंगे। इस दौरान चौमूं पश्चिम ब्लॉक अध्यक्ष गिरिराज देवंदा, कालूराम दादरवाल,मोहनलाल मीणा, जीतू जाट, चौथमल मास्टर, हरफूल जाट, गोपी रुंडला, बाबूलाल सैनी, महाराज हरफूल मीणा सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद थे।

बड़ी संख्या में मृत गौवंश मिले, गौ रक्षकों में आक्रोश

पावटा । गौ माता की रक्षा के दावों के बीच एक बेहद शर्मनाक और हृदय विदारक मामला सामने आया है। उपखंड पावटा के ग्राम भूरी भडाज स्थित श्री कृष्णा गौशाला के पास खुले मैदान में बड़ी संख्या में मृत गौवंश के शव मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय ग्रामीण और गौ सेवक मौके पर पहुंच गए।

नदी में पडे गायों के शव देखकर गोरक्षकों के सदस्यों ने गहरी नाराजगी जताते हुए गौशाला प्रबंधन पर लापरवाही के आरोप लगाए। गौ रक्षकों के अनुसार शवों की हालत देखकर यह अंदेशा जताया जा रहा है कि मृत गौवंशो की अवैध रूप से खाल उतारी गई और अवशेषों को खुले में फेंक दिया गया।

मौके पर बदबू और बिखरे अवशेषों से यह मामला कई दिनों पुराना प्रतीत हो रहा है। घटना से गौभक्तों में भारी रोष व्याप्त है। लोगों का कहना है कि गौशाला के आसपास इस तरह की गतिविधियां होना प्रशासन और संबंधित विभागों की लापरवाही को दर्शाता है। गौरक्षकों सहित ग्रामीणों ने कहा कि इस तरह नदी में गायों के शव मिलना अत्यंत निंदनीय है और मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

उन्होंने इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच तथा दोषियों के खिलाफ कडी कार्रवाई की मांग की है। वहीं, गौशाला प्रबंधक व ग्रामीणों ने आरोपों को खारिज करते हुए बताया कि यह वही नदी है, जहां आसपास के क्षेत्रों के लोग भी मृत पशुओं को आकर फेंक जाते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस घटना में गौशाला की कोई भूमिका नहीं है। सूचना मिलने पर उपखंड अधिकारी पावटा साधना शर्मा के निर्देशों पर पावटा तहसीलदार लोकेंद्र मीणा, प्रागपुरा थाना प्रभार भजनाराम व पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है।

'जहां सन्तों के चरण पड़े वह जगह तीर्थ बन जाती है'

निवाई । सकल दिगम्बर जैन समाज निवाई के तत्वावधान में आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी संघ का गाजे बाजे के साथ मंगल प्रवेश हुआ। जहां जैन समाज ने चरण प्रक्षालन करते हुए भव्य अगुवानी की। कार्यक्रम का शुभारंभ रेणू भाणजा द्वारा मंगलाचरण करके किया गया। जैन समाज के मीडिया प्रभारी सुनील भाणजा व विमल जौंला ने बताया कि आर्यिका माताजी गांव रजवास से विहार कर मंगलवार को सुबह निवाई शहर में पहुंचे।

जहां बेंड बाजों के साथ पहाड़ी चुंगी नाका, वैयरहाउस, बड़ा जैन मंदिर, चतुर्भुज बाजार, बिचला जैन मंदिर, चोहट्टी बाजार, खारी कुंई होते हुए सन्त निवास नसियां जैन मंदिर पहुंचे। जहां नेमीचंद गंगवाल, महावीरप्रसाद पराणा, नवरत्न टोंग्या, विष्णु बोहरा, शंभु कठमाणा, मोहित चंवरिया, सुरेन्द्र माधोराजपुरा, दिलीप भाणजा, अमित कटारिया, लालचंद कठमाणा, हुकमचंद जैन, महेन्द्र चंवरिया, कमलेश झिलाय व मनोज पाटनी सहित कई श्रद्धालुओं ने आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी के पाद प्रक्षालन करके अगुवानी की। उन्होंने बताया कि आचार्य वर्धमान सागर महाराज संघ एवं आर्यिका माताजी संघ का जयधोष के साथ चतुर्विंध संघ चरण वन्दना करते प्रक्षालन हुआ।

इस दौरान आचार्य वर्धमान सागर महाराज एवं जैन मुनि हितेन्द्र सागर महाराज संघ एवं आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी संघ के समक्ष समाज द्वारा श्रीफल चढ़ाकर 28 जनवरी को आयोजित मान स्तम्भ मस्तकाभिषेक समारोह में शामिल होने के लिए अनुनय विनय के साथ निवेदन किया। आचार्य वर्धमान सागर महाराज ने कहा कि वर्तमान समय में अतिशय क्षेत्र पदमपुरा, स्वस्ति धाम तीर्थ, अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी, कुण्डलपुर बड़े बाबा तीर्थ सहित कई जैन तीर्थ स्थल तपोभूमिया है।

सार-समाचार

विजयपाल सैनी व कृष्ण कुमार वर्मा सम्मानित

शाहपुरा । शाहपुरा शहर के नोडल केंद्र श्री कल्याण सिंह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में सोमवार को आयोजित उपखंड स्तरीय 77 वां गणतंत्र दिवस समारोह में शाहपुरा के विजयपाल सैनी व मनोहरपुर निवासी कृष्ण कुमार वर्मा को पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर उपखण्ड स्तर पर सम्मानित किया गया। समारोह में सैनी व वर्मा को उपखंड अधिकारी एवं उपखंड मजिस्ट्रेट शाहपुरा संजीव खेदड, शाहपुरा विधायक मनीष यादव, शाहपुरा नगरपरिषद आयुक्त शुभम गुप्ता, तहसीलदार नानूराम यादव, नोडल अधिकारी रुडमल कपूरिया के द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। उपखंड स्तर पर सम्मानित होने पर भाजपा मंडल अध्यक्ष रामचन्द्र यादव, महामंत्री उपेंद्र कुमार आत्रेय, सामाजिक कार्यकर्ता संपूर्णानंद शर्मा, पप्पू रामवतार असवाल, महिपाल सिंह गुर्जर, जगदीश गुर्जर, जयराम, घनश्याम सहित कई गणमान्य लोगों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

निवाई में 72 प्रतिभाएं सम्मानित

निवाई। गणतंत्र दिवस पर कृषि उपज मंडी परिसर में आयोजित मुख्य समारोह में एसडीएम प्रीति मीणा द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों एवं प्रतिभावान छात्र-छात्राओं सहित 72 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। एसडीएम प्रीति मीणा ने कहा कि प्रतिभाएं हमारे देश का गौरव है। इनका संरक्षण करना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। प्रतिभाएं देश की धरोहर हैं। इनके सम्मान से प्रतिभाओं का मनोबल बढता है। उन्होंने बताया कि उत्कृष्ट कार्य करने पर आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी हरीश टेलर, नर्सिंग ऑफिसर राजेशसिंह बैरवा, कृषि पर्यवेक्षक बनवारीलाल बैरवा, महिला पर्यवेक्षक अंजली पाठक, सहायक वनपाल मोहनलाल मीणा, छीतरमल गुर्जर, लोकेशकुमार मीणा, मनोजलाल मीणा, कजोडमल बैरवा, ज्योति मंडोरा, देवराज बैरवा, रामअवतार सैनी, कपिल शर्मा, मोनू चौधरी, सुनीलकुमार गुर्जर, प्रियंका तंवर, पप्पूलाल मीणा, धर्मचंद चौधरी, हरकेश मीणा, दयाराम, शंकर लाल, कप्तान सिंह, प्रधानाध्यापिका हेमलता विजयवर्गीय, राकेशकुमार मीणा, पुष्पेंद्र सिंह राजावत, विनोद कुमार जैन, मुकेश मीणा, सौरभ माथुर, प्रद्युम्न सिंह गुर्जर, बनवारी लाल, कुलदीप, कन्हैयालाल जाट, शारीरिक शिक्षक सिकंदर खान, वर्तिका भारद्वाज, दीपककुमार विजय, केदारप्रसाद शर्मा, सुमन विजयवर्गीय, रामलखन गुर्जर, पप्पूलाल मीणा, कुलदीप जांगिड, काजोडमल मेहरा, छात्रा अंतिमा शर्मा, मनीष गुर्जर, कविता गुर्जर, पीतांबर, लक्ष्मी मीणा, मुकेश पारीक, रामजीलाल जाट, एडवोकेट रमेशचंद शर्मा, पत्रकार लक्ष्मीचंद शर्मा, संजय तिवारी, दिनेश शर्मा, बाबूलाल पोसवाल, राकेश जैन चंवरिया, मांगीलाल महावर, संत दिनेशदास नागा, शंकरलाल अटल, रूपसिंह अधाणा, स्नेहलता शर्मा, पर्यावरणविद उमरावसिंह राजावत, सामाजिक कार्यकर्ता लखन चौधरी, समाजसेवी सुरेंद्रसिंह राजावत, सुरेश राजवंशी एवं रामभजन गुर्जर को शील्ड व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

हिंदू सम्मेलन का भव्य आयोजन

टोंक। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष में बीते दिन सोमवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में विराट हिंदू सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया, इस सम्मेलन में समाज, संस्कृति, पर्यावरण और राष्ट्र निर्माण जैसे विषयों पर गहन चर्चा की गई। सम्मेलन का प्रारम्भ महिलाओं द्वारा निकली गई 111 कलशों की यात्रा से हुई, कलश यात्रा के दौरान बालिकाओं ने शस्त्र कला का प्रदर्शन कर पराक्रम एवं महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि भूतेश्वर महादेव मंदिर जयपुर के संत महेश दास महाराज ने बताया कि जाति- पांति एवं उच्च- नीच का भेदभाव हमारी सनातन संस्कृति के लिए घातक है। महाराज ने गौ माता के महत्व के बारे में बताते हुए जन समुदाय से गौ रक्षा के लिए कार्य करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में महामण्डलेश्वर रामप्रियदास महाराज ने कहा कि सनातन धर्म सभी के हितों की रक्षा करता है, सम्मेलन से पहले शहर में रैली निकाली गई, जिसमें एकजुटता का संदेश दिया गया। सम्मेलन में पुरुषों ने वाहन रैली निकाली और महिलाओं ने भगवा ध्वज यात्रा में शिरकत की, लोग नाचते-गाते हुए कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महामण्डलेश्वर रामप्रियदास महाराज और सुरेश विजयवर्गीय ने अध्यक्षता की। अपने संबोधन में रामप्रियदास महाराज ने कहा- सनातन धर्म की विशेषता यह है कि वह सर्वे भवंतु सुखिनरू की परिकल्पना करता है। यह धर्म सभी के हितों की रक्षा करने वाला धर्म है। उन्होंने हिन्दू समाज को एकजुट करने का सन्देश दिया।

सम्मेलन की तैयारी

निवाई। ललवाडी गांव में हिंदू सम्मेलन की तैयारियों को लेकर धीरजसिंह सोलंकी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। जिसमें आसपास के सभी गांवों के ठाामीणों ने 8 फरवरी को आयोजित हिंदू सम्मेलन की रुपरेखा बनाई गई। इस दौरान साधु संतों का आगमन, भजन संकीर्तन, रामधुनी, हनुमान चालीसा एवं कलश यात्रा सहितकई कार्यक्रमों को लेकर चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि 8 फरवरी को कलश यात्रा गणेश मंदिर से रवाना होकर राजकीय विद्यालय तक जाएगी।

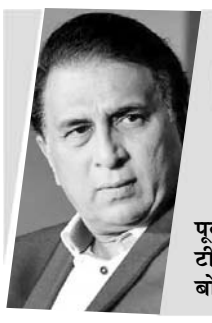

भारतीय टीम 'रेंज हिटिंग, टाइमिंग, रिदम, बैट फ्लो और पिक-अप' पर काम कर रहे हैं। इससे पता चलता है कि इस टीम का ध्यान पूरी तरह से अपने लक्ष्य पर केंद्रित है।

- सुनील गावस्कर

पूर्व भारतीय कप्तान, भारतीय टीम की तैयारियों को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

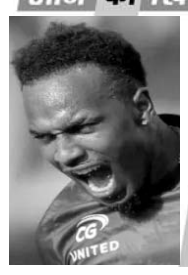

क्वेंटिन सैंपसन

वेस्टइंडीज ने भारत और श्रीलंका में होने वाले टी-20 विश्व कप के लिए अपनी 15 सदस्यीय दल में बल्लेबाज क्वेंटिन सैंपसन को शामिल किया है, जबकि तेज गेंदबाज अल्ज़ारी जोसेफ चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। यही टीम मंगलवार से पार्ल में शुरू हो रही तीन मैचों की सीरीज में दक्षिण अफ्रीका के ख़िलाफ खेलेगी। 2024 में पिछले टी20 विश्व कप की सह-मेजबानी करने वाली टीम की तुलना में निकोलस पूरन और आंद्रे रसेल जैसे बड़े नाम अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। लेकिन वेस्टइंडीज के पास अब भी जेसन होल्डर और जॉनसन चार्ल्स का अनुभव मौजूद है।

क्या आप जानते हैं ?... भारत ने सिर्फ 10 ओवरों में न्यूजीलैंड से मिले जीत के 154 के लक्ष्य को 60 गेंद रहते हासिल किया। यह टी-20 अंतरराष्ट्रीय के इतिहास में किसी भी पूर्णसदस्य देशों में किसी टीम द्वारा सबसे तेज रन चेज है।

पाकिस्तान ने न्यूज़ीलैंड को आठ विकेट से पीटा

नई दिल्ली, 27 जनवरी। क्रिकेट अंडर -19 पाकिस्तान हरारे अब्दुल सुभान (चार विकेट) और अली रजा (तीन विकेट) की घातक गेंदबाजी से पाकिस्तान ने न्यूज़ीलैंड को अंडर 19 विश्व कप के सुपर सिक्स के ग्रुप दो मुकाबले में मंगलवार को 197 गेंदें शेष रहते आठ विकेट से पीट दिया। न्यूज़ीलैंड को 28.3 ओवर में 110 रन पर ढेर करने के बाद पाकिस्तान ने 17.1 ओवर में दो विकेट पर 112 रन बनाकर एकतरफा जीत हासिल की। समीर मिन्हास ने नाबाद 59 गेंदों में 10 चौकों और दो छक्कों की मदद से नाबाद 76 रन की मैच विजयी पारी खेली। उस्मान खान ने 24 गेंदों पर 15 रन बनाये। सुपर सिक्स में पाकिस्तान की यह दूसरी जीत है। इससे पहले टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरे पाकिस्तान के लिए अब्दुल सुभान ने 11 रन पर चार विकेट और रजा ने 36 रन पर तीन विकेट लेकर न्यूज़ीलैंड की पारी को ध्वस्त कर दिया।

70वीं जूनियर राष्ट्रीय बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिताओं के लिए राजस्थान बालक एवं बालिका टीमों की घोषणा

जयपुर, 27 जनवरी। भारतीय बॉल बैडमिंटन महासंघ द्वारा 70वीं जूनियर राष्ट्रीय बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 28 जनवरी से 01 फरवरी 2026 तक इरोड, तमिलनाडु में किया जा रहा है। उक्त प्रतियोगिता में राज्य की जूनियर बालक एवं बालिका दोनों टीमें भाग लेने जा रही है। बाड़मेर में आयोजित जूनियर राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में खिलाडियों के प्रदर्शन के आधार पर दोनों टीमों का चयन किया गया है। राज्य संघ के महासचिव शौकत अली मंसूरी के अनुसार उक्त प्रतियोगिता में भाग लेने जा रही प्रदेश की चयनित टीमें इस प्रकार है :-

जूनियर बालक वर्ग :- हर्षित जांगिड़ (कप्तान), यथार्थ जरीवाल (उप कप्तान), राहुल माली, मनीष जांगिड़, नैतिक जाट, कुलदीप, विजय, हिमांशु, अंकुश, धर्मेंद्र सिंह। अब्दुल अब्बास (कोच), सलीम रज़ा (मैनेजर)।

जूनियर बालिका वर्ग :- कशिश खान (कप्तान), डिंपल माहेश्वरी (उप कप्तान), ट्विंकल जायसवाल, किरण बैरवा, पूनम हुड्डा, गुंजन सारण, दिया कुमारी, सोनम कुमारी, अक्षिता जींग, सपना कटारिया, लक्ष्मीकांत शर्मा (कोच), कुमकुम सोनी (मैनेजर)।

दौसा की बेटियों का धमाल- जिले से अंडर-23 महिला क्रिकेट में चार खिलाड़ियों का चयन

जयपुर, 27 जनवरी। जिला क्रिकेट संघ के सचिव बृज किशोर उपाध्याय ने बताया कि आरसीए द्वारा आयोजित अंडर -23 महिला चैलेंजर प्रतियोगिता जयपुर में पी एस ग्राउंड पर 28.01.2026 से आयोजित की जा रही है जिसके लिए जिले से 4 महिला खिलाड़ियों तानिका शर्मा, याना वर्मा, खुशी जैन और सोनम सैनी का चयन चैलेंजर प्रतियोगिता के लिए किया गया है। डीसीए सचिव बृजकिशोर उपाध्याय द्वारा यह भी बताया गया कि आरसीए द्वारा 28.01.2026 से यह चैलेंजर प्रतियोगिता आयोजित किया जाएगा जिसमें राजस्थान के सभी जिलों के खिलाड़ियों की टीम बनाकर प्रैक्टिस मैच और अभ्यास करवाया जाएगा। इन मैचों की परफॉर्मेंस के आधार पर राजस्थान की अंडर 23 महिला टीम बनाई जाएगी जो कि बीसीसीआई द्वारा आयोजित टूर्नामेंट में हिस्सा लेगी।दौसा जिले से चार महिला खिलाड़ियों का चयन दौसा क्रिकेट के लिए गर्व का विषय है।

ऑल इंडिया सब जूनियर प्रतियोगिता आज से राजस्थान की अन्वी राठौड़ को दूसरी वरीयता

जयपुर, 27 जनवरी। योनेक्स सनराईज सब जूनियर रैंकिंग प्रतियोगिता बुधवार से जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में शुरू होगी। प्रतियोगिता के पहले दिन योग्यता दौर के मैच खेले जाएंगे। योग्यता चक्र के मुकाबले एक फरवरी तक चलेंगे। मुख्य ड्रॉ के मैच 2 से 5 फरवरी तक होंगे। प्रतियोगिता में एकल, युगल व मिश्रित युगल के मुकाबले खेले जाएंगे। राजस्थान के 169 खिलाड़ी भी अपना दमखम दिखाएंगे। प्रतियोगिता में देषभर से 1489 खिलाड़ी भाग ले रहे है। बालक एवं बालिकओं के अंडर-15 व अंडर-17 प्रतियोगिता के मैच सवाई मानसिंह स्थित इण्डोर स्टेडियम एवं बैडमिंटन हॉल में खेले जायेंगे। मैचों के लिए कुल 16 कोर्ट तैयार किये गये हैं। पहले दिन करीब 500 मैच होंगे। प्रतियोगिता को लेकर खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह है और खिलाड़ी जमकर अभ्यास कर रहे है। सोमवार की रात चीफ रेफरी महाराष्ट्र के मीलिंद देषमुख जयपुर पहुंचे। उन्होनें तैयारियों का जायजा लिया। वह तैयारियों से संतुष्ट नजर आए। चीफ रेफरी ने तकनीकी अधिकारियों की बैठक ली तथा खिलाड़ियों अभिभावको की मौजूदगी में ड्रॉ भी निकाला। प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों की वरियता भी घोषित की गई। अंडर-15 बालक एकल वर्ग में श्रीचेतनशौर्य शामला को प्रथम तथा आदित्य सिंह नेगी को द्वितीय वरियता की दी गई है। अंडर-15 बालिका एकल वर्ग में हमसीनी चंदाराम को प्रथम तथा राजस्थान की अन्वी राठौड़ को द्वितीय वरियता दी गई है। अंडर-17 बालक वर्ग एकल में शषांक वनमला को प्रथम तथा विराज शर्मा को द्वितीय वरियता दी गई है। अंडर-17 बालिका वर्ग एकल में हतेयीश्री एलराजेष को प्रथम तथा आक्या सेठी को द्वितीय वरियता दी गई है। प्रतियोगिता के मैच कंट्रोलर उत्तर प्रदेष के प्रवीण राज होंगे।

विहान मल्होत्रा के नाबाद शतक से भारत ने ज़िम्बाब्वे को 204 रन से रौंदा

बुलावायो, 27 जनवरी। विहान मल्होत्रा (नाबाद 109) के शानदार शतक तथा उद्धव मोहन और आयुष म्हात्रे के तीन-तीन विकेटों की बदौलत से भारत ने जिम्बाब्वे को अंडर-19 विश्व कप के सुपर सिक्स के ग्रुप दो मुकाबले में मंगलवार को 204 रन से रौंदकर तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया।

भारत ने 50 ओवर में आठ विकेट पर 352 रन का विशाल स्कोर बनाने के बाद जिम्बाब्वे को 37.4 ओवर में 148 रन पर निपटा दिया। विवान को उनकी शानदार शतकीय पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार मिला। भारत ने ज़िम्बाब्वे को 353 रन के मुश्किल टारगेट का पीछा करते हुए सिर्फ़ 148 रन पर ऑल आउट करके 204 रन की बड़ी जीत हासिल की। चेज़ में कभी भी तेज़ी नहीं आई क्योंकि भारतीय गेंदबाज़ों ने शुरू से ही लगातार दबाव बनाए रखा और आखिरकार 38वें ओवर में पारी खत्म कर दी। लीरॉय चिवाउला (62), कियान ब्लिग्नॉट (37)और तातेंदा चिमुगोरो (29)ने बीच में कुछ हिम्मत और जुझारूपन दिखाया, लेकिन उनके पास भारत के अनुशासित अटैक का कोई जवाब नहीं था।

उद्धव मोहन और आयुष म्हात्रे गेंदबाज़ी में सबसे शानदार परफॉर्मर रहे, दोनों ने तीन-तीन विकेट लेकर ज़िम्बाब्वे की लाइनअप को बिखेर दिया। इस शानदार गेंदबाज़ी परफॉर्मेंस ने बल्ले से भारत के पहले के दबदबे को पूरी तरह से पूरा किया, जहाँ विहान मल्होत्रा के नाबाद शतक और वैभव सूर्यवंशी की विस्फोटक शुरुआत ने टीम के शानदार प्रदर्शन की नींव रखी, जिससे टूर्नामेंट में भारत की लय बनी हुई है। विहान ने भारत को ऐसे समय संभाला जब उसने अपने चार विकेट 130 रन पर गंवा दिए थे। विहान ने 107 गेंदों पर 109 रन की पारी में सात चौके लगाए। अभिज्ञान कुंडू ने 62 गेंदों में पांच चौके और एक छक्का लगाया। खिलन पटेल ने 12 गेंदों की अपनी आतिशी पारी में एक चौका और तीन छक्के लगाए।

ज़िम्बाब्वे ने पहले गेंदबाज़ी करने का फैसला किया और देखा कि भारतीय टॉप-ऑर्डर ने तेज़ी से शुरुआत की। वैभव सूर्यवंशी ने 30 गेंदों में चार चौकों और चार छक्कों की मदद से 52 रन बनाए और ज़्यादा रन बनाने की धमकी दी, लेकिन मेजबान टीम की तारीफ करनी होगी कि उन्होंने 3 विकेट लेकर वापसी की, जब भारत 11वें ओवर में 100 रन पर पहुँच गया था। 130 रन पर 4 विकेट गिरने के बाद, उन्हें उम्मीद रही होगी कि वे भारत को 250 के आसपास रोक लेंगे, लेकिन विहान मल्होत्रा ने बीच में समय बिताने का मौका उठाया।

उन्होंने स्कोरबोर्ड को चालू रखा और शानदार अभिज्ञान कुंडू (61) के साथ 5वें विकेट के लिए 113 रन जोड़े और फिर निचले क्रम के बल्लेबाज़ों के साथ उपयोगी पार्टनरशिप की। अभिज्ञान कुंडू ने 62 गेंदों में पांच चौके और एक छक्का लगाया। खिलन पटेल ने 12 गेंदों की अपनी आतिशी पारी में एक चौका और तीन छक्के लगाए।

पाक के टी-20 विश्वकप में खेलने पर अंतिम फैसला 2 फरवरी तक

इस्लामाबाद, 27 जनवरी। पाकिस्तान की टी20 विश्व कप 2026 में शिरकत को लेकर संशय बरकरार है। पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने इस मामले पर अंतिम मुहर लगाने के लिए "शुक्रवार या आगामी सोमवार" तक का समय दिया है। इस सिलसिले में नकवी ने सोमवार को मुल्क के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाक़ात कर विस्तृत चर्चा की। गौरतलब है कि दो दिन पहले ही नक़वी ने सार्वजनिक रूप से यह स्पष्ट कर दिया था कि टूर्नामेंट में हिस्सा लेने का आख़िरी अधिकार सरकार के पास है और बोर्ड सरकार के निर्देशों का ही पालन करेगा।

नक़वी ने ट्वीट किया, "प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ़ के साथ एक सकारात्मक बैठक हुई। मैंने उन्हें आईसीसी से जुड़े मामले की जानकारी दी और उन्होंने निर्देश दिया कि सभी विकल्प खुले रखते हुए इसका समाधान निकाला जाए। इस पर सहमति बनी कि भागीदारी को लेकर अंतिम फ़ैसला शुक्रवार या अगले सोमवार को लिया जाएगा।"

यह भी माना जा रहा है कि विश्व कप के पूर्ण बहिष्कार का विकल्प ही एकमात्र रास्ता नहीं है, जिस पर पीसीबी विचार कर रहा है। ऐसी भी अटकलें हैं कि एक सीमित विरोध दर्ज कराने के लिए 15 फ़रवरी को भारत के ख़िलाफ होने वाले हाई-वोल्टेज मुक़ाबले से हाथ पीछे खींचे जा सकते हैं। हालांकि, पीसीबी ने अब तक इस संभावित कदम पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

दिलचस्प बात यह है कि मोहसिन नकवी के बयान के ठीक अगले दिन ही बोर्ड ने टी20 विश्व कप के लिए पाकिस्तान की टीम की घोषणा कर दी थी। टीम के ऐलान के बावजूद, मुख्य चयनकर्ता आक़िब जावेद ने साफ किया कि टूर्नामेंट में पाकिस्तान की हिस्सेदारी और उसके स्वरूप को लेकर अंतिम फैसला सरकार के पाले में ही रहेगा। अगर नकवी के संकेत के मुताबिक पाकिस्तान अगले हफ़्ते तक फ़ैसला टालता है, तो यह काफ़ी देर से लिया गया निर्णय होगा।

सेमीफाइनल में भिड़ेंगे अल्काराज और ज्वेरेव

मेलबर्न, 27 जनवरी। कार्लोस अल्काराज मंगलवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन में करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने से सिर्फ़ दो जीत दूर रह गए, जहाँ उन्होंने मेलबर्न पार्क में अपने पहले सेमीफ़ाइनल में जगह बनाई जहाँ उनका मुकाबला पिछले साल के रनर-अप अलेक्जेंडर ज़्वेरेव के साथ होगा।

वर्ल्ड नंबर 1 ने एलेक्स डी मिनौर के नए तेज अटैकिंग खेल को झेला और आखिरकार उसे बेअसर कर दिया, और 7-5, 6-2, 6-1 से शानदार जीत हासिल की, जो रॉड लेवर एरिना में मौजूद दर्शकों के सामने एक बड़ा बयान था। अपने सातवें मेजर टाइटल और मेलबर्न में पहले का पीछा करते हुए, अल्काराज ने पिछले साल के रनर-अप अलेक्जेंडर ज़्वेरेव के साथ सेमीफ़ाइनल मुकाबले की तैयारी की।

अल्काराज ने कहा, "मैं पहले राउंड से ही हर मैच में जिस लेवल पर खेल रहा हूँ, उससे मैं बहुत खुश हूँ।मैं हर मैच में अपना लेवल बढ़ा रहा हूँ। मैं अपनी टीम से धैर्य रखने के बारे में बात कर रहा था, क्योंकि मैं अभी सब कुछ चाहता हूँ। लेकिन उन्होंने मुझसे धैर्य रखने को कहा, कि लेवल अपने आप आ जाएगा। आज मुझे बहुत सहज महसूस हुआ, शानदार टेनिस खेला, जिस पर मुझे बहुत गर्व है।"

डी मिनौर ने खेल के एलीट खिलाड़ियों, खासकर अल्काराज और जानिक सिनर को परेशान करने के लिए ज़रूरी ब्लूप्रिंट की एक झलक दिखाई, लेकिन मुकाबले ने आखिरकार उस अंतर को उजागर किया जो अभी भी उच्चतम स्तर पर मौजूद है। अल्काराज ने बेसलाइन से ज़ोरदार शॉट लगाए, और बिना कोई सेट हारे सेमीफ़ाइनल में पहुँचते हुए आत्मविश्वास के साथ खेल को नियंत्रित किया।

न्यूजीलैंड के खिलाफ 4-0 की बढ़त पर भारत की नजरें

विशाखापत्तनम, 27 जनवरी। इस समय भारतीय टीम में एक खास तरह का आत्मविश्वास है, और जैसे-जैसे न्यूज़ीलैंड के खिलाफ चौथा टी20 इंटरनेशनल मैच पास आ रहा है, यह आत्मविश्वास सीरीज की मुख्य और वायरल कहानी बन गया है। भारत ने पहले तीन गेम जीतकर पांच मैचों का मुकाबला पहले ही अपने नाम कर लिया है, लेकिन नतीजों से ज्यादा, उनके क्रिकेट के तरीके ने सबका ध्यान खींचा है।

हेड कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव के तहत, यह टीम इतने निडर इरादे से खेली है कि विरोधी टीम गेंद फेंके जाने से पहले ही अपने प्लान पर दोबारा सोचने लगती है। यह साफ सोच, तेज एग्जीक्यूशन और सबसे जरूरी, इस विश्वास के साथ खेला जाने वाला क्रिकेट है कि कोई भी टारगेट बहुत बड़ा नहीं है और कोई भी स्थिति बहुत मुश्किल नहीं है।

इस कहानी के केंद्र में अभिषेक शर्मा हैं। युवा ओपनर ने ऐसे बैटिंग की जैसे उन्हें एक आसान सा निर्देश दिया गया हो: बॉल देखो, बॉल मारो, और जोर से मारो। नागपुर में 35 गेंदों पर उनके 84 रन और गुवाहाटी में सिर्फ़ 20 गेंदों पर जबरदस्त 68 रन कोई लापरवाही नहीं थी, बल्कि सोचा-समझा अग्रेसन था-ऐसा अग्रेसन जो बॉलिंग टीम को पहले तीन ओवर में ही बैकफुट पर ला देता है। पुराने जमाने की भाषा में कहें तो, उन्होंने गेम जल्दी ही छीन लिया, और यह भारत के लिए बहुत कीमती रहा है।

कैप्टन सूर्यकुमार यादव की फ़ॉर्म में वापसी ने कहानी में एक और परत जोड़ दी है। 2025 की शुरुआत में एक खराब दौर के बाद, वह हर तरह से ऐसे बैटर दिखे हैं जो दो ओवर के अंदर मैच बदल सकते हैं। जहाँ कोई गैप नहीं लगता, वहाँ गैप ढूँढ़ने की उनकी काबिलियत ने एक बार फिर सभी को याद दिलाया है कि वह भारत के टी20 प्लान में इतने जरूरी क्यों हैं। रायपुर में ईशान किशन की वापसी वाली पारी, जो आज़ादी और कॉन्फिडेंस के साथ खेली गई, ने भारत के बैटिंग रिजर्व की गहराई को और दिखाया है।

भारतीय थिंक-टैंक को शायद सबसे ज़्यादा खुशी टीम के बैलेंस से हुई है। शिवम दुबे, रिंकू सिंह और हार्दिक पांड्या के साथ मिडिल ऑर्डर ने बिना ज़्यादा दिखावे के ठीक-ठाक काम किया है, जबकि बॉलर्स ने एक अच्छी तरह से प्रैक्टिस की हुई यूनिट की तरह काम किया है। जसप्रीत बुमराह ने कंट्रोल और इंटेलिजेंस के साथ लीड किया है, अर्शदीप सिंह ने लेफ्ट-आर्म वैरायटी दी है, और स्पिनर्स ने इंडियन कंडीशंस का इस्तेमाल मिस्ट्री के बजाय मैच्योरिटी के साथ किया है।

क्रिकेट, हमेशा की तरह, एक बेहतरीन लेवलर बना हुआ है, लेकिन इस समय, इंडिया मॉडर्न टी20 क्रिकेट की जरूरतों के हिसाब से एक टीम दिख रही है। अगर कॉन्फिडेंस किसी चीज के लिए मायने रखता है, और आमतौर पर रखता है, तो इस सीरीज की वायरल स्टोरीलाइन सिंपल है: इंडिया सिर्फ़ जीत नहीं रहा है, वे एक स्टेटमेंट दे रहे हैं।

भारतीय टीम: सूर्यकुमार यादव (कैप्टन), अभिषेक शर्मा, यशस्वी जायसवाल, ईशान किशन (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, रिंकू सिंह, शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, कुलदीप यादव।

न्यूजीलैंड टीम: मिशेल सेंटनर (कप्तान), डेवोन कॉनवे, टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), रचिन रवींद्र, ग्लेन फिलिप्स (विकेटकीपर), मार्क चैपमैन, डेरिल मिशेल, जेम्स नीशम, काइल जैमीसन, मैट हेनरी, ईश सोढ़ी, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन।

खेल कराटे स्कूल गेम्स-सीजन 3 ने रचा नया कीर्तिमान

जयपुर, 27 जनवरी। जयपुर में खेल कराटे स्कूल गेम्स - सीज़न 3 का भव्य एवं सफल आयोजन ज्ञान विहार स्कूल में शनिवार और रविवार को किया गया। इस राष्ट्रीय स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में देश के 16 से अधिक राज्यों के 100 से ज्यादा स्कूल के खिलाड़ियों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। समापन समारोह के अवसर पर 3 लाख 50 हज़ार की राशि विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी, मेडल और प्रमाण पत्र के साथ प्रदान की गई। आयोजन का नेतृत्व धनंजय त्यागी ने निभाया जिनके मार्गदर्शन में प्रतियोगिता पूरी गरिमा, अनुशासन और खेल भावना के साथ संपन्न हुई। संस्था के प्रेसिडेंट आकाश सिंह एवं सेक्रेटरी मोहित शर्मा ने बताया कि टीम चैंपियनशिप में प्रथम स्थान जे.एस.सी. सीनियर सेकेंडरी स्कूल, जोबनेर; दूसरा स्थान आईएमएए अकादमी जयपुर और तीसरा स्थान नॉलेज सिटी स्कूल अलवर ने प्राप्त किया। सर्वश्रेष्ठ कोच श्रेणी में उत्कृष्ट योगदान के लिए गौतम सिंह (दिल्ली) को पहला स्थान, दीपक सैनी (अलवर) को दूसरा और रजनी भंसाली (भीलवाड़ा) को तीसरे स्थान से सम्मानित किया गया। सुपर गोल्ड वर्ग में बालक वर्ग में अंडर-7 आरुष दास, अंडर-8 अतुल्य द्विवेदी, अंडर-10 वियान जैन, अंडर-12 देवांश सिंह, अंडर-14 देवम त्रिवेदी, अंडर-16 कार्तिक यादव और सीनियर ओपन में पवन जांगिड़ विजेता रहे, जबकि बालिका वर्ग में अंडर-8 वेदित्या राठौड़, अंडर-10 नैनिका नाथ, अंडर-12 ज़ील चोक्सी, अंडर-14 गरिमा बालोतिया, अंडर-19 श्रेय पटिल और सीनियर ओपन में खुशबू पंवार ने सुपर गोल्ड खिताब जीता। आयोजन को अभिभावकों और खेल प्रेमियों से भरपूर सराहना मिली।

नवनीत इमेजिंग ने मंगलम-लिबर्टी को हराया

जयपुर, 27 जनवरी। डॉक्टर्स प्रीमियर लीग एक अनूठी क्रिकेट लीग है जो आईपीएल की तर्ज़ पर डॉक्टरों के बीच खेली जाती है। इस बार सीज़न-18 में 20 टीमें भाग ले रही हैं। प्रत्येक वर्ष की भांति इस बार भी ये लीग एक सामाजिक संदेश के साथ खेली जा रही है जिसमें स्तन कैंसर के प्रति जागरूकता का प्रचार प्रसार होगा । डॉक्टर्स सोशल वेलफेयर सोसाइटी के तत्वाधान में आयोजित होने वाली डॉक्टर्स प्रीमियर लीग की आयोजन समिति के सदस्य डॉ निर्भय कुलश्रेष्ठ और डॉ गिरीश चौहान ने बताया कि डीपीएल के मैच में मंगलम-लिबर्टी टीम ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए निर्धारित 20 ओवर्स में डॉ नरेश जैन के 45 रन और डॉ सिद्धार्थ गुप्ता के 22 रन की मदद से 7 विकेट के नुक़सान पर 126 रन बनाए । मैन ऑफ़ द मैच डॉ विक्रम मीणा ने 3 विकेट और डॉ करुणा सागर ने 2 विकेट लिए। परंतु नवनीत इमेजिंग ने 4 विकेट के नुकसान पर 18.3 ओवर्स में लक्ष्य हासिल कर लिया।

अंडर-23 ट्रॉफी में राजस्थान ने आसाम को पारी व 64 रनों से हराया

राजस्थान की जीत में अंतिम दिन गेंदबाज दीपेंद्र सिंह व चेतन शर्मा का शानदार प्रदर्शन

जयपुर, 27 जनवरी। राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी मे जयपुर में के एल सैनी स्टेडियम पर खेले जा रहेराजस्थान - असम अंडर 23 मैच के अंतिम दिन राजस्थान के गेंदबाजों ने आसाम को पारी व 64 रनो से हराया। राजस्थान पहली पारी 480 आल आउट। आसामपहली पारी 230 आल आउट। टीम के लिए सुमित 81 व राजवीर 77 रन। राजस्थान के गेंदबाजगणेश सुथार 44/4, मोहित छांगरा 31/3 व अनिरुद्ध सिंह चौहान 44/3 व विकेट प्राप्त किये। आसाम दूसरी पारी 186 आल आउट।राजस्थान के गेंदबाज चेतन शर्मा 31/3, दीपेंद्र सिंन्ह 40/3, अनिरुद्ध सिंन्ह 18/2 व मोहित छांगरा 65/2 विकेट प्राप्त करते हुए राजस्थान को बड़ी जीत दिलाई। राज्य स्तरीय अंडर 23 वीमेन चैलेंजर ट्रॉफी कल से जयपुर में खेली जाएगी। राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में कल से जयपुर में राज्य स्तरीय अंडर 23 वीमेन चैलेंजर ट्रॉफी खेली जाएगी।

नंबर 1 सबालेंका का सेमीफाइनल में स्वितोलिना से मुकाबला

मेलबर्न, 27 जनवरी। दुनिया की नंबर 1 आर्यना सबालेंका ने मंगलवार को मेलबर्न में तेज गर्मी को नजरअंदाज करते हुए ऑस्ट्रेलियन ओपन के क्वार्टर फाइनल में टीनएजर इवा जोविक को हरा दिया। सबालेंका ने 2023 और 2024 में मेलबर्न पार्क में जीता अपना टाइटल वापस पाने की तरफ एक और कदम बढ़ाया।

टूर्नामेंट के पहले हफ़्ते में कुछ पल ऐसे भी थे जब सबालेंका का फ़ॉर्म ठीक नहीं था, लेकिन उन्होंने 18 साल की जोविक पर 89 मिनट में 6-3, 6-0 से जीत हासिल करते हुए तेज और शांत खेल दिखाया।

स्कॉटलैंड ने पुरुष टी-20 विश्वकप के लिए टीम घोषित की

एडिनबर्ग, 27 जनवरी। नए हेड कोच ओवेन डॉकिन्स की देखरेख में और रिची बेरिंगटन की कप्तानी में, स्कॉटलैंड ने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में अपनी सातवीं भागीदारी के लिए टीम की घोषणा की है। इस यूरोपीय टीम ने लगभग दो दशक पहले 2007 में टूर्नामेंट के पहले संस्करण में भी भाग लिया था। ज़ैनुल्लाह एहसान को पहली बार टीम में शामिल किया गया है, यह अफ़ग़ान मूल का तेज गेंदबाज़ हाल ही में स्कॉटलैंड के लिए खेलने के योग्य हुआ है।

टीम में पूर्व न्यूज़ीलैंड अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी टॉम ब्रूस भी शामिल हैं, जो उनकी बल्लेबाज़ी लाइनअप को मज़बूत करेंगे। 34 वर्षीय ब्रूस ने स्कॉटलैंड के लिए खेलने से पहले ब्लैक कैप्स के लिए 17 टी20 मैच खेले हैं। आईसीसी के अनुसार, क्रिकेट स्कॉटलैंड के हेड ऑफ परफॉर्मेंस स्टीव स्नेल को उम्मीद है कि टीम उपमहाद्वीप की परिस्थितियों में खेलने की विभिन्न चुनौतियों के लिए तैयार है।

बंगलादेश की जगह विश्व कप में शामिल किया गया स्कॉटलैंड इस कॉम्पिटिशन के ग्रुप सी का हिस्सा है और इंग्लैंड, इटली, नेपाल तथा वेस्टइंडीज का सामना करेगा। उनका पहला मैच 7 फरवरी को ईडन गार्डन्स में वेस्टइंडीज के खिलाफ होगा।

टीम: रिची बेरिंगटन, टॉम ब्रूस, मैथ्यू क्रॉस, ब्रैडली करी, ओलिवर डेविडसन, क्रिस ग्रीव्स, ज़ैनुल्लाह एहसान, माइकल जोन्स, माइकल लीस्क, फिनले मैकक्रीथ, ब्रैंडन मैकमुलेन, जॉर्ज मुन्से, सफ्यान शरीफ, मार्क वाट, ब्रैडली व्हील।

ट्रैवलिंग रिजर्व: जैस्पर डेविडसन, जैक जार्विस, नॉन-ट्रैवलिंग रिजर्व: मैकेंज़ी जोन्स, क्रिस मैकब्राइड, चार्ली टियर।

जयपुर पोलो सीजन 2026 : ऑप्टिमस अचीवर्स, जिंदल बेदला और जयपुर टीमें जीती

जयपुर में पोलो मैच देखने पहुंचीं एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा

जयपुर, 27 जनवरी। जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत आयोजित पहला मैच वी पोलो और ऑप्टिमस अचीवर्स के बीच पीपीसी ग्राउंड पर आयोजित हुआ। दूसरा मैच पीपीसी ग्राउंड पर जिंदल बेदला और चांदना पोलो के बीच खेला गया और वहीं, तीसरा मुकाबला राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर जयपुर और थंडरबोल्ट के बीच हुआ।

वी पोलो और ऑप्टिमस अचीवर्स के बीच टक्कर

इस मैच में ऑप्टिमस अचीवर्स ने वी पोलो को 5-3.5 के स्कोर से हराकर मैच जीत लिया। यहां टीम वी पोलो को आधे गोल का एडवांटेज मिला। ऑप्टिमस अचीवर्स से ध्रुवपाल गोदारा ने 4 गोल हासिल किए और डेनियल ओटामेंडी में 1 गोल किया। टीम से शमशीर अली और आर्यमान सिंह भी खेले। वहीं, वी पोलो से सैंटियागो मारम्बियो ने 3 गोल अर्जित किए। टीम से सलीम आजमी, विवान मेहता और मुकेश सिंह भी खेले।

जिंदल बेदला और चांदना पोलो के बीच टक्कर

इस टक्कर में टीम जिंदल बेदला विजेता रही। जिंदल बेदला ने शानदार 9.5-5 के स्कोर से चांदना पोलो को पराजित किया। यहां विजेता टीम जिंदल बेदला को आधे गोल का एडवांटेज भी मिला। टीम से सिद्धांत शर्मा ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए 6 गोल हासिल किए। वहीं, राव हिम्मत सिंह बेदला ने 2 गोल और सिमरन शेरगिल ने 1 गोल किया। टीम से वैंकटेश जिंदल भी खेले। दूसरी ओर टीम चांदना पोलो से डीनो धनखड़ ने 2 गोल किए। वहीं, अशोक चांदना,हुर्र अली और नवीन सिंह प्रत्येक ने 1-1-1 गोल अर्जित किया।

जयपुर और थंडरबोल्ट के बीच मुकाबला

इस मुकाबले में टीम जयपुर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम थंडरबोल्ट को शिकस्त दी। जयपुर ने 10-6.5 के स्कोर से थंडरबोल्ट को हराकर मैच जीत लिया। टीम जयपुर की ओर से हिज हाइनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 6 गोल हासिल किए। टीम से भवानी सिंह कालवी ने 3 और लांस वॉटसन ने 1 गोल किया। टीम से मिर्जा मोहम्मद बेग भी खेले। वहीं, टीम थंडरबोल्ट से समीर सुहाग ने 4 गोल और रविंद्र मांग ने 1 गोल किया। टीम से खेलने वाले अन्य खिलाड़ियों में मृत्युंजय सिंह चौहान और विशाल सिंह चौहान भी शामिल थे। यहां टीम थंडरबोल्ट को 1.5 गोल का एडवांटेज प्राप्त हुआ।

थंडर बोल्ट टीम के खिलाड़ी मृत्युंजय चौहान खेल के दौरान घोड़े से गिरे

थंडर बोल्ट टीम के खिलाड़ी मृत्युंजय चौहान खेल के दौरान घोड़े से गिर गए। वहां उन्हें सवाई पद्मनाभ सिंह ने संभाला। मौके पर मौजूद मेडिकल टीम ने तुरंत पहुंचकर उनका परीक्षण किया। इस कारण कुछ मिनटों के लिए खेल रोकना पड़ा। राहत की बात यह रही कि कुछ ही देर बाद मृत्युंजय चौहान पुन: अपने घोड़े के साथ मैदान में लौट आए और खेल जारी रहा।

सदन में सक्रियता के साथ सरकार का पक्ष मजबूती से रखें- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने भाजपा विधायक दल की बैठक में विधायकों से फ्लोर मैनेजमैंट पर व्यापक चर्चा की

जयपुर, 27 जनवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर बजट सत्र को लेकर भाजपा विधायक दल की बैठक ली। इस दौरान उन्होंने विधायकों के साथ फ्लोर मैनेजमेंट के संबंध में व्यापक चर्चा करते हुए उन्हें सदन के अंदर सक्रियता के साथ सरकार का पक्ष मजबूती से रखने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बुधवार को शुरू होने जा रहा बजट सत्र महत्वपूर्ण है। इस दौरान राज्य सरकार अपना समावेशी और सर्वस्पर्शी बजट पेश करेगी। यह जन आंकाक्षाओं का प्रतिबिंब होगा और प्रदेश के विकास को नई गति देगा। उन्होंने विधायकों से कहा कि वे राज्य सरकार के दो वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियों को प्रमुखता से सदन में उठाएं।

शर्मा ने कहा कि विधायक सदन के अंदर अधिक से अधिक समय तक उपस्थित रहें। विधानसभा के नियम-प्रक्रियाओं का समुचित अध्ययन कर विभिन्न विषयों और मुद्दों पर सरकार का पक्ष मजबूती से रखें। मंत्री विपक्ष के सवालों का माकूल और करारा जवाब दें। उन्होंने कहा कि सत्र के दौरान विपक्षी विधायक भ्रामक और तथ्यहीन आरोप लगाएंगे, जिनका हमें गंभीरता से तथ्यात्मक जवाब देना है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता ने पक्ष और विपक्ष के विधायकों को प्रदेश के विकास के लिए सदन में भेजा है। जनप्रतिनिधि का दायित्व है कि वे आमजन से जुड़े मुद्दों को सकारात्मक भाव से सदन में उठाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने पानी जैसी बुनियादी प्राथमिकता को ध्यान में रखते हुए, राम जलसेतु परियोजना, यमुना जल समझौता, देवास परियोजना जैसे निर्णय लिए हैं। बिजली की पर्याप्त और निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। आज प्रदेश के 22 जिलों के किसानों को दिन में बिजली दी जा रही है। कानून व्यवस्था में सुधार से लेकर युवाओं को रोजगार में अभूतपूर्व प्रगति हुई है।

विधायक दल की बैठक में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी व डॉ. प्रेमचंद बैरवा, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग सहित, भाजपा विधायक उपस्थित थे। इसके साथ ही, विधायक दल की बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सहित, कई विधायक अनुपस्थित भी थे।

- मुख्यमंत्री भजनलाल ने भाजपा विधायकों से कहा कि सत्र के दौरान विपक्षी विधायक भ्रामक आरोप और तथ्यहीन आरोप लगायेंगे, जिनका हमें गंभीरता से तथ्यात्मक जवाब देना है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर बजट सत्र को लेकर भाजपा विधायक दल की बैठक ली। इस अवसर पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी व डॉ. प्रेमचंद बैरवा, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग मौजूद थे।

बजट सत्र से पूर्व सर्वदलीय बैठक सम्पन्न

नयी दिल्ली, 27 जनवरी। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा है कि सरकार संसद में नियम प्रक्रियाओं के तहत हर मुद्दे पर चर्चा कराने को तैयार है, लेकिन एजेंडा साझा नहीं करने का विपक्ष का आरोप निराधार है।

रिजिजू ने संसद के बुधवार से शुरु हो रहे बजट सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक के बाद मंगलवार को यहां पत्रकारों से कहा कि सरकार कल से शुरु हो रहे बजट सत्र में हर मुद्दे पर चर्चा और प्रक्रियाओं के तहत चर्चा कराने को तैयार है। उन्होंने कहा कि बजट सत्र में सबसे पहले राष्ट्रपति का अभिभाषण होता है, जिसमें वे दोनों सदनों को संबोधित करती हैं, जो बुधवार को होना तय है। संसद में अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा की जाती है और उसके बाद बजट पर चर्चा होती है। धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान सदस्य कई मुद्दे उठा सकते हैं, क्योंकि अभिभाषण में सरकार के समक्ष लेखाजोखा रखा जाता है। सर्वदलीय बैठक में विपक्ष के विधायी एजेंडा साझा नहीं करने के आरोप पर उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद सरकार अपना एजेंडा साझा करती है।

- बैठक में संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा, सरकार सभी मुद्दों पर चर्चा करने को तैयार है।

ईडी ने पीएसीएल ग्रुप की 1986 करोड़ रूपए की संपत्तियाँ अटैच कीं

जयपुर व लुधियाना में अटैच की गई 37 अचल संपत्तियाँ निवेशकों के पैसे से खरीदी गई थीं

जयपुर, 27 जनवरी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पीएसीएल ग्रुप (पर्ल्स एग्रोटेक कॉरपोरेशन लिमिटेड) के खिलाफ बडी कार्रवाई करते हुए लुधियाना और जयपुर में स्थित 1986.48 करोड रुपए मूल्य की 37 अचल संपत्तियों को प्रोविजनली अटैच किया है। यह कार्रवाई पर्ल्स ग्रुप एवं उससे जुड़ी संस्थाओं द्वारा संचालित कलेक्टिव इन्वेस्टमेंट स्कीम से जुड़े बहुचर्चित फाइनेंशियल फ्रॉड की जांच के तहत की गई है।

ईडी इस मामले की लंबे समय से जांच कर रही है। जांच में सामने आया है कि खेती की जमीन की बिक्री व डेवलपमेंट की आड़ में देशभर में लाखों निवेशकों से 60 हजार करोड़ रुपए से अधिक की धोखाधड़ी की गई।

वर्ष 2014 में सीबीआई, नई दिल्ली ने इस संबंध में मामला दर्ज किया था। अब तक निवेशकों का करीब 48 हजार करोड़ रुपए का भुगतान बकाया है।

ईडी ने सोमवार को जारी बयान में बताया कि सीबीआई की जांच में यह स्पष्ट हुआ कि पीएसीएल ग्रुप ने नियमों के विपरीत कलेक्टिव इन्वेस्टमेंट स्कीम चलाई। निवेशकों को कैश डाउन पेमेंट और किस्त आधारित योजनाओं के जरिए निवेश के लिए उकसाया गया। उनसे एग्रीमेंट, पावर ऑफ अटॉर्नी सहित, अन्य गुमराह करने वाले दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कराए गए।

जांच में यह भी सामने आया कि अधिकांश मामलों में निवेशकों को कोई जमीन आवंटित ही नहीं की गई। धोखाधड़ी को छिपाने के लिए कई फ्रंट एंटिटी और रिवर्स सेल ट्रांजैक्शन का इस्तेमाल किया गया। आम निवेशकों से जुटाई गई राशि को विभिन्न रिलेटेड व अन-रिलेटेड एंटिटीज के माध्यम से घुमाकर अंततः निर्मल सिंह भंगू, उनके परिवार के सदस्यों, सहयोगियों और पीएसीएल से जुड़ी संस्थाओं के बैंक खातों में जमा कराया गया। बाद में इन्हीं पैसों से उनके नाम पर अचल संपत्तियां खरीदी गईं।

जांच के दौरान यह भी सामने आया कि स्वर्गीय निर्मल सिंह भंगू की पत्नी प्रेम कौर, बेटियां बरिंदर कौर एवं सुखविंदर कौर, दामाद गुरप्रताप सिंह और सहयोगी प्रतीक कुमार के खिलाफ ओपन-एंडेड नॉन-बेलेबल वारंट जारी किए गए हैं।

ईडी के अनुसार, अब तक करीब 7 हजार 589 करोड़ रुपए की चल-अचल संपत्तियां अटैच की जा चुकी है, जिनमें भारत और विदेशों में स्थित संपत्तियां शामिल हैं। ताजा अटैच की गई 37 अचल संपत्तियां निवेशकों के फंड से अर्जित की गई थीं। मामले में आगे की जांच जारी है।

- ईडी की लंबे समय चली जाँच से सामने आया कि खेती की जमीन की बिक्री व डवलपमेंट की आड़ में देश भर में लाखों निवेशकों से 60 हजार करोड़ रूपए से अधिक की धोखाधड़ी की गई।

'एसिड अटैक पीड़ितों के मुआवज़े के लिए अपराधियों की संपत्ति नीलाम करने की सोचें'

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई में कहा कि सजा इतनी सख्त होनी चाहिये कि प्रभावी निवारक का काम करे

नयी दिल्ली, 27 जनवरी। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को एसिड अटैक मामलों को रोकने के लिए कड़े और अधिक निवारक उपाय अपनाने का सुझाव दिया और कहा कि अगर अपराधी पीड़ितों को मुआवजा देने में असमर्थ हों तो उनकी संपत्ति जब्त कर नीलाम की जा सकती है।

मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ एसिड अटैक के मामलों से निपटने के लिए व्यापक निर्देशों की मांग वाली एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने कहा कि सज़ा इतनी सख्त होनी चाहिए कि वह एक प्रभावी निवारक के रूप में काम करे। शीर्ष अदालत ने कहा कि पीड़ितों को मुआवज़ा देना ज़रूरी है और इसे सुनिश्चित किया जाना चाहिए, भले ही इसके लिए अपराधी की संपत्ति बेचनी पड़े। सुनवाई के दौरान सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, ''अगर आरोपी मुआवज़ा नहीं दे सकता, तो उसकी सारी संपत्ति ज़ब्त करके उसे नीलाम करके पीड़ित को भुगतान क्यों नहीं किया जाए?'' पीठ ने कहा कि ऐसे मामलों में पारंपरिक सुधारवादी सिद्धांत पर्याप्त नहीं हो सकते हैं।

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, ''कानून के दायरे से बाहर कुछ असाधारण सजा देने सम्बंध कदम उठाने की जरूरत है। जब तक आरोपी के लिए कार्रवाई बहुत दर्दनाक नहीं होगी, तब तक यह काम नहीं करेगा।'' शीर्ष अदालत ने सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों को एसिड अटैक के मामलों का पूरा डेटा रिकॉर्ड पर रखने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने सरकारों से वर्षवार रिपोर्ट की गई घटनाओं की जानकारी, आरोप पत्रों की स्थिति, निर्णयित मामलों की संख्या और लंबित मामलों की संख्या प्रस्तुत करने को कहा।

सीजेआई ने केन्द्र सरकार से यह भी जांच करने को कहा कि क्या एसिड अटैक से ज़्यादा प्रभावी ढंग से निपटने के लिए कानूनी दखल या कानूनी सुधारों की ज़रूरत है। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल अर्चना पाठक दवे को संबोधित करते हुए सीजेआई ने कहा, ''कुछ कानूनी दखल के बारे में सोचिए... यह दहेज हत्या से कम गंभीर नहीं है।'' एसिड अटैक मामलों की सुनवाई में देरी को लेकर बढ़ ती चिंताओं के बीच न्यायालय के निर्देश जारी किए गए।

- मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा, ''अगर आरोपी मुआवज़ा नहीं दे सकता तो उसकी सारी संपत्ति जब्त करके उसे नीलाम करके पीड़ित को भुगतान क्यों नहीं किया जाये?''

उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड की चेतावनी

नयी दिल्ली, 27 जनवरी। उत्तर भारत को प्रभावित कर रहे पश्चिमी विक्षोभ के कारण मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में ठंड का असर और बढ़ गया। सुबह से दिल्ली के कई हिस्सों में हल्की बारिश हुई, जिसके रुक-रुक कर दिन भर होने के आसार हैं।

इससे राजधानी में सर्दी और बढ़ गयी। मौसम विभाग के अनुसार, सफदरजंग में न्यूनतम तापमान आठ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि पालम में यह 9.2 डिग्री सेल्सियस रहा। बादलों और ठंडी हवाओं के कारण सुबह के समय ठंड का एहसास अधिक रहा। मौसम विभाग ने बताया कि 26 से 28 जनवरी के बीच एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित करेगा।

जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी के आसार हैं।

कांग्रेस ने संसद के बजट सत्र की रणनीति बनाई

नयी दिल्ली, 27 जनवरी। कांग्रेस पार्टी की संसदीय रणनीति समिति की मंगलवार को आयोजित महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता पार्टी संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने की। इस अवसर पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी सहित, पार्टी के सभी वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

बैठक में आगामी बजट सत्र की रणनीति को लेकर व्यापक चर्चा की गई। विशेष रूप से बजट सत्र के पहले चरण में किन मुद्दों को प्राथमिकता के साथ उठाया जाएगा, इस पर विस्तार से मंथन हुआ। चर्चा के दौरान सबसे अहम मुद्दा मनरेगा का रहा, जिसे पार्टी नेताओं ने प्रमुखता से उठाने का निर्णय लिया।

बैठक में मतदाता सूची पुनरीक्षण मामले को संसद के बजट सत्र में प्रमुखता से उठाने का निर्णय लिया गया है। कांग्रेस ने इस मुद्दे को संसद में पूरी मजबूती से उठाने का फैसला किया है। इसमें पर्यावरण से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा हुई, जिनमें अरावली क्षेत्र और ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट प्रमुख रहे। इसके अलावा, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख पर सरकार को घेरने की रणनीति बनाई गयी है।

इंदौर में दूषित पानी से हुई मौतों ,स्वच्छता और स्वास्थ्य से जुड़े मसलों को संसद में उठाने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही, विदेश नीति और आयात शुल्क को लेकर अमेरिका के दबाव जैसे मुद्दों पर भी सरकार से जवाब मांगने की रणनीति बनायी गयी है।

- संसदीय रणनीति समिति की बैठक में सोनिया गांधी, खड़गे व राहुल गांधी ने भी भाग लिया।

बेलगाम ताकत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अमेरिकी इतिहास में इसके उदाहरण मौजूद हैं। पुलिस व्यवस्था में बदलाव तभी आए, जब जानलेवा ताकत को कड़ी कानूनी, और नागरिक निगरानी एवं जाँच के दायरे में लाया गया।

स्वतंत्र जाँच, स्पष्ट कमांड चेन, लागू करने योग्य नियम और नियम तोड़ने पर वास्तविक सज़ा, ये कानून-व्यवस्था के खिलाफ़ कदम नहीं हैं, बल्कि वही शर्तें हैं, जिनसे कानून लागू करने वाली संस्थाएं अपनी विश्वसनीयता बनाए रख सकती हैं। उतनी ही अहम है राज्यों और शहरों की भूमिका, जो फेडरल सत्ता और आम लोगों के बीच एक बफर का काम करती है। जो प्रशासनिक क्षेत्र सहयोग पर सीमाएं लगाते हैं, पारदर्शिता पर जोर देते हैं और स्पष्ट परिचालन प्रोटोकॉल अनिवार्य करते हैं। उन्होंने स्पष्ट रूप से हिंसक टकराव को कम किया है। ये स्थानीय सुरक्षा उपाय इसलिए ज़रूरी हैं क्योंकि वे काग़ज़ी अधिकारों को ज़मीनी सुरक्षा में बदलते हैं। आज जो अमेरिकी इन घटनाओं को देख रहे हैं, उनके लिए यह अब कोई वैचारिक बहस नहीं रही, यह इस सवाल से जुड़ गई है कि रोज़मर्रा की ज़िंदगी अचानक और अपूरणीय बल प्रयोग के डर के बिना चल सकती है या नहीं।

इसके साथ ही, एक राजनीतिक आत्ममंथन भी शुरू हो चुका है। इमिग्रेशन एण्ड कस्टम्स एन्फोर्समैंट (आई.सी.ई.) जैसी एजेंसियां क़ानून से बनी हैं, किसी ईश्वरीय अधिकार से नहीं। उनकी शक्तियां राजनीतिक फैसलों का नतीजा हैं, और इन फैसलों पर दोबारा विचार किया जा सकता है। अलग-अलग विचारधाराओं में बढ़ती बेचैनी, नागरिक स्वतंत्रता के समर्थकों, स्वास्थ्यकर्मियों, कानूनी विशेषज्ञों और यहां तक कि कुछ रूढ़िवादी न्यायविदों के बीच, यह दिखाती है कि सवाल अब यह नहीं रहा कि कार्रवाई होनी चाहिए या नहीं, बल्कि यह बन गया है कि एक लोकतंत्र, बिना नियंत्रण वाली, कितनी ताकत सहन कर सकता है।

आख़िरकार, एक नर्स की हत्या ने पूरी बहस की दिशा बदल दी है। इसने साफ़ कर दिया है कि डर केवल बिना दस्तावेज़ वालों या हाशिये पर खड़े लोगों तक सीमित नहीं रहता, जब संयम खत्म होता है, तो डर चारों तरफ फैलता है।

जो राज्य अपने ही नागरिकों के साथ अनुपात और जवाबदेही की गारंटी नहीं दे सकता, वह बिना काग़ज़ वालों को न्याय देने का भरोसा भी विश्वसनीय तरीके से नहीं दिला सकता। नागरिकों और ग़ैर-नागरिकों, दोनों के लिए आगे का रास्ता इस बात पर ज़ोर देने में है कि ताकत पर क़ानून का शासन हो, सुविधा का नहीं, और यह कि नागरिकता का मतलब डिफ़ॉल्ट रूप से सुरक्षा हो, संयोग से बच जाना नहीं।

विपक्ष के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस पर चुप है, लेकिन यूथ कांग्रेस ने इन बदलावों का समर्थन किया है।

दिलचस्प बात यह है कि भले ही भाजपा एक ऐसी पार्टी है, जिसे ऊँची जातियों का समर्थन प्राप्त है, उसी पार्टी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान, दोनों ही ओबीसी वर्ग से आते हैं। अब सवाल यह उठ रहा है कि क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विपक्षी दलों से ओबीसी वोट बैंक छीनकर अपना समर्थन आधार मज़बूत करने की कोशिश कर रहे हैं। पहले वाला कानून केवल सलाह देने वाला था, लेकिन संशोधित कानून अब अनिवार्य कर दिया गया है और इसे लागू करना ज़रूरी होगा। देश भर में इस फैसले को लेकर विरोध और नाराज़गी देखने को मिल रही है। आम धारणा बन रही है कि ऊंची जातियों के साथ भेदभाव किया जा रहा है, हालांकि, केन्द्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने इससे इनकार किया है।

आरक्षण रहित ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

फंडिंग समाप्त होने जैसी कड़ी सज़ाओं का सामना करना पड़ सकता है।

आलोचकों का तर्क है कि नए नियमों में भेदभाव के आरोप झेलने वालों के लिए सुरक्षा उपायों को स्पष्ट रूप से परिभाषित नहीं किया गया है और इससे सामान्य वर्ग के छात्रों व शिक्षकों के खिलाफ पहले से ही दोष सिद्ध मान लेने की धारणा बन सकती है। नियमों को वापस लेने या उनकी समीक्षा की मांग को लेकर कई संस्थानों में विरोध प्रदर्शन शुरू हो चुके हैं।

सरकार ने इन नियमों को आवश्यक सुरक्षा उपाय बताया है, लेकिन आलोचकों का कहना है कि ये नियम अस्पष्ट, एकतरफा और दुरुपयोग के लिए खुले हुए हैं। जब इस मुद्दे पर सवाल किया गया तो गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने इस पर सीधा जवाब देने से बचते हुए, यह स्पष्ट नहीं किया कि क्या इन नियमों की समीक्षा की जाएगी या उन्हें रोका जाएगा। यह विवाद अब परिसरों से बाहर निकलकर राज्यों में अशांति का कारण बन रहा है और इस सवाल को भी जन्म दे रहा है कि उच्च शिक्षा की दिशा और स्वरूप क्या होना चाहिए। इसके बावजूद, सरकार की ओर से न तो परामर्श प्रक्रिया और न ही संभावित संशोधनों के लिए कोई आधिकारिक समयसीमा बताई गई है। इस बीच, इस्तीफे और विरोध प्रदर्शन लगातार बढ़ते जा रहे हैं और केन्द्र सरकार से यूजीसी नियमों को उनके मौजूदा स्वरूप में बनाए रखने पर पुनर्विचार की मांग की जा रही है।

हाई कोर्ट ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेकिन इनमें से सिर्फ चार अभ्यर्थियों को ही पास घोषित किया गया। आयोग के परीक्षा परिणाम के अनुसार, अधिकांश अभ्यर्थी तय न्यूनतम अंक भी हासिल नहीं कर पाए। जबकि इस परीक्षा में कई ऐसे अभ्यर्थी शामिल हुए थे, जिन्होंने पूर्व में सिविल जज की लिखित परीक्षा पास की थी।

आरपीएससी के अधिवक्ता एमएफ बेग ने कहा कि परीक्षा परिणाम में अभ्यर्थियों को अपने प्रदर्शन के आधार पर अंक मिले हैं। एक अभ्यर्थी का अलग-अलग भर्ती परीक्षाओं में प्रदर्शन अलग-अलग रहता है। ऐसे में यह नहीं कहा जा सकता कि पूर्व में परीक्षा में अधिक अंक लाने पर इस परीक्षा में भी अभ्यर्थी अधिक अंक ही लाएगा। इसके अलावा, नियमानुसार हर प्रश्न पत्र में चालीस फीसदी अंक लाने थे। भर्ती में पूरी पारदर्शिता रखी गई है। ऐसे में याचिकाओं को खारिज किया जाए। सुनवाई के दौरान अदालत ने सफल अभ्यर्थियों के साथ-साथ, दस असफल अभ्यर्थियों की कॉपी मंगाकर देखी थी। इसके अलावा, आरपीएससी के परीक्षा नियंत्रक भी सुनवाई के दौरान अदालत में पेश हुए थे। अब अदालत ने याचिकाओं को खारिज कर दिया है।

नाबालिग से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नीचे आये और अभियुक्त को दुष्कर्म करते पकड़ कर पुलिस को जानकारी दी। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान पीड़िता ने अदालत को बताया कि अभियुक्त उसका डेढ़ साल से पीछा कर रहा था। घटना की रात वह उसे जबरन कमरे में ले गया था और उसका मुंह दबाकर दुष्कर्म करने लगा। इस दौरान उसने अभियुक्त की पकड ढीली पड़ने पर उसने शोर मचाया तो उसके परिजन मौके पर आ गए और अभियुक्त को अपराध करते हुए पकड़ लिया।

भारत ईयू ट्रेड डील से लग्ज़री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुरक्षा के लिए उठाया गया है, जो तेजी से विकास कर रहा है।

भारत और यूरोपीय यूनियन (ईयू) ने एक ऐतिहासिक, मेगा फ्री ट्रेड एग्रीमैंट की घोषणा की है, जिसमें 10 प्रमुख उपलब्धियाँ शामिल हैं: यह एफटीए दोनों देशों के बीच व्यापार, रक्षा और सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों और वैश्विक नियम आधारित व्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए महत्वपूर्ण बदलाव लाएगा। दोनों पक्षों ने एक रक्षा ढाँचा समझौता और एक रणनीतिक एजेंडा भी प्रस्तुत किया। यह नई साझेदारी उस समय पर आई है, जब यूरोप अमेरिका व चीन पर और चीनी निर्भरता को कम करने की कोशिश कर रहा है और अन्य क्षेत्रों के साथ कूटनीतिक और आर्थिक संबंधों को मजबूत करना चाहता है। भारत और यूरोपीय संघ 2004 से रणनीतिक साझेदार रहे हैं। प्रस्तावित सिक्योरिटी एंड डिफैंस पार्टनरशिप (एसडीपी) दोनों पक्षों के बीच रक्षा और सुरक्षा सहयोग को गहरा करेगी। एसडीपी से रक्षा क्षेत्र में अंतरसंचालनीयता बढ़ेगी और भारतीय कंपनियों को ईयू के एसएएफई (सिक्योरिटी एक्शन फॉर यूरोप) कार्यक्रम में भागीदारी के अवसर मिलेंगे। एसएएफई यूरोपीय यूनियन का 150 बिलियन यूरो का वित्तीय उपकरण है, जिसे सदस्य देशों को रक्षा तत्परता में तेजी लाने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। भारत और यूरोपीय संघ ने एफटीए के लिए 2007 में वार्ता शुरू की थी, जिसे 2013 में महत्वाकांक्षा के अंतर के कारण निलंबित कर दिया गया था। फिर जून 2022 में इन वार्ताओं को फिर से शुरू किया गया था।

- इस डील के बाद 16 लाख रूपए की गाड़ी, जिस पर 100 प्रतिशत ड्यूटी लगती थी, वो घटकर 40 प्रतिशत रह जाएगी और आगे चलकर उसे 10 प्रतिशत भी किया जा सकता है।
- शुल्क में कटौती ''कोटा'' आधारित होगी ताकि भारतीय ऑटो उद्योग भी सुरक्षित रहें और फले-फूलें।
- इस डील से सिक्युरिटी एवं डिफैंस पार्टनरशिप को भी मजबूती मिलेगी जिससे दोनों पक्षों को फायदा होगा। इससे भारतीय कंपनियां यूरोपियन यूनियन के सिक्युरिटी एक्शन फॉर यूरोप (एसएएफई) कार्यक्रम में हिस्सा ले सकेंगी।
- ईयू और भारत के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमैंट के लिए वार्ता 2007 में शुरु हुई थी, पर, फिर 2013 में वार्ता निलम्बित कर दी गई और 2022 में वार्ता पुनः शुरु हुई, अन्ततोगत्वा डील फाइनल हो गई।

'सेवानिवृत न्यायाधीशों को उचित मानदेय और यात्रा सुविधा क्यों नहीं दी'

सुप्रीम कोर्ट ने बार काउन्सिल ऑफ इंडिया को फटकारा और जवाब मांगा

नयी दिल्ली, 27 जनवरी। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) को कड़ी फटकार लगाते हुए राज्य बार काउंसिल चुनावों की निगरानी के लिए नियुक्त सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को समुचित मानदेय और यात्रा भत्ता उपलब्ध न कराए जाने पर सवाल उठाए।

मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत, न्यायमूर्ति आर. महादेवन और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने यह मुद्दा वरिष्ठ अधिवक्ता वी. गिरि के मौखिक उल्लेख के बाद उठाया। गिरि उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित उच्चाधिकार प्राप्त निगरानी समिति के सदस्य हैं। गिरि ने पीठ को बताया कि उच्चाधिकार प्राप्त निगरानी समितियों के सदस्यों को दिया जाने वाला मानदेय उनकी गरिमा और पद के अनुरूप होना चाहिए, क्योंकि इनमें कई पूर्व मुख्य न्यायाधीश और उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश शामिल हैं। उन्होंने कहा कि जब यह विषय बीसीआई के समक्ष रखा गया, तो परिषद ने जवाब दिया कि ऐसा भुगतान ''बहुत अधिक'' होगा और व्यवहारिक नहीं है।

गिरि ने अदालत से हस्तक्षेप की मांग करते हुए आग्रह किया कि या तो इस संबंध में उचित निर्देश दिए जाएं, या फिर न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) सुधांशु धूलिया को आवश्यक कदम उठाने के लिए अधिकृत किया जाए। उन्होंने इस संदर्भ में बीसीआई द्वारा न्यायमूर्ति धूलिया को भेजे गए जवाब को भी पीठ के समक्ष रखा।

इसके अलावा, अधिवक्ता गिरि ने यह भी बताया कि बीसीआई ने राजस्थान बार काउंसिल चुनावों के लिए एक अलग समिति गठित कर दी है, यह कहते हुए कि उच्चतम न्यायालय के 18 नवंबर 2024 के आदेश में राजस्थान का उल्लेख नहीं था। उन्होंने दलील दी कि यह कदम अदालत के निर्देशों की भावना और मंशा दोनों के विपरीत है और बताया कि उक्त समिति पहले ही चुनावों की अधिसूचना जारी कर चुकी है। पीठ ने बीसीआई के इस रुख पर सवाल उठाते हुए उसके वकील से पूछा कि राजस्थान को आदेश से बाहर क्यों रखा गया और अदालत को सूचित किए बिना अलग समिति क्यों बनाई गई। उच्चतम न्यायालय ने बीसीआई को निर्देश दिया कि वह अगले दिन तक इस पर स्पष्टीकरण दे।

- उच्चतम न्यायालय द्वारा बार काउन्सिल के चुनावों की निगरानी के लिए गठित उच्चाधिकार समिति के सदस्य, वरिष्ठ अधिवक्ता वी. गिरी ने यह मुद्दा मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत व जस्टिस जॉय माल्या बागची की पीठ के समक्ष उठाया।
- गिरी ने बताया कि बीसीआई ने राजस्थान बार काउन्सिल चुनावों के लिए अलग समिति गठित कर दी और तर्क दिया कि सुप्रीम कोर्ट में 18 नवम्बर 2024 के आदेश में राजस्थान का उल्लेख नहीं था।
- बीसीआई ने जवाब में कहा कि जजों को उनकी प्रतिष्ठा के अनुरुप मानदेय देन बहुत खर्चीला होगा।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908